

वार्षिक प्रतिवेदन 2019-20



भारतीय विज्ञान
कांग्रेस संस्था, कोलकाता



University of Agricultural Sciences, Bangalore



107th INDIAN SCIENCE CONGRESS

Science & Technology: Rural Development

3-7 January, 2020



(बाएँ से दायें) प्रथम पंक्ति : डॉ. न्हाई. जी. सादाक्षरी (स्थानीय सचिव), डॉ. ए. के. जैन (महासचिव वैज्ञानिक कार्यक्रम/लाप), डॉ. ए. ए. के. चक्रवर्ती, डॉ. ए. के. सक्सेना, प्रो. जी. बाली, डॉ. एस. राजेन्द्र प्रसाद (कुलपति, GKVK), डॉ. हर्ष वर्धन (विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री), श्री नरेन्द्र मोदी (प्रधान मंत्री), श्री बी. एस. युदियुरप्पा (मुख्यमंत्री), प्रो. के. एस. रांगप्पा (महाध्यक्ष), प्रो. हर्ष गुप्ता, प्रो. आर. सी. सोबती, डॉ. (श्रीमती) न्ही. एल. सक्सेना (महाध्यक्ष निर्वाचित), डॉ. एस. रामकृष्ण (महासचिव, सदस्यता कार्य), डॉ. के. सी. नारायणस्वामी (स्थानीय सचिव)

द्वितीय पंक्ति : प्रो. आशुतोष शर्मा (डी एस टी), डॉ. के. टी. चंद्रशेखर, प्रो. एस. पी. त्रिवेदी, प्रो. ध्यानेन्द्र कुमार, प्रो. गंगाधर, प्रो. के. बायरप्पा, प्रो. एम. बी. नायडू, प्रो. एस. पी. सिंह, डॉ. एन. बी. बासु, प्रो. पी. पी. माथुर, प्रो. आर. के. वर्मा, प्रो. अरुण कुमार, डॉ. निवेदिता चक्रवर्ती, डॉ. एम. जी रघुनाथन, प्रो. सी. मुथमिजचेलनेव, प्रो. (डॉ.) ए. एम. सक्सेना, डॉ. शिव सत्य प्रकाश (कोषाध्यक्ष)

तृतीय पंक्ति : डॉ. अरुण कुमार पाण्डेय (सहायक कर्मचारी सचिव), डॉ. यु. बेहेरा, प्रो. पी. सी. जोशी, प्रो. (डॉ.) एस. एम. मकवाना, प्रो. डी. एस. रावत, प्रो. आर. बी. सिंह, डॉ. ए. के. दास, डॉ. आर. एस. रावल, प्रो. मोहम्मद, एन. होडा, डॉ. एस. श्रीकांतस्वामी, प्रो. एस. के. निम्भोरकर, डॉ. एस. के. घोष, प्रो. एस. चिदान्नील, प्रो. (सुश्री) न्हाई. विमला, डॉ. अमित कृष्णा दे (कार्यकारी सचिव)

वार्षिक प्रतिवेदन

2019-2020



(विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एक व्यावसायिक संस्था ,
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार)
14 डॉ. बिरेश गुहा स्ट्रीट, कोलकाता – 700 017, भारत

विषय वस्तु

	पृष्ठ संख्या
प्रस्तावना	5-6
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था की रूपरेखा	7
107 वां भारतीय विज्ञान कांग्रेस का सत्र, बेंगलोर	13
उद्घाटन सत्र	13
बाल विज्ञान कांग्रेस	13
महिला विज्ञान कांग्रेस	14
विज्ञान संचारक सम्मेलन (SCM)	15
विज्ञान प्रदर्शनी: भारत का गर्व एक्सपो - 107 वां ISC	15
किसान विज्ञान कांग्रेस	16
कुलपतियों का निर्वाचिका सभा	16
योग विज्ञान समागम	17
समापन सत्र	17
तकनीकी सत्र 107 वां ISC	18-25
अनुभागों में कार्यकलाप	26
ISCA अक्षयनिधि पुरस्कार/ व्याख्यान	26-28
मुख्य सिफारिशें	29-37
-सिफारिशें	37
-कुलपतियों का निर्वाचिका सभा	37
-किसान विज्ञान कांग्रेस	38
-महिला विज्ञान कांग्रेस	38
अन्य कार्यकलाप	39
ISCA शाखाएँ	39-48
हिन्दी कार्यक्रम समारोह	49
प्रकाशनें	49
अन्य विषयक्रम	49
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था की बैठकें	49
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था का अन्य संस्थाओं में प्रतिनिधित्व	50-51
सदस्यता	52
संगठनात्मक आकृति	52

अभीरुवीकृति	54
अनुबंघ - I	
107 वॉ भारतीय विज्ञान कांग्रेस सत्र में अनुभागीय अधुयक्षों के वक्तवुव का शीर्षक	59
अनुबंघ - II	
107 वॉ भारतीय विज्ञान कांग्रेस सत्र के प्लेटिनम जयंती वुव्याखुयान	61
अनुबंघ - III	
107 वॉ भारतीय विज्ञान कांग्रेस के अनुभागों द्वारा आयोजित विशिष्ट विषुयों से संबंघित परिसंवाद के शीर्षक	63
अनुबंघ - IV	
वर्ष 2019 -2020 के लिए युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त करने वालों की सूची	65
अनुबंघ - V	
वर्ष 2019 -2020 के दौरान सर्वोत्तम पोस्टर प्रस्तोता का पुरस्कार पाने वालों की सूची	67
अनुबंघ - VI	
इन्फोसिस फ़ाउंडेशन की सूची 2019 - 2020 के लिए ISCA यात्रा पुरस्कार प्राप्तकर्ता	70
परिशिष्ट - I	
वर्ष 2019 -2020 के लिए परिषद के सदसुय	71
परिशिष्ट - II	
वर्ष 2020 -2021 के लिए परिषद के सदसुय	73
परिशिष्ट - III	
कार्मिक	75
परिशिष्ट - IV	
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संसुथा के महाधुयक्ष	76
परिशिष्ट - V	
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संसुथा के महासचिव	81
परिशिष्ट - VI	
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संसुथा के कोषाधुयक्ष	82
लेखुा परीक्षा रिपोर्ट एवं लेखें।	83-117

प्रस्तावना

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के 107 वें वर्ष के समापन को चिन्हित किया। 3-7 जनवरी, 2020 से जलंधर में 107 वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस फागवाड़ा में लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय के अनुपालन के तहत आयोजित की गई थी। श्री नरेन्द्र मोदी, भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने श्री व्ही. पी. सिंह बदनौर, पंजाब के माननीय राज्यपाल, डॉ० हर्षवर्धन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री, पर्यावरण मंत्रालय, वन और जलवायु परिवर्तन और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, श्री व्ही. सांपला, भारत में सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री और श्री एस. एस. अरोरा, मंत्री, उद्योग और वाणिज्य के उपस्थिति में उद्घाटन किया। डॉ० अशोक मित्तल, माननीय कुलपति, लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, जलंधर ने सदस्यों का स्वागत किया। डॉ० मनोज कुमार चक्रवर्ती, ISCA के महाध्यक्ष ने अपना भाषण फोकल थीम “भविष्य भारत: विज्ञान और प्रौद्योगिकी” पर दिया। उद्घाटन समारोह में पूरे देश के शोध विद्वानों और वैज्ञानिकों सहित आमंत्रित हुए।

दो नोबेल पुरस्कार विजेताओं, संघ और राज्य सरकार और देश से वैज्ञानिकों ने देश और विदेश के वरिष्ठ अधिकारियों के भी उद्घाटन समारोह में भाग लिया। लगभग 27 प्लेनरी सत्र आयोजित किए गए, जहां दुनिया भर के 94 लीड वक्ताओं ने अपने वैज्ञानिक गतिविधियों के साथ-साथ अभिनव वैज्ञानिक क्षेत्रों पर बात की। पिछली परंपरा के बाद, प्लेटिनम जुबली व्याख्यान के अलावा 14 वर्गों में विभिन्न दिलचस्प विषयों पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया था, जिसने पूरे कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण घटक गठित किया। इन विषयों में लगभग 32 प्रमुख नोट व्याख्यान, 421 आमंत्रित व्याख्यान और पोस्टर / मौखिक प्रस्तुतियां आयोजित की गईं। विभिन्न विचार-विमर्शों के दौरान विशेष रूप से समकालीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र उत्थान पर कई उपयोगी सिफारिशें सामने आईं।

राष्ट्रीय किशोर वैज्ञानिक सम्मेलन (बाल विज्ञान कांग्रेस) 4-6 जनवरी, 2020 में NCSTC, DST, नई दिल्ली की सहायता से आयोजित की गईं जहाँ परियोजना विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण की राष्ट्रीय परिषद और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए पंजाब राज्य परिषद द्वारा प्रदर्शित किए गए। इंफोसिस, ISCA यात्रा पुरस्कार स्कूल के बच्चों को प्रस्तुत किया गया था। पड़ोस और स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों की एक बड़ी संख्या ने दौरा किया और बाल विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया।

इसके अलावा 13वीं राष्ट्रीय विज्ञान संचारक सम्मेलन (विज्ञान संचारक सम्मेलन) का आयोजन NCSTC, DST, नई दिल्ली से समर्थन के साथ किया गया था और जहाँ ISCA के विभिन्न शाखाओं से चुने गए विज्ञान संचारकों ने भाग लिया था।

KIRAN, डी एस टी, नई दिल्ली से समर्थन के साथ “भविष्य भारत: विज्ञान और प्रौद्योगिकी” ने विषय पर 9वीं महिला विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया गया। जहाँ पूरे देश के महिला वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

107 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस की घटना के अंत में चिन्हित समापन चित्र 7 जनवरी, 2020 को हुआ। समारोह के लिए गणमान्य व्यक्ति श्री अशोक मित्तल, लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रो० के. एस. रंगप्पा, महाध्यक्ष, ISCA थे। इस समारोह में, युवा वैज्ञानिक अवरदौर उत्कृष्ट पोस्टर अवार्ड भी प्रस्तुत किए गए। श्रीमती रश्मि मित्तल, प्रतिकुलाधिपति, LPU, प्रो० गंगाधर, महासचिव (सदस्यता कार्य), ISCA, और प्रो० पी. पी. माथुर, महासचिव (वैज्ञानिक कार्य) और डॉ० अमित कृष्ण दे, कार्यकारी सचिव, ISCA भी मौजूद थे। डॉ० मनोज कुमार चक्रवर्ती, महाध्यक्ष, ISCA ने महाध्यक्षीय भाषण दिया। अंत में, विज्ञान ज्योत को डॉ० मनोज कुमार चक्रवर्ती ने प्रो० के. एस. रंगप्पा को 107 वाँ ISC के स्थान पर ले जाने के साथ - साथ छात्रों के बीच विज्ञान के महत्व को और अधिक फैलाने के संदेश के साथ सौंपा।

26 ISCA शाखाओं ने विभिन्न गतिविधियों के बीच 107 वाँ ISC के फोकल थीम पर सेमिनार, संगोष्ठी, व्याख्यान, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आदि आयोजित करके रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान अपनी गतिविधियों को जारी रखा। शाखाओं ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, योग दिवस, विश्व आर्द्र भूमि दिवस, पृथ्वी दिवस, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस, शिक्षक दिवस आदि मनाया।

संस्था विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार से सक्रिय वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए बहुत सम्मानित महसूस करता है और अपनी इच्छित गतिविधियों को पूरा करने और अपने मौजूदा बुनियादी ढाँचे में सुधार निष्पादित करने के लिए भी सक्षम होता है। संसाधन आधार का विस्तार करने और प्रभावी वित्तीय प्रबंधन द्वारा फंड की स्थिति में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं। संस्था की ताकत अपने सदस्यों से प्राप्त मजबूत समर्थन में निहित है।

दिनांक : 05.11.2020

एस. रामकृष्ण

(डॉ० एस. रामकृष्ण)

महासचिव (सदस्यता कार्य)
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

भारतीय विज्ञान कांग्रेस की रूपरेखा

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था 1914 में स्थापित देश की प्रमुख वैज्ञानिक संस्था है। यह संस्था अपने विविध कार्यकलापों के माध्यम से विज्ञान का संवर्धन एवं वैज्ञानिक मनोभाव का संचार कर रही है। इस संस्था की बैठक जनवरी के प्रथम सप्ताह में वैज्ञानिकों, विज्ञान प्रबंधकों, नीति - निर्माताओं एवं जनसाधारण के वार्षिक सम्मेलन में होती है, ताकि वैज्ञानिक अन्वेषण को अत्याधिक गति व अधिक सुव्यवस्थित दिशा प्रदान की जा सके, देश के विभिन्न भागों में समाज एवं व्यक्ति के मध्य पारस्परिक संबंध को बढ़ावा दिया जा सके तथा पूर्णतः वैज्ञानिक एवं अनुप्रयुक्त उद्देश्यों की और जनसाधारण का ध्यान आकर्षित किया जा सके। यह संस्था भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिकों में राष्ट्रीय विकास के उद्देश्य से अन्तः संबंध स्थापित करती है। 1914 से ही प्रति वर्ष संस्था का वार्षिक आशिवेशन बुलाया जाता है, जिसका महाध्यक्ष, अतिप्रतिष्ठित वैज्ञानिक होता है।

संस्था का गठन निम्नलिखित उद्देश्यों से किया गया:

1. भारत में विज्ञान को उन्नत करना एवं उसे बढ़ावा,
2. भारत में उपयुक्त स्थान पर वार्षिक सम्मेलन का आयोजन करना,
3. ऐसी कार्यवाहियों, पत्रिकाओं, कार्य-विवरण एवं अन्य प्रकाशनों को प्रकाशित करना जिन्हें वांछनीय माना जा सकता है,
4. विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए धन एवं वृत्तिदान को सुरक्षित तथा प्रबंधन करना सहित संस्था की संपत्ति के किसी भी हिस्से की बिक्री अथवा निपटान का अधिकार,
5. कोई एक या सभी अन्य कार्य करना तथा किसी मामले या विषय को निष्पादित करने में प्रेरक का कार्य करना। स्थापना के समय से ही संस्था ने अपने उच्च उद्देश्यों की पुष्टि के लिए दृढ़तापूर्वक कार्य किया है। आशा के अनुरूप 1914 से अब इसके कार्यकलाप का कई गुना विस्तार हो गया है।

कांग्रेस की पहली बैठक एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के परिसर में 15 से 17 जनवरी 1914 तक हुई जिसके महाध्यक्ष कलकत्ता विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति माननीय न्यायमूर्ति सर आशुतोष मुखर्जी थे। भारत एवं विदेश के विभिन्न भागों से आए एक सौ पाँच वैज्ञानिकों ने बैठक में भाग लिया और छः अनुभागीय अध्यक्षों के अधीन वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, नृजती विज्ञान, भू-विज्ञान, भौतिक विज्ञान एवं प्राणी विज्ञान अनुभागों में विभाजित 35 लेख प्रस्तुत किए गए। प्रारम्भ में कम सदस्यों वाली भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था में अब सदस्यों की संख्या बढ़कर लगभग पचास हजार हो गई है। भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था का स्वतंत्रता के पश्चात ब्रिटिश विज्ञान उन्नति संस्था, बीजिंग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्था जैसी विभिन्न विदेशी वैज्ञानिक अकादमियों/संस्थाओं तथा अन्य संस्थाओं से सक्रिय अन्तः संबंध रहा है, ताकि पारस्परिक हित वाले विषयों पर उपयोगी विचार - विमर्श हो सके।

वर्ष 1976 में कांग्रेस के दौरान विचार - विमर्श के स्तर पर महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला। कुछ समय से महसूस किया जा रहा था, कि व्यापक आधार वाले वैज्ञानिकों के इस तरह सम्मेलन में वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय प्रभाव वाले राष्ट्रीय मुद्दों को भी लिया जाए। भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के तत्कालीन महाध्यक्ष डॉ॰ एम. एस. स्वामीनाथन ने 1976 में राष्ट्रीय प्रासंगिकता के केंद्रीय थीम कि संकल्पना का सूत्रपात किया, जिस पर अब वार्षिक अधिवेशन के दौरान प्रत्येक कांग्रेस में चर्चा होती है। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय थीम के विभिन्न पहलुओं पर कई पूर्ण अधिवेशन आयोजित किए जाते हैं, जिनमें वैज्ञानिकों एवं प्रौद्योगिकीविदों के साथ - साथ नीति - निर्माता व प्रशासक परस्पर विचार - विमर्श करते हैं। इस तरह से संस्था ऐसा मंच बन गई है, जहाँ विभिन्न शाखाओं एवं जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के लोग केंद्रीय थीम पर चर्चा भाग लेते हैं।

दूसरी महत्वपूर्ण सफलता 1980 में मिली जब भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने सचिव की अध्यक्षता में स्थायी कार्यदल गठित किया, जिसमें संस्था के उन प्रतिनिधियों तथा विभिन्न एजेंसियों एवं स्वैच्छिक संगठनों के उन प्रमुखों को

शामिल किया गया, जो केन्द्रीय थीम संबंधी विभिन्न संस्तुतियों पर अनुवर्ती कार्रवाई के लिए उत्तरदायी होंगे। पूर्ववर्ती विज्ञान कांग्रेस में की गई संस्तुतियों संबंधी अनुवर्ती कार्रवाई पर प्रति वर्ष विज्ञान कांग्रेस के दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित सामान्य आदिवेशन में चर्चा होती है। इस तरह से भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था समान्यतः विज्ञान एवं विशिष्टतः राष्ट्रीय विज्ञान नीति के विकास में योगदान कर रही है।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस ने संस्था 1981 में अपने 68वें अधिवेशन से युवा वैज्ञानिकों के लाभार्थ कार्यक्रम का शुभारंभ किया है, जिसके अंतर्गत युवा वैज्ञानिक अपने प्रस्तावित अनुसंधान कार्य को प्रस्तुत कर सकेंगे और संगत वैज्ञानिकों समस्याओं के संबंध में अपने समकक्ष व्यक्तियों एवं विशेषज्ञों से विचारों का आदान – प्रदान कर सकेंगे। उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के लिए ऐसे वैज्ञानिकों को भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रदान किया जाता है। प्रतिभावान युवा वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए 2006 से युवा वैज्ञानिक पुरस्कार की राशि रु. 5,000/- से बढ़ाकर रु. 25,000/- कर दी गई है।

कुछ विशेषज्ञों की सहायता से अनुभागियों अध्यक्षों द्वारा सावधानी से की गई छानबिन के आधार पर स्वीकार किए गए अधिकांश लेख पोस्टरों के माध्यम से प्रस्तुत किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए यह निर्णय लिया गया, कि 1999 के अधिवेशन से प्रत्येक अनुभाग की सर्वोत्तम प्रस्तुति के लिए प्रमाणपत्र सहित रु. 1,000/- की नगद राशि के अधिक से अधिक दो पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। वर्ष 2007 से इन पुरस्कारों की राशि से बढ़ाकर रु. 5,000/- कर दिया गया है। दिये गए कुछ चुनिंदा लेखों की मौखिक प्रस्तुति को भी प्रत्येक अनुभाग के कार्यक्रम में शामिल किया जाता है।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था ने भारत में वैज्ञानिकों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित करने के लिए कई पुरस्कारों को देना प्रारम्भ किया है। ये पुरस्कार मुख्यतः व्यक्ति – विशेष एवं समूहों से प्राप्त विशेष अक्षय निधि एवं संस्था की निजी निधि से प्रदान किए जाते हैं। पुरस्कार की संकल्पना का आविर्भाव 1965 से हुआ और इस समय भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था द्वारा लगभग 33 से अधिक पुरस्कार दिये जाते हैं। 2013 से आशुतोष मुखर्जी फेलोशिप वरिष्ठ वैज्ञानिकों के लिए शुरू किया गया है। वर्तमान में 10 नियमित फेलो है।



प्रोफेसर के एस रंगप्पा

महाध्यक्ष 107 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस, बेंगलुरु

प्रोफेसर रंगप्पा ने रासायनिक जीव विज्ञान - दवा खोज कार्यक्रम जैव - जैविक और औषधीय रसायन विज्ञान में उपन्यास और महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके शोध में नवीनता की विशेषता है और इसने प्रकाशित कार्यों के एक पर्याप्त निकाय का नेतृत्व किया है जिसे कई पुरस्कारों के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली है। उनके सबसे महत्वपूर्ण योगदान रोगाणुरोधी, विरोधी भड़काऊ, विरोधी मलेरिया, एंटी कैंसर, एंटीजनिक, एंटी डायबिटिक, अल्जाइमर सहित विभिन्न चिकित्सीय क्षेत्रों के लिए नए अणुओं के संश्लेषण की ओर रहे हैं। उन्होंने P-300 HAT कार्यकर्ताओं ऐसीटाइलकोलाइन अवरोधकों और M1 रिसेप्टर एगोनिस्ट पर भी बड़े पैमाने पर काम किया है। उनकी प्रयोगशाला से 4,000 से अधिक नए जैव सक्रिय अणुओं को संश्लेषित किया गया है जो उनके रोगाणुरोधी, विरोधी भड़काऊ, (पी एल ए - 2 अवरोधक), विरोधी - मलेरिया, एंटी कैंसर (गर्भाशय, ग्रीवा, स्तन, यकृत और मुंह के कैंसर) अल्जाइमर रोग और मधुमेह के लिए परीक्षण किए गए थे।

प्रोफेसर रंगप्पा ने मैसूर विश्वविद्यालय 1983 से पीएचडी की उपलब्धि प्राप्त की और कनाडा में कई विश्वविद्यालय में पोस्ट डॉक्टरेल/ शोध सहयोगी/ विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में काम किया है (1983-85)। यूएसए(1990-92), जर्मनी (1995) जापान (1999- 2000), (मई - जुलाई 2005) कोरिया (2000- 2014), पोलैंड (अप्रैल 2000), रूस (जुलाई 2013), कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, ब्रिटेन (अक्टूबर 2013) आदि।

उनके अनेक स्वतंत्र शोध योगदान (1998) के लिए मैसूर विश्वविद्यालय द्वारा डी.एससी की उपाधि से सम्मानित किया गया। वह रसायन विज्ञान (FRCS, UK) समाज के सदस्य हैं और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी(FNASC) भारत के फेलो हैं। अपने स्वयं के समूह की अनुसंधान गतिविधियों के अलावा, प्रोफेसर रंगप्पा ने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय

(इंडो - जापान, इंडो - यूएस, इंडो - फ्रेंच, इंडो - जर्मनी, इंडो - यूके, इंडो - कोरिया, इंडो - NUS, इंडो - साउथ अफ्रीका, इंडो - रूस) आदि सहयोगी अनुसंधान कार्यक्रमों को विकसित किया है। दुनिया भर में काम कर रहे 300 से अधिक वैज्ञानिकों के साथ प्रोफेसर ने दुनिया भर में काम कर रहे 300 से अधिक वैज्ञानिकों को स्थापित किया है। प्रो. रंगप्पा ने आगे की पढ़ाई करने के लिए शोधकर्ताओं का एक स्कूल स्थापित किया है। प्रो. के. एस. रंगप्पा ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहकर्मी समीक्षात्मक पत्रिकाओं में 450 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में 150 से अधिक पत्र प्रस्तुत किए हैं। औषधीय रसायन विज्ञान के क्षेत्र में उसके 10 पेटेंट हैं। उनके पास एच. इंडेक्स 35 के साथ अब तक के शोध योगदान के लिए 4975 अधिक से अधिक वैज्ञानिक उद्धरण हैं। रंगप्पा ने पीएचडी की डिग्री के लिए 54 उम्मीदवारों का एक सफलता पूर्वक मार्गदर्शन किया है और वर्तमान में 10 छात्र डॉक्टरेट अनुसंधान के लिए काम कर रहे हैं।

प्रो. रंगप्पा प्रोफेसर सहित कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों के प्राप्त करता है। प्रोफेसर व्हाई. टी. तथाचारी विज्ञान के लिए प्रतिष्ठित अनुसंधान पुरस्कार 2007, सर सी. वी. रमन युवा वैज्ञानिक पुरस्कार(2006), विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए कर्नाटक राज्य परिषद, भारत सरकार के रासायनिक अनुसंधान समाज(CRSI), कांस्य पदक(2006) के लिए रसायन विज्ञान राज्य परिषद से भारत के रासायनिक अनुसंधान समाज, प्रतिष्ठित डॉक्टर राजा रमन्ना अवार्ड, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए कर्नाटक राज्य परिषद (2011) से, शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए ग्लोबल ई- लर्निंग अवार्ड (2012) कैम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार(2017) प्राप्त किया। उन्होंने 2009 से 2013 तक कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय और कुलपति, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर और दोनों विश्वविद्यालयों को वैश्विक मान्यता दिलाई।

वर्तमान में, प्रोफेसर रंगप्पा एक यूजीसी - बीएसआर फैकेल्टी फेलो हैं, मैसूर विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित प्रोफेसर, मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार, सीनेटार फार्मास्यूटिकल्स को-ऑपरेटिव लिमिटेड है।



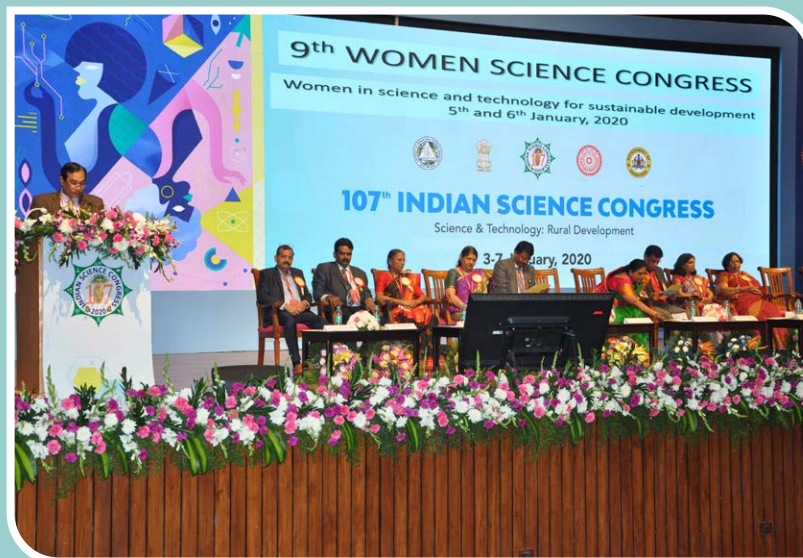
श्री नरेंद्र मोदी, भारत के माननीय प्रधान मंत्री और डॉ. हर्षवर्धन, केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और पृथ्वी विज्ञान मंत्री, अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ

श्री नरेंद्र मोदी, भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा 107 वें आईएससी का उद्घाटन



नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफ़ेसर आद्या योनथ और डॉ. सी. एन. आर राव द्वारा 107 वीं आईएससी चिल्ड्रन साइंस कांग्रेस का उद्घाटन विशिष्ट अतिथियों के साथ राव

107 वीं आईएससी बाल विज्ञान कांग्रेस के दौरान मंच पर गणमान्य व्यक्ति



107 वीं आईएससी महिला विज्ञान कांग्रेस के दौरान मंच पर गणमान्य व्यक्ति

107 वीं आईएससी विज्ञान संचारकों की बैठक के दौरान मंच पर गणमान्य व्यक्ति





डॉ. हर्षवर्धन, केंद्रीय मंत्री विज्ञान और प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और पृथ्वी विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू समापन सत्र के दौरान आईएससीए पुरस्कार पेश करते हुए (107 वें आईएससीए का) सत्र (गणमान्य व्यक्तियों)।



डॉ. विजय लक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष (निर्वाचित), ISCA को विज्ञान ज्योत को सौंपना

107 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस सत्र, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलौर: एक संक्षिप्त रिपोर्ट

उद्घाटन सत्र

कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलौर के तत्वावधान में 107 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस का आयोजन 3 - 7, 2020 तक किया गया। ISCA के महाध्यक्ष प्रोफेसर के. एस. रंगप्पा ने सदस्यों का स्वागत किया और फोकल थीम "विज्ञान और प्रौद्योगिकी: ग्रामीण विकास" पर अपना संबोधन दिया। श्री नरेंद्र मोदी, भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने 3 जनवरी को कांग्रेस का उद्घाटन किया और अपना संबोधन दिया। डॉक्टर हर्षवर्धन, केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने श्री बी.एस. येदियुरप्पा, कर्नाटक के मुख्यमंत्री और डॉक्टर एस. राजेंद्र प्रसाद, कुलपति, जीकेवीके कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलौर की उपस्थिति में सभा को भी संबोधित किया। श्री नरेंद्र मोदी, भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने एक बटन दबाकर 1 - स्टेप पोर्टल लांच किया।

उद्घाटन समारोह में देश भर के अनुसंधान विद्वानों और वैज्ञानिकों सहित बड़ी संख्या में आमंत्रित लोगों ने भाग लिया। दो नोबेल पुरस्कार विजेताओं, संघ और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और देश और विदेश के वैज्ञानिकों ने भी उद्घाटन समारोह में भाग लिया। लगभग 27 पूर्ण सत्र आयोजित किए गए, जहाँ दुनिया भर के 94 प्रमुख वक्ताओं ने अभिनव वैज्ञानिक क्षेत्रों में अपनी शोध गतिविधियों के साथ-साथ बातचीत की। अतीत की परंपरा का पालन करते हुए, प्लैटिनम जयंती व्याख्यान के अलावा 14 वर्गों में विभिन्न दिलचस्प विषयों पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें पूरे कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण घटक बनाया। इन विषयों में 32 मुख्य नोट व्याख्यान, 421 आमंत्रित व्याख्यान और पोस्टर मौखिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं। विभिन्न विचार-विमर्श के दौरान समकालीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के समय उत्थान पर कई उपयोगी सिफारिशें सामने आईं।

राष्ट्रीय किशोर वैज्ञानिक सम्मेलन (बाल विज्ञान कांग्रेस)

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था, कोलकाता, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलौर और एनसीटीसी, दिल्ली ने संयुक्त रूप से राष्ट्रीय किशोर विज्ञान सम्मेलन (बाल विज्ञान कांग्रेस- 2020) 4 जुलाई, 2020 में आयोजित किया गया। डॉ. अनूप कुमार जैन, ISCA के महासचिव (वैज्ञानिक गतिविधियाँ) ने गणमान्य लोगों का स्वागत किया। डॉ. एस. राजेंद्र प्रसाद, कुलपति और अध्यक्ष, 107वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस ने राष्ट्रीय किशोर वैज्ञानिक सम्मेलन के बारे में जानकारी दी। प्रोफेसर उदायोनाथ, नोबेल पुरस्कार विजेता ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और बच्चों को कम उम्र में जिज्ञासा पैदा करने की सलाह दी और छात्रों को प्रोत्साहित किया कि अगर यह कम महत्वपूर्ण है तो चीजों को समझें। प्रोफेसर सी. एन. राव, राष्ट्रीय अनुसंधान, प्रोफेसर और मानद, अध्यक्ष, जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंस रिसर्च, बनगुरु ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। और राष्ट्रीय किशोर वैज्ञानिक सम्मेलन, 2000 अमूर्त पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने छात्रों का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि "मुझे विज्ञान से प्यार है, मैं जीवन के व्यवसाय में विज्ञान और विज्ञान का आनंद लेता हूँ - आपको विज्ञान से प्यार करना चाहिए।" डॉ. आशुतोष शर्मा, सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली, डॉक्टर अखिलेश गुप्ता, प्रधान, NCSTC, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली और श्री व्ही. सुब्रमणि, माननीय सदस्य, BOM, VASB, सम्मानित अतिथि थे। डॉ. अमित कृष्ण दे, कार्यकारी सचिव, ISCA, कोलकाता ने देश के विभिन्न राज्यों के 10 बच्चों को ISCA अवार्ड से सम्मानित करने की घोषणा की। प्रोफेसर के. एस. रंगप्पा, अध्यक्ष, ISCA, कोलकाता ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रोफेसर शिवन्ना, पूर्व कुलपति, UASB, और प्रोफेसर एस. रामकृष्ण, महासचिव (सदस्यता कार्य), ISCA, इस अवसर पर उपस्थित थे। 117 छात्रों द्वारा विकसित 22 मॉडल के साथ एक प्रदर्शनी की भी व्यवस्था की गई थी।

राष्ट्रीय किशोर वैज्ञानिक सम्मेलन (बाल विज्ञान कांग्रेस) का समापन कार्यक्रम 7 जनवरी, 2020 को आयोजित किया गया था। डॉ अनूप कुमार जैन, महासचिव (वैज्ञानिक कार्यकलाप) ISCA ने गणमान्य लोगों का स्वागत किया। डॉ. व्हाई. जी. सदाक्षरी, सचिव, ISC - 2020 और कृषि विज्ञान अनुसंधान विश्वविद्यालय, बंगलौर के निदेशक ने परिचयात्मक टिप्पणी की। डॉक्टर एस. राजेंद्र प्रसाद, कुलपति ने सभा को संबोधित किया। डॉक्टर मीनल जोशी, संयोजक ने कार्यक्रम का सार प्रस्तुत किया। डॉक्टर मनोज कुमार पटैरिया, पूर्व निदेशक CSIR - NISAI, नई दिल्ली और संयुक्त प्रमुख, NCSTC, श्रीमती अंजू भल्ला, संयुक्त सचिव, DST, भारत सरकार ने इस अवसर पर, अतिथियों का सम्मान किया। डॉक्टर अरुण कुमार पाण्डेय, ISCA के सहायक कार्यकारी सचिव ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

महिला विज्ञान कांग्रेस

9वीं महिला विज्ञान कांग्रेस (WSC) 2020 के साथ "स्थायी विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाएं विषय के साथ कृषि विज्ञान, बंगलौर और भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था, कोलकाता के संयुक्त रूप से 5वीं और 6वीं वर्ष 2020 के दौरान आयोजित किया गया था।" डॉ अनूप कुमार जैन, महासचिव (वैज्ञानिक गतिविधियां) ISCA ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया, डॉ एस. राजेंद्र प्रसाद, कुलपति और अध्यक्ष, 107वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान के बारे में बताया। डॉ त्रिलोचन महापात्र, सचिव, (DARE), और महानिदेशक (आईसीएआर), नई दिल्ली ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डॉक्टर टेसी थॉमस, डायरेक्टर जनरल, एयरोनॉटिकल सिस्टम, DRDO, बंगलौर, मुख्य अतिथि थे और उन्होंने अमूर्त पुस्तक का विमोचन किया। प्रोफेसर विजय लक्ष्मी सक्सेना, अध्यक्ष (निर्वाचित) ISCA, यह डॉक्टर नमित गुप्ता, सलाहकार और वैज्ञानिक "जी" DST, नई दिल्ली और प्रोफेसर शकुंतला श्रीधरन, माननीय सदस्य, प्रबंधन बोर्ड, UASB अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रोफेसर के. एस. रंगप्पा, अध्यक्ष, ISCA, ने कांग्रेस ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रोफेसर रामकृष्ण महासचिव (सदस्यता मामले), ISCA, कोलकाता ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

कुल मिलाकर, 16 महिलाओं ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल की। सूचना प्रौद्योगिकी, रक्षा, जैव प्रौद्योगिकी, कृषि और संबंधित क्षेत्र, चिकित्सा, पोषण, अंतरिक्ष, खेल आदि ने अपने क्षेत्रों में महिलाओं के रूप में अपने अनुभव साझा किए। प्रत्येक सत्र में एक अध्यक्ष और दो तालमेल थे और सत्रों के विचार-विमर्श पर पैनल चर्चा के लिए तीन पैनलिस्ट थे। लगभग 2000 महिलाओं ने WSC-2020 में भाग लिया था, हालांकि विज्ञान के 9 विभिन्न क्षेत्रों से पूरी तरह से 200 सार प्राप्त हुए थे, जिनमें से 166 सार स्वीकार किए गए और पोस्टर प्रस्तुति के लिए चुने गए।

समापन सत्र 6 जून, 2020 को आयोजित किया गया था जहाँ डॉ अनूप कुमार जैन, ISCA के महासचिव (वैज्ञानिक कार्यकलाप) ने गणमान्य लोगों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि श्रीमती वंदिता भार्मा, IAS, अतिरिक्त मुख्य सचिव और विकास आयुक्त, GOK, बंगलौर और सम्मानीय अतिथि, डॉ नमिता गुप्ता, सलाहकार और वैज्ञानिक "जी" DST, नई दिल्ली, डॉक्टर एस. सी. अश्वथनारायण, माननीय सदस्य, प्रबंधन बोर्ड, UAS, बंगलौर और डॉक्टर महाबलेश्वर हेगड़े, रजिस्ट्रार, UAS, बंगलौर और डॉक्टर डी. एल. सविश्रम्मा, डीन (एग्रीकल्चर) चेयरपर्सन और डब्ल्यूएससी के संयोजक - मेजबान संस्थान के 2020, UASB ने महिला विज्ञान कांग्रेस की घटनाओं का सारांश दिया। ISCA के महाध्यक्ष प्रोफेसर के. एस. रंगप्पा ने समारोह की अध्यक्षता की। कार्यक्रम का समापन प्रोफेसर एस. रामकृष्ण, महासचिव (सदस्यता कार्य), ISCA, कोलकाता के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

विज्ञान संचारक सम्मेलन

13वीं विज्ञान संचार सम्मेलन (विज्ञान संचारकों की बैठक) भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था और कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से बंगलौर में 5-6 जनवरी, 2020 को आयोजित किया गया था। घटना को NCSTC, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा समर्थित किया गया था। डॉ अनूप कुमार जैन, ISCA के महासचिव (वैज्ञानिक कार्यकलाप) ने गणमान्य लोगों का स्वागत किया। डॉ अखिलेश गुप्ता, प्रमुख और सलाहकार, NCSTC, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, डॉक्टर आर. के. जोशी, वैज्ञानिक ई, डीएसटी और डॉक्टर एस. राजेंद्र प्रसाद, कुलपति कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, GKVK, बंगलौर ने सभा को संबोधित किया। प्रोफेसर के. एस. रंगप्पा, महाध्यक्ष, ISCA कोलकाता ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रोफेसर एस. रामकृष्ण, महासचिव (सदस्यता कार्य), ISCA ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

आमंत्रित व्याख्यान डॉक्टर मनोज कुमार पटैरिया, पूर्व निदेशक, CSIR, NISCAIR, नई दिल्ली, प्रोफेसर नागेश हेगड़े, प्रोफेसर, पत्रकारिता और विज्ञान संवाददाता के भारतीय संस्थान, डेक्कन हेराल्ड, प्रजावनी, बंगलौर, प्रोफेसर के. एन. गनेशैया, समन्वयक, DBT, IBIN कार्यक्रम द्वारा दिए गए थे। कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, GKVK, बंगलौर और डॉ. टी. व्ही वेंकटरवण, वैज्ञानिक - एफ़ विज्ञान प्रसार, नई दिल्ली भारत भर के ISCA के विभिन्न शाखाओं में से चुने गए 41 विज्ञान संचारकों ने दो दिनों में फैले चार तकनीकी में प्रस्तुति दी। इसके अलावा, 20 मौखिक प्रस्तुतियाँ, 21 पोस्टर प्रस्तुतियाँ विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार में समकालीन मुद्दों पर आयोजित किए गए थे। इस अवसर पर डॉ. बी. सी. देव मेमोरियल अवार्ड विज्ञान के लोकप्रियकरण के लिए 2019-2020 को डॉ. सचिन कुमार सिंह, लवली पेशेवर विश्वविद्यालय, फगवाड़ा द्वारा दिया गया था।

6 जनवरी, 2020 को डॉ. एस. एम. शिवप्रसाद, निदेशक, कर्नाटक सरकार उच्च शिक्षा अकादमी, धाखाड़ और प्राध्यापक, JNCASR, बंगलौर के मुख्य अतिथि के रूप में उनकी उपस्थिति में आयोजित किया गया था। डॉ अनूप कुमार जैन, महासचिव (वैज्ञानिक गतिविधियाँ) ISCA ने गणमान्य लोगों का स्वागत किया। डॉ. एस. राजेंद्र प्रसाद, कुलपति, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, GKVK, बंगलौर ने परिचयात्मक टिप्पणी दी। श्री राजेंद्र सिंह, वैज्ञानिक, D, NCSTC डिवीजन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, प्रोफेसर आर. उमाशंकर, संयोजक, SCM ने पूरे कार्यक्रम को संक्षेप में प्रस्तुत किया। प्रोफेसर के. एस. रंगप्पा, महाध्यक्ष, ISCA, कोलकाता ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। डॉ. अमित कृष्ण दे, कार्यकारी सचिव, ISCA ने धन्यवाद ज्ञापन किए और इसी के साथ बैठक संपन्न हुई।

विज्ञान प्रदर्शनी: भारत का गौरव एक्सपो

भारत का गौरव(POI) एक्सपो, ISC के प्रमुख आकर्षण में से एक है। इसका उद्घाटन एस.एंड.टी. डॉ हर्षवर्धन, माननीय केंद्रीय मंत्री के हाथों से 3 जनवरी, 2020 को कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय (UAS) बंगलौर में किया गया था।

CSIR, DRDO, ICMR, DST, GSI, इनकम टैक्स, MoES, FSSAI, NHAI, NMDC होस्ट स्टेट आदि द्वारा लगाए गए मंडपों को सभी गणमान्य लोगों और आगंतुकों द्वारा बहुत सराहा गया। कर्नाटक राज्य द्वारा मेजबान राज्य मंडप राज्य के विभिन्न विभागों की पहल के बारे में लाया गया। POI एक्सपो लगभग एक क्षेत्र में फैला हुआ था। 200 से अधिक संगठनों की भागीदारी के साथ 20,000 वर्ग मीटर अच्छी तरह से फैला हुआ था। अच्छी तरह से ज्योतिर्मय और सर्वश्रेष्ठ बुनियादी ढांचे के साथ हवादार मंडप एक्सपो के अन्य मुख्य आकर्षण थे।

किसान विज्ञान कांग्रेस

कार्यक्रम की शुरुआत आह्वान के साथ हुई, इसके बाद स्वागत भाषण में डॉ एम. जे. चंद्रे गौड़ा, निदेशक, ISCAR - ATARI, बंगलौर और अध्यक्ष, FSC, ISC-2020 ने अपना वक्तव्य पेश किया। डॉ त्रिलोचन महापात्र, सचिव (DARE) और महानिदेशक ICAR, नई दिल्ली, डॉ एस. राजेंद्र प्रसाद, कुलपति, UAS, बंगलौर और अध्यक्ष आयोजन समिति ISC, 2020, डॉक्टर ए. सिंह, उप-महानिदेशक (कृषि Extn.) ICAR, नई दिल्ली, डॉक्टर आर. सी अग्रवाल, उप-महानिदेशक, (कृषि शिक्षा) ICAR, नई दिल्ली, डॉ यू. के. बेहरा, डीन, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल, श्री हनुमान गौड़ा बेलागुडकी, अध्यक्ष, कर्नाटक कृषि मूल्य आयोग, डॉक्टर एन. शिवालिंगे गौड़ा, एक्सटेंशन निदेशक, UAS, बंगलौर के बेंगलुरु और सदस्य संयोजक FSC, ISC - 2020 और प्रोफेसर के. एस. रंगप्पा, महाध्यक्ष, ISCA, कोलकाता कार्यक्रम की सराहना कर रहे थे।

निम्नलिखित तकनीकी सत्र आयोजित किए गए: सत्र-I: विषय किसानों की आय दोगुनी करने के लिए एकीकृत कृषि और उद्यमशीलता पर किसान नवाचार। सत्र-II: विषय जलवायु परिवर्तनः, जैव विविधता, संरक्षण, पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं और किसान सशक्तिकरण। सत्र-III: नीतिगत मुद्दों पर किसानों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं पर पैनल चर्चा हुई।

किसानों को UAS, बंगलौर और ICAR, नई दिल्ली के साथ मिलकर चुना गया था। प्रशासनिक उद्देश्य के लिए ICAR ने देश को 11 क्षेत्रों में विभाजित किया है। 10 जोन से, प्रत्येक जोन के 10 इनोवेटिव किसानों को चुना गया और जोन - 8 (साउथ जोन) से, 20 किसानों को कांग्रेस के लिए चुना गया। किसानों के साथ प्रत्येक क्षेत्र से KVK का एक प्रतिनिधि साथ था। ICAR, नई दिल्ली संबंधित KVK/ जोनल कार्यालय में यात्रा और पंजीकरण व्यय का पता लगाती है। UAS, बंगलौर ने भोजन, स्थानीय परिवहन, आवास सुविधाओं का आतिथ्य बढ़ाया। इन प्रतिनिधि किसानों के अलावा, देशभर के इच्छुक प्रगतिशील किसान, विस्तार कार्यकर्ता और कर्नाटक राज्य के अन्य प्रतिभागियों ने भी किसान विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया।

कुलपतियों का निर्वाचिका सभा

कुलपतियों का निर्वाचिका सभा "उच्च शिक्षा संस्थानों गुणवत्ता के निर्वाह पर भविष्य के दिशा निर्देश" आयोजन एवं FVCK द्वारा 4 जनवरी, 2020 को कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, GKVK परिसर में 3-7 जनवरी, 2020 में आयोजित ISC के 107वें सत्र के भाग के रूप में आयोजित किया गया था।

प्रोफेसर एस.पी. त्यागराजन, पूर्व कुलपति, मद्रास विश्वविद्यालय ने "भारतीय उच्च शिक्षा में गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीयकरण मार्ग" पर बात की। डॉक्टर त्यागराजन ने कोठारी आयोग की रिपोर्ट की सिफारिशों और AISHE से प्राप्त आंकड़ों (उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण) और उच्च शिक्षा में गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए आवश्यक उपायों पर प्रकाश डालने के लिए प्रकाशित किया। डॉक्टर प्रभुदेव, बंगलौर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति ने "उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता की अवधारणाओं का परिचय" पर बात की। डॉक्टर के. नारायण गौड़ा, विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान के पूर्व कुलपति, बंगलौर ने "गांवों के सर्वांगीण विकास में विश्वविद्यालयों की भूमिका" पर चर्चा की। प्रोफेसर पी. वेंकटरामैया, कुवेम्पु विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति ने "विज्ञान शिक्षा - ग्रामीण आउटरीच" पर एक प्रस्तुति दी।

उपर्युक्त प्रस्तुतियों के बाद प्रतिभागियों द्वारा चर्चा की गई।

योग विज्ञान समागम

योग एक आध्यात्मिक अनुशासन है, जो भारतीय दर्शन के इतिहास में लगभग 5000 वर्षों तक डेटिंग करता है। इसका उद्देश्य, मुख्य रूप से किसी व्यक्ति की आध्यात्मिक और मानसिक शक्तियों को उजागर करना है। हालांकि, हाल के दिनों में शहरीकरण और हमारी सुपरफास्ट लाइफस्टाइल के इन समस्याओं में तनाव, चिंता और अवसाद से लड़ने के संदर्भ में योग बेहद लोकप्रिय रहा है। योग का विज्ञान, मानव विज्ञान में शारीरिक विज्ञान, शरीर विज्ञान और मनोविज्ञान जैसे जबरदस्त वैज्ञानिक आधार है। यहाँ योग का अभ्यास शारीरिक व्यायाम और ध्यान से अलग-अलग किया जाता है, जिसका अपना प्रभाव होता है। 107वें भारतीय विज्ञान सम्मेलन - 2020 के एक भाग के रूप में, योग विज्ञान बैठक का आयोजन 5 जनवरी, 2020 को किया गया था। डॉक्टर बी. आर. रामकृष्ण, कुलपति, व्यास विश्वविद्यालय, बैंगलोर ने मानसिक और शारीरिक कल्याण के लिए वैज्ञानिक बिरादरी के बीच योग के वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य पर विस्तृत चर्चा की।

समापन सत्र

107 वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस के आयोजन के अंत का मान्य अंकन 7 फरवरी, 2020 को आयोजित किया गया था। मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए, श्री बी. एस. येदुरप्पा, कर्नाटक के माननीय मुख्यमंत्री ने वैज्ञानिकों से विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से जल समस्याओं का समाधान खोजने की अपील की। श्री एम. वेंकैया नायडू, भारत के माननीय उपराष्ट्रपति ने समापन भाषण दिया। डॉ (श्रीमती) विजयलक्ष्मी सक्सेना महाध्यक्ष (निर्वाचित) ISCA, डॉ एस. रामकृष्ण, महासचिव (सदस्यता कार्य), ISCA, डॉ अनूप कुमार जैन, महासचिव (वैज्ञानिक कार्यकलाप) डॉक्टर व्हाई. जी. सदाक्षरी, अनुसंधान निदेशक, UAS-B और स्थानीय सचिव, ISC - 2020 भी उपस्थित थे। प्रोफेसर के. एस. रंगप्पा, महाध्यक्ष ISCA, ने अध्यक्षीय भाषण दिया। इस अवसर पर ISCA पुरस्कार युवा वैज्ञानिक पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार भी प्रदान किए गए। डॉ राजेंद्र प्रसाद, कुलपति, UAS-B और अध्यक्ष आयोजन समिति आईएससी 2020 ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

अंत में, विज्ञान ज्योति औपचारिक रूप से प्रोफेसर के. एस. रंगप्पा, महाध्यक्ष, ISC - 2020 द्वारा डॉ (श्रीमती) विजयलक्ष्मी सक्सेना महाध्यक्ष (निर्वाचित) ISCA को इस संदेश के साथ कि आगे छात्रों के बीच विज्ञान के महत्व को फैलाने और विज्ञान ज्योति को 108 वें ISC के स्थान पर ले जाने के संदेश के साथ सौंप दिया गया था।

तकनीकी कार्यक्रम

नोबेल पुरस्कार विजेताओं का व्याख्यान

प्रोफेसर स्टीफन हेल

अल्ट्रा शार्प फ्लूरोसेन्स माइक्रोस्कोपी

प्रोफेसर अदा ई. योनाथ, इजराइल

क्रम बेसिक साइंस टू एन एक्यूरेट प्रॉब्लम ऑफ मॉडर्न मेडिसिन

सार्वजनिक व्याख्यान

प्रोफेसर शुभ्रा सुरेश

साइंस एक्स डिप्लिन एंड कन्सीक्यूयेन्स फॉर इंडस्ट्री।

डॉक्टर सी. एन. मंजूनाथ

लाइफ़स्टाइल डिसेसिस एंड रिसेंट एडवांसेज इन कार्डियक साइंस।

पूर्ण अधिवेशन

कैंसर दवा खोज में चुनौतियाँ और अवसर

प्रोफेसर अन्ना कैथरीन, USA

हेल्थ ग्रोथ फ्रेंडली इम्प्लान्टइन द ट्रीटमेंट ऑफ अली ऑन सेट स्कोलियोसिस न्यू ट्रेड्स एंड डवलपमेंट्स

प्रोफेसर पीटर जे. हगटन, USA

चैलेंजेस एंड अपॉर्चुनिटीस फॉर चाइल्डहुड कैंसर प्रीक्लिनिकल ड्रग डेवलपमेंट

प्रोफेसर मेरी - एन. बजोरनस्टी, USA

DNA टोपोआईसोमेरेज I: अपॉर्चुनिटी फॉर ड्रग डेवलपमेंट

प्रोफेसर एलीन वाइट, USA

कंट्रोल ऑफ़ कैंसर मेटाबॉलिज्म एंड एंटी कैंसर इम्यून रेस्पॉन्स बाय अटोफैगी

कृत्रिम अंतर्मुखता और चिकित्सा प्रौद्योगिकी

प्रोफेसर सुसान एल. मुवेरी, USA

डिस्कवरी ऑफ़ न्यू लीड्स फॉर ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर क्रम नेचर।

प्रोफेसर हेगेरे रंगनाथ, USA

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डाटा ड्रिवन प्लान्ड एग्रीकल्चर ए मास्ट नट एंड ऑप्शंस फॉर इंडिया

प्रोफेसर सज्जन जी शिवा, USA

बिल्डिंग इंटेलिजेंट सिस्टम एंड मेशीन्स अपॉर्चुनिटीस एंड चैलेंजेस

प्रोफेसर जेम्स डेविड विंकलर, USA

टैक्लिंग दि नेक्स्ट वेब यूजिंग न्यू टेक्नोलॉजी टू गो आफ्टर अनड्रगेबल टारगेट्स।

डॉ अजीत सापरे, USA

एमपावर्गिंग रूलर इंडिया "वन पर्सपेक्टिव"

बुनियादी चिकित्सा और नैदानिक बातचीत प्रौद्योगिकी में प्रगति

डॉक्टर डेनियल आर. विल्सन, USA

इंटर-प्रोफेशनल क्लिनिकल एंड ट्रांसलेशन रिसर्च अपॉर्चुनिटीस
एंड चैलेंजेस

डॉक्टर मिशेल जे. टोबोरेक, USA

टारगेटिंग दी HIV इनफेक्टेड ब्रेन टु इंप्रूव इस्क्रैमिक स्ट्रोक
आउटकम

डॉक्टर एंड्रयू जे. ग्रीनसो, USA

दि कमिंग इम्पैक्ट फॉर इंडिया ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
एंड मशीन लर्निंग इन ह्यूमन हेल्थ सिस्टम

बुनियादी चिकित्सा और नैदानिक बातचीत में प्रगति

डॉ सुरेंद्र वर्मा, USA

ग्लोबल पर्सपेक्टिव ऑफ न्यूबर्न हाइपोथायराइड स्क्रीनिंग

डॉक्टर शिल्पा बुच, USA

HIV एंड ओपियेट्स: ब्लेमिंग दि मेसेन्जर्स

डॉक्टर देवेंद्र के अग्रवाल, USA

नोबेल अप्रोच टु प्रीवेंट वेन ग्रापन्ट फेलियोर फोलोमिंग कोरोनारी
अर्टरी बाइपास ग्राफ्ट

ग्रामीण आबादी में गैर संचारी रोग

डॉ शेखर एम. एस. मैसूर

करेंट स्टेटस एंड परसिड रिस्क फैक्टर्स ऑफ NCDS इन रूलर
पापुलेशन

डॉ अरविंद एस. आर., बेंगलुरु

थेरापेटिक अप्रोच फॉर बेटर केयर ऑफ डायबिटीज इन रूलर
पापुलेशन

डॉक्टर बालासुब्रमण्यम आर., मैसूर

NCDS इन रूलर पापुलेशन फ्रेमिंग ए प्रागमैटिक पॉलिसी
प्रिसक्रिप्शन

डॉ प्रशांत माथुर, बेंगलुरु

हेल्थ सिस्टम्स चैलेंजेस एंड अपॉर्चुनिटीस इन टैकलिंग इन रूलर
एरियास

गैर मानव माइक्रोबायोटा - यह स्वास्थ्य और बीमारी का एक सुरक्षात्मक नियंत्रक है

डॉ सुरिंदर राणा
चंडीगढ़

गट माइक्रोबायोम इन पैनक्रिएटिक डिजीजेस: हाइप ऑर होप

डॉ असीम के दत्तारॉय
नॉर्वे

प्रीवेंटिंग हार्ट डिजीज इन रूलर पापुलेशन न्यूट्रिशन फॉर गट
माइक्रोबायोम

डॉक्टर पल्लव रॉय
चंडीगढ़

दि ह्यूमन माइक्रोबायोम इन हेल्थ एंड डिजीज

डॉ त्रिलोचन महापात्र
नई दिल्ली

एग्रीकल्चर इनोवेशन पाथवे फॉर रूलर ट्रांसफॉर्मेशन

डॉ रमेश कालियापेरूमल
हैदराबाद

रेक्लेमल एक्टिव: न्यू मॉलिक्यूल फॉर द कंट्रोल ऑफ प्लांट -
पैरासाइटिक नमटोड्स

कैंसर अनुसंधान - चिकित्सीय अनुप्रयोग

डॉक्टर उरी वरश
इजराईल

हेपारानेज फ्रम बेसिक कैंसर रिसर्च टू थेरापिटिक एप्लीकेशन।

डॉक्टर नागराज नागाथिहल्लिल
संयुक्त राज्य अमेरिका

मॉलिक्यूलर एस्पेक्ट्स ऑफ टोबैको स्मोकिंग अल्कोहल यूज
एंड रिस्क पेनक्रिएटिक कैंसर

प्रोफेसर साथीज राघवन
बंगलूर

दि टू फैसेस ऑफ जी क्वाडरूपलेक्स DNA: रोल इन
क्रोमोसोमल फ्राजाइलिटी एंड रेडियो-प्रोटेक्शन

ऊर्जा पर्यावरण स्वास्थ्य देखभाल के लिए नैनो पोरस सामग्री

प्रोफेसर ऊजायन विनु
ऑस्ट्रेलिया

फंक्शनलाइज्ड नैनो पोरस कार्बन बेस्ड मैटेरियल्स फॉर एनर्जी
एंड एनवायरमेंटल एप्लीकेशन।

डॉ जुविंग हि.
चीन

इंटरफेस इंजीनियरिंग फॉर NIO बेस्ड इनवर्टेड प्लानर
पेरोवस्काइट सोलर सेल

डॉ बी.एन. चंद्रशेखर
चीन

ग्रीन ट्रांसफर मेथड ऑफ CVD ग्रीन ग्राफीन फॉर ट्रांसपेरेंट एंड
फ्लैक्सिबल इलेक्ट्रोड्स

प्रोफेसर दिनेश रंगप्पा
चिक्काबल्लापुर

"रीसेंट प्रोग्रेस इन नैनोस्ट्रक्चर इलेक्ट्रोड मैटेरियल्स फॉर एनर्जी
जेनरेशन एंड स्टोरेज एप्लीकेशंस"

भारत की ग्रामीण महिलाओं में बांझपन पर रोकथाम और उपचार का कारण बनता है

डॉ सुरेश कटेरा
सिंगापुर

लो कास्ट IUI फॉर इनफर्टाइल विमेन इन रूलर इंडिया।

डॉक्टर ऋषिकेश
बेंगलुरु

इनफर्टिलिटी एंड एजुकेशन फॉर रूलर इंडिया।

डॉक्टर कामिनी राव
बेंगलुरु

ओवरकमिंग जेंडर बायसेस इन रूलर इंडिया।

डॉ प्रशांत नदकरणि
मलेशिया

इनफर्टिलिटी इन एशिया फ्लेमिंग दि मासेसा

पदार्थ विज्ञान और ग्रामीण विकास के लिए प्रौद्योगिकी

डॉक्टर पुनिकेल अजायन
संयुक्त राज्य अमेरिका

नैनो इंजीनियरड मैटेरियल्स।

प्रोफेसर बायरप्पा
मैसूरू

प्रोफेसर चौधरी
सिंगापूर

मोलिक्यूलर इंजीनियरिंग ऑफ डाइरेक्ट 2 स्कीम मल्टीफंक्शन
मेटल ऑक्साइडस हेटरोस्ट्रकचरस।

एडवांस मैटेरियल्स ऑफ सस्टेनेबल डवलपमेंट।

पदार्थ विज्ञान और ग्रामीण विकास के लिए ऑफ प्रौद्योगिकी

प्रोफेसर मार्टिन हार्टमैन
जर्मनी

टेलरड डिजाइन ऑफ नैनोपोरस फंक्शनल मैटेरियल्स।

प्रोफेसर केस्टुरण एस. गिरीश
टुमकुर, कर्नाटक

हेमिन - इंड्यूस्ड फेरो पटोसि मेडियेटस प्लेटलेट एक्टिवेशन
एंड फरमेशन ऑफ न्यूट्रोफिल एक्स्ट्रा सेल्यूलर ट्राप्सा।

प्रोफेसर रवींद्र पाण्डेय,
संयुक्त राज्य अमेरिका

फोटो एंड अल्ट्रा साउंड ट्रीगर्ड मल्टीफंक्शनल नैनो पार्टिकल्स
फॉर दि ट्रीटमेंट ऑफ ग्लिबस्टो।

उभरती दवा विकास और उपन्यास चिकित्सा विज्ञान के दृष्टिकोण पर पूर्ण: -

प्रोफेसर पीटर लॉबी,
चीन

नोबल थेरापेटिक्स इन अक्नोलॉजी।

प्रोफेसर लारी एस. शेरमान,
संयुक्त राज्य अमेरिका

नोबल फ्लाबोनयेड्स फॉर दि ट्रीटमेंट ऑफ न्यूरोडिजेनेरेजिड
डिजिज़।

प्रोफेसर गोविन्दाराजु

डायगनोस्टिक एंड थेरोपेटिक स्ट्राटेजि फॉर मल्टीफैक्टोरियल
एलजाईमेर डिजिज़।

औषधीय रसायन विज्ञान पर दवा की खोज और दवा वितरण पर सत्र

डॉक्टर अलेक्सी यू सुखोरुकोव
रशिया

स्ट्राटेजिक ऐप्लिकेशन ऑफ नाइट्रो कंपाउंड्स इन ऑर्गेनिक
सिंथेसिस एंड रीसेंट प्रोग्रेस

डॉक्टर हिरोशी किटागावा,
जापान

डेसीफेरिंग रोल्स ऑफ कन्ड्रॉयटिन सल्फेट बाइ शुगर - रिमॉडेलिंग

सर मुगेश जी,
बेंगलुरु

हेलोजेन बॉन्डिंग इन थाइरयेड हमेन एक्शन एंड मेंब्रेन ट्रांसपोर्ट

डॉक्टर यूलिया बोल्कोवा,
रशिया

डवलपमेंट ऑफ नॉवेल पसिटिन एलोस्टेरिक मॉड्यूलैटरस
ऑफ GABBA रिसेप्टर्स।

हेमोस्टेसिस और धनास्त्रता जैव रासायनिक विज्ञान और शरीर विज्ञान:-

प्रोफेसर सत्या पी. कुणापुली
फिलाडेल्फिया

नोबेल कॉन्सेप्ट इन आईटी ए सिग्नलिंग इन प्लेट लेट्स।

डॉक्टर सिडनी वाइटहर्ट,
संयुक्त राज्य अमेरिका

दि इनस एंड आउट्स ऑफ प्लेटलेट सेल्स। बायोलॉजी इन
हेमोस्टेसिस एंड बियंड:

डॉक्टर मर्टीमर पंकज,
संयुक्त राज्य अमेरिका

प्रोफेसर पुटूर जगदीश वासन
संयुक्त राज्य अमेरिका

क्यूरिंग सेपसिस यूजिंग पैथोजेनिक एचआईटी एंटीबॉडी।

नकआउट ऑफ वन विलिब्रांड फैक्टर इन जेबराफिश बाई
CRISPR/Cas म्यूटाजेनेसिस ए बिगिनिंग ऑफ नवेल स्क्रीन
टु आईडेंटिफाई मॉडीफायर्स जीन्स।

तेल और गैस उद्योग की समस्याओं के लिए उपन्यास समाधान

डॉक्टर धुलीपाला प्रसाद,
संयुक्त राज्य अमेरिका

डॉक्टर रघु चुंदरु,
संयुक्त राज्य अमेरिका

डॉक्टर अखिल अग्रवाल
अजमेर

एनवायरमेंटली प्रेफरेबल स्मार्ट कैमिस्ट्रिस फॉर ऑयल एंड गैस
इंडस्ट्री

पोट प्रेसर प्रेडिक्सन फॉर ड्रीलिंग हाइ प्रेशर एंड टेम्परेचर वेलस
- इम्प्लीकेशनस ऑन हैल्थ, सेफ्टी, सिक्युरिटी एंड एनवायरमेंट।

चैलेंजेस एंड प्रोस्पेक्ट्स ऑफ माइक्रोबायोलॉजी इन ऑयल
एंड गैस इंडस्ट्री।

तेल और गैस उद्योग की समस्याओं के लिए

डॉ सुंदर रामचंद्रन,
संयुक्त राज्य अमेरिका

डॉ डी. व्ही. सत्या गुप्ता,
संयुक्त राज्य अमेरिका

प्रोफेसर के. एन. थिम्माइया,
संयुक्त राज्य अमेरिका

मिटिगेशन ऑफ को रोशन ऑफ माइल्ड स्टील बाय एसिड
गैसस इन ऑयल एंड गैस इंडस्ट्री इन चैलेंजिंग एनवायरनमेंट
यूजिंग प्रोडक्ट केमिकल्स।

एक्सप्लोडिंग नैनो एंड बायोमैट्रिक टेक्नोलॉजी फॉर एप्लीकेंट
ऑयल एंड गैस एक्सप्लोरेशन एंड रिकवरी।

टारगेटिंग ऑफ P13- काइनेस/ ATK/MT OR सिगनलिंग
इन कैंसर बाई लिओफिलिक फेनोक्साजिन्स।

तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में नए विकास

डॉक्टर एनके वेंकटरमन,
बेंगलुरु

डॉ. ई. व्ही. जोशी,
बेंगलुरु

डॉक्टर सुधींद्र राव एन. आर.,
बेंगलुरु

डॉ कविता गणपति,
बेंगलुरु

पैथॉफिजियोलॉजिकल बेसिस ऑफ मैनेजमेंट ऑफ पार्किंसन्स
डिजीज।

इवॉल्विंग कॉन्सेप्ट ऑफ अनइम्यूनिटी इन पार्किंसन्स डिजीज।

एडवांस थेरेपी स्ट्राटेजिस फॉर पार्किंसन्स डिजीज इन
क्लिनिकल सेटिंग।

रीजेनेरेटिव स्ट्रैटेजिस फॉर पार्किंसन्स डिजीज चैलेंजिस एंड
प्रिसेस:- प्रेमिसेस।

नया हेट्रो चक्र और उनके जैविक अनुप्रयोग

प्रोफेसर हिरोशी हिनोऊ,
जापान

केमिकल ग्लाइकोबायोलॉजी स्टार्टिंग फ्रम ग्लाइकोकन्जुगेटिव
सिंथेसिस।

प्रोफेसर इला,
बेंगलुरु

डिजाइन एंड डवलपमेंट ऑफ न्यू एपिसोड एंड ग्रीनर स्ट्रैटेजिस
फॉर दी सिंथेसिस ऑफ बायोलॉजिकल इम्परटेन्ट
हेटेरोसाइकिल्स।

प्रोफेसर बी. एस. विश्वनाथ
मैसूरू

न्यूट्रलाइजेशन ऑफ "बीग फॉर" इंडियन स्नेक वेनम इंड्यूस्ड
सिस्टेमिक एंड लोकल टक्सिसिटिस

जानवरों और औषधीय विकास पर जैविक अध्ययन

डॉ गुरुशंकर एच. पी.
कसरगडू

मेलाथियान इंड्यूस्ड ल्यूकेमिया मॉलिक्यूलर मेकैनिज्म

अयन सुब्रमण्यम
मलेशिया

द करंट स्टेटस ऑफ जू मेडिसिन इन मलेशिया A 57 इउर्स हिस्ट्री

डॉ शिल्पा
बेंगलोर

एन ओवेर्विऊ ऑन वेरियस अप्रोच एस एंप्लॉयड इन अंडरस्टैंडिंग
एंड ट्रीटिंग क्रॉनिक स्टेटस इंड्यूस्ड डिप्रेसन इन अनमेल मॉडल्स।

शारीरिक रोगों की संरचना और कार्यात्मक विकास के लिए अंतर्दृष्टि

टीपी सिंह
नई दिल्ली

इंट्रोडक्शन ऑफ इम्यूनोटी प्रोटीनस रेसिसटेन्स फ्री एनरी बायोटेक्स

प्रोफेसर तापस कुंडू
लखनऊ

एपीजेनेटिक्स: बियन्ड लाइफ सिकोयेन्स इंप्लीकेशन इन हेल्थ एंड
डिजीज

प्रोफेसर गणेश नागराजू
बेंगलोर

RAD51 पैरालोम्स: अनरवेलिंग दि न्यू रोल्स इन जिनोम स्टाबिलिटी
एंड ट्यूमर सप्रेसन

खाद्य सुरक्षा के लिए जलवायु स्मार्ट कृषि

डॉक्टर सी. तारा सत्यवती
जोधपुर

पर्ल मिलेट फॉर न्यूट्रिशनल सिक्योरिटी एंड रूरल डेवलपमेंट।

डॉक्टर सी. एच. श्रीनिवास राव
हैदराबाद

बिल्लिंग क्लाइमेट चेंज प्रीपेयर्डनेस फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर
इन इंडिया

प्रोफेसर ए. अरुणाचलम
नई दिल्ली

एग्रीकल्चर एंड फूड पॉलिसीस इन इंडिया।

प्रोफेसर चंद्र नायक
मैसूरू

करंट स्टेटस ऑफ पर्ल मिलेट डिजीज एंड इट्स मैनेजमेंट अप्रोच।

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा के संदर्भ में भारतीय औषधीय पादप आधारित दवाओं का उपयोग

प्रोफेसर अभिजीत बैनर्जी
कोलकाता

इन्वेस्टिगेशनस ऑफ इंडियन मेडिसिनल प्लांट्स

प्रोफेसर चंद्रशेखर माथेला
नैनीताल

हिमालयन वैलेरियन एक्सप्लायेटिंग केमिकल डाइवर्सिटी S1
पोटेंशिया कंट्रीब्यूटर इन रूरल हेल्थ केयर एंड इंप्रूविंग इकोनॉमी
ऑफ हिल रिजीयन।

प्रोफेसर जयराम हजरा
कोलकाता

विक्रम इंडियन मेडिसिनल प्लांट्स ट्रेडिशनल अप्रोच टो मॉडर्न
यूजेस, रेलेवेस टु रूरल हेल्थ केयर

ग्रामीण विकास के लिए सारी कल्चर और जलवायु परिवर्तन में प्रौद्योगिकी

डॉक्टर पी. जे. राजू
आंध्र प्रदेश

BmNPV रेगिस्ट्रेंट ट्रांसजेनिक सिल्क वर्म - एन इपोच मेकिंग
टेक्नोलॉजी

डॉ गौतम गोस्वामी
नई दिल्ली

टेक्नोलॉजी विजन 2035 टेक्नोलॉजी पर्सपेक्टिव फॉर इंडिया'स
डेवलपमेंट

श्रीमती मुगदा सिंह
राजस्थान

पुटिंग साइंस इन सर्विसेस ऑफ सोसाइटी पॉलिसी डिजाइन

प्रोफेसर एन. बी. रामचंद्रन,
मैसूर

जेनेरोमिक वेरिफेशनस एंड ह्यूमन हेल्थ

आयुष्मान भारत योजना के तहत भारत की स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में नए प्रतिमान

डॉक्टर सत्यमूर्ति
बेंगलुरु

आयुष्मान भारत एंड मेडिकल एजुकेशन बाय यूजिंग रिसेंट
टेक्नोलॉजी

डॉ बी.एस. रट्टा
बेंगलुरु

आयुष्मान भारत: एन अपॉर्चुनिटी ऑर चैलेंज टू ट्रांसफर्म इंडिया।

प्रोफेसर के. सेल्वकुमार
चेन्नई

आयुष्मान भारत: एंड मेडिकल एजुकेशन बाय यूजिंग रिसेंट
टेक्नोलॉजी

ग्रामीण लोगों के लिए कल्याण - आधुनिक दुनिया के लिए वैज्ञानिक स्वास्थ्य देखभाल

डॉक्टर के. श्रीकुमार
कोची

वैलनेस ऑफ द पीपल बाय द पीपल फॉर द पीपल

डॉक्टर उषी मोहनदास
बेंगलुरु

चैलेंज दैट इफेक्ट एंड प्रोविजन ऑफ मेंटल हेल्थ इन रूरल
एरियाज

प्रोफेसर पी. के शशिधरण
कोजीकोड

अपलिफिंग कम्प्युनिटी हेल्थ थ्रू नेचुरल एंड इकोनॉमिकल मीन्स
इन साइंटिफिक वे।

खाद्य और पोषण सुरक्षा की दिशा में फसल पर पूर्ण सुधार

डॉ एस. बी. डांडिन
बेंगलुरु

एग्रो बायोडायवर्सिटी फॉर फूड एंड हेल्थ सिक्योरिटी: ए कॉन्सेप्ट

प्रोफेसर डी. राजगोपाल
बेंगलुरु

डॉ उमाशंकर
बेंगलुरु

डॉक्टर टी. आर. शर्मा
मोहाली

डॉ उत्पल नाथ
बेंगलुरु

डॉ किरण
मैसूर

सॉइल बायोडायवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न घाट्ट्स

एंडोफाइट्स: एक्साइटिंग अप्रोच टुवर्ड्स क्रॉप इंप्रूवमेंट

मॉलिक्यूलर डिस्सेक्शन ऑफ सिंपल एंड कंप्लेक्स ट्रेट्स एंड
ट्रेट्स एंड देयर यूटिलाइजेशन इन राइस इंप्रूवमेंट

इंटीग्रेशन ऑफ डेवलपमेंट एंड एनवायरमेंटल सिगनल्स इन प्लांट
ग्रोथ प्लास्टिसिटी

ए फंक्शनल जिनोमिक्स अप्रोच आईडेंटिफाई नोबेल जींस इन
वर्ल्ड इन प्लांट इनेट इम्यूनिटी एंड एबायोटिक स्ट्रेस

खाद्य और पोषण सुरक्षा की दिशा में फसल पर पूर्ण सुधार

डॉ मनीषा सक्सेना
बेंगलुरु

डॉ जॉन मैथ्यू
बेंगलुरु

श्री हनुमान थारयप्पा
बेंगलुरु

अर्थ ऑब्जर्वेशन फॉर सोसायटील डेवलपमेंट

सेटेलाइट कम्युनिकेशन फॉर सोसायटील डेवलपमेंट

NAVIC फॉर सोसायटील डेवलपमेंट

ग्रामीण विकास में उद्योगों की भूमिका पर पूर्ण सत्र

प्रोफेसर के. नारायण
बेंगलुरु

प्रोफेसर के. मंजूनाथ
बेंगलुरु

डॉ निर्मल के. भारद्वाज
बेंगलुरु

डॉ के. के. नटायानन
बेंगलुरु

डॉक्टर जगदीश मिट्टूर
बेंगलुरु

डॉ एस. चंद्रशेखर
बेंगलुरु

डॉक्टर श्री कुमार सूर्यनारायण
बेंगलुरु

डॉ वगीश पाटिल
बेंगलुरु

प्रोफेसर सी. नगन्ना
मैसूरू

अनुभागों में कार्यकलाप

14 अनुभागों में अनुभागी अध्यक्षों (अनुबंध – 1) के वक्तव्य के साथ विचार – विमर्श हुआ। तत्पश्चात प्रत्येक अनुभाग में प्लेटिनम जयंती व्याख्यान (अनुबंध – 2) आयोजित किए गए। विशिष्ट विषयों (अनुबंध – 3) पर तथा अधिकांश आमंत्रित/विशेष व्याख्यानों पर अनुभागीय अध्यक्षों द्वारा परिसंवाद का आयोजन किया गया जो 107 वें विज्ञान कांग्रेस के तकनीकी कार्यक्रम का अभिन्न अंग रहा।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के युवा वैज्ञानिकों के कार्यक्रम

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के युवा वैज्ञानिकों के कार्यक्रम के अंतर्गत में 4 जनवरी, 2020 को लेख प्रस्तुत किए गए। इस वर्ष कार्यक्रम के अंतर्गत 14 युवा वैज्ञानिकों को अनुसंधान संबंधी क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए पुरस्कार प्रदान किया गया। भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के युवा वैज्ञानिक पुरस्कार (प्रमाणपत्र एवं रु. 25,000/- का नकद पुरस्कार) 7 जनवरी, 2020 को 107 वाँ विज्ञान कांग्रेस के समापन सत्र में प्रदान किया गया। युवा वैज्ञानिकों के नाम और इनके लेखों के शीर्षक (अनुबंध – 4) में दिए गए हैं।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था उत्कृष्ट पोस्टर पुरस्कार कार्यक्रम

वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए ISCA ने प्रत्येक अनुभागों में दो उत्कृष्ट पोस्टर पुरस्कार की स्थापना किए। इन पुरस्कारों की राशि रु. 5,000/- है और इसके एक योग्यता प्रमाण पत्र भी है। इस वर्ष 17 उत्कृष्ट पोस्टर पुरस्कार 7 जनवरी, 2020 को 107 वाँ विज्ञान कांग्रेस का समापन समारोह में प्रस्तुत किए गए। उन पुरस्कार विजेताओं के नाम और उनके लेख के शीर्षक अनुबंध-5 में दी गई है।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था अक्षयनिधि पुरस्कार/ व्याख्यान 2019-20 के लिए

आशुतोष मुखर्जी स्मारक अवार्ड

प्रोफेसर के. जे राव

एमेरिटस प्रोफेसर,

सॉलिड स्टेट ऑफ स्ट्रक्चर केमिस्ट्री यूनिट,

भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु - 560 012

सी.वी. रमण जन्म शतवार्षिकी अवार्ड

डॉ आशीष कुमार मुखोपाध्याय

वैज्ञानिक एफ़ (वरिष्ठ उप निदेशक)

बैक्टीरियोलॉजी विभाजन,

हैजा और आंत्र रोगों के राष्ट्रीय संस्थान, (आईसीएमआर)

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार

पी-33 सी.आई.टी रोड स्कीम एक्स.एम

बेलेघाटा कोलकाता - 700 010

डॉ. व्ही. पूरी स्मारक अवार्ड - संयंत्र विज्ञान

डॉक्टर: डेयसी आर. बातिश,

अध्यापक और अध्यक्ष,

वनस्पति विज्ञान विभाग,

पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ - 160014

प्राण बोहरा अवार्ड - कृषि एवं वानिकी विज्ञान

डॉक्टर विग्नेश मुथुस्वामी

वैज्ञानिक (वरिष्ठ स्तर) लैब संख्या-102,

मक्का अनुवांशिकी इकाई,

अनुवांशिकी विभाजन (आईसीएमआर),

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई),

पूसा कैंपस, नई दिल्ली - 110012

पी. सी. राय मेमोरियल अवार्ड

डॉ ए. के त्यागी

उत्कृष्ट वैज्ञानिक(OS), प्रधान,
परमाणु ऊर्जा सामग्री अनुभाग,
रसायन विज्ञान विभाग,
भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC)
मुंबई: - 400085

जे. सी. बोस मेमोरियल अवार्ड

प्रोफेसर सत्येंद्र पाल खटकर

उभरता वैज्ञानिक, प्राध्यापक और प्रधान,
रसायन विज्ञान विभाग,
एम.डी विश्वविद्यालय
रोहतक: - 124 001
मोबाइल: - 09813805666
ईमेल: - s_khatkar@rediffmail.com

सहस्राब्दि सम्मान फ़लक

डॉ. एस चंद्र नायका

प्राध्यापक और मुख्य जाँचकर्ता (आईसीएआर
एआईसीआरपी)
डीओएस एप्लाइड वनस्पति विज्ञान और प्रौद्योगिकी में,
मैसूर विश्वविद्यालय,
मानसंगोत्री, मैसूर : - 570006

प्रो. आर. सी. मेहरोत्रा जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार

डॉक्टर संजय माथुर,

सहायक संकाय,
धातुकर्म और सामग्री इंजीनियरिंग विभाग,
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास
चेन्नई: - 600 036

**प्रोफेसर उमाकांत सिंहा मेमोरियल अवार्ड
नव जीव विज्ञान**

डॉक्टर सी.डी मोहन

सहायक प्राध्यापक,
आणविक जीव विज्ञान में अध्ययन विभाग,
मैसूर विश्वविद्यालय, मानसिंगोत्री
मैसूर: - 570 006, कर्नाटक

बी. सी. देव मेमोरियल अवार्ड के लिए

विज्ञान की लोकप्रियता

डॉ. सचिन कुमार सिंह,
स्कूल के एसोसिएट प्रोफेसर हैं
औषधि विज्ञान,
लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी,
जालंधर-दिल्ली जी.टी. रोड (NH-1) फगवाड़ा,
जिला कपूरथला, पंजाब 144 411

**डॉ. (श्रीमती) गौरी गांगुली मेमोरियल अवार्ड युवा
वैज्ञानिक के लिए - पशु, पशु चिकित्सा और मत्स्य
विज्ञान**

डॉ. सुब्रत हाटी,

सहायक प्रोफेसर, डेयरी विभाग
सूक्ष्म जीव विज्ञान,
आनंद कृषि विश्वविद्यालय, आनंद -388 110,
गुजरात

**प्रो. जी.के. मन्ना मेमोरियल अवार्ड - पशु, पशु
चिकित्सा और मत्स्य विज्ञान**

डॉ. यासिर हसन सिद्दीकी,

सहायक प्रोफेसर, जेनेटिक्स के अनुभाग,
जूलॉजी विभाग,
जीवन विज्ञान संकाय, अलीगढ़ मुस्लिम
विश्वविद्यालय,
अलीगढ़ - 202 002 (यू.पी.)।

बी.सी. गुहा स्मारक व्याख्यान

डॉक्टर सोमनाथ राय

पूर्व प्रोफेसर इम्यूनोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी
प्रयोगशाला,
सामुदायिक स्वास्थ्य के साथ मानव शरीर विज्ञान विभाग,
विद्यासागर विश्वविद्यालय
मिदनापुर: - 721102. पश्चिम बंगाल

राज कृष्टो दत्त स्मारक अवार्ड

डॉक्टर संदीपन गांगुली

वैज्ञानिक ई (उपनिदेशक) और प्रधान,
पैरासाइटोलॉजी विभाजन,
हैजा और आंत्र रोगों के राष्ट्रीय संस्थान, (आईसीएमआर)
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार
पी-33 सी.आई.टी रोड स्कीम एक्स.एम
बेलेघाटा कोलकाता - 700 010

जी. पी. चटर्जी मेमोरियल अवार्ड

डॉ राघवेंद्र एस कुलकर्णी

प्रोफेसर और अध्यक्ष (सेवानिवृत्त)
प्राणी विज्ञान अध्ययन विभाग,
गुलबर्गा विश्वविद्यालय,
ज्ञानगंगा कैम्पस, गुलबर्गा: - 585 160.

प्रो. हीरालाल चक्रवर्ती अवार्ड - पादप विज्ञान

डॉ. जितेंद्र गिरि

वैज्ञानिक, लैब संख्या - 110
पादप जीनोम अनुसंधान का राष्ट्रीय संस्थान,
अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली: - 110 067,

प्रो. सुशील कुमार मुखर्जी स्मरणोत्सव व्याख्यान

डॉक्टर सुरेश कुमार

प्रधान वैज्ञानिक मुख्य जांचकर्ता,
जैव रसायन विभाजन(आईसीएआर),
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई),
पूसा कैम्पस, नई दिल्ली - 110012

**प्रो. एस. एस. कटियार प्राभूत व्याख्यान नवजीवन
विज्ञान/ रसायन विज्ञान**

प्रोफेसर आलोक धवन

निदेशक सीएसआईआर,
विष विज्ञान अनुसंधान भारतीय संस्थान,
विष विज्ञान भवन,
31, महात्मा गांधी मार्ग, पोस्ट बॉक्स - 80, लखनऊ, उत्तर
प्रदेश;

**प्रो. आर. सी. शाह मेमोरियल व्याख्यान - रसायन
विज्ञान**

डॉक्टर बी एम प्रवीण

निदेशक अनुसंधान और नवाचार परिषद,
श्रीनिवास विश्वविद्यालय,
मुक्का, मंगलुरु: - 574 146;

**प्रो. विलियम डिक्सन वेस्ट मेमोरियल अवार्ड - पृथ्वी
तंत्र विज्ञान**

डॉक्टर सी. मणिकैम्वा

मुख्य वैज्ञानिक और प्राध्यापक(ACSIR - NGRD),
प्रधान, भू - रसायन विभाग
सीएसआईआर - राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान,
उप्पल रोड, हैदराबाद - 500 606, तेलंगाना।

107 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस, बेंगलोर अनुभागों से सिफारिशें

107 भारतीय विज्ञान कांग्रेस फोकल विषय के साथ आयोजित किया गया था; "विज्ञान और प्रौद्योगिकी: ग्रामीण विकास"। उपरोक्त फोकल से संबंधित चर्चा पर विभिन्न वर्गों की सिफारिशें उन्हें नीचे दी गई हैं:

अनुभाग: कृषि और वानिकी विज्ञान

कृषि विज्ञान और वानिकी विज्ञान का विषय कृषि विज्ञान और वानिकी विज्ञान के लिए "एकीकृत कृषि और ग्रामीण जैव उद्यमिता" था। 107 वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस के ढांचे के भीतर "किसान विज्ञान कांग्रेस" का आयोजन 06-01-2020 को "किसान नवाचार एकीकृत कृषि और ग्रामीण जैव उद्यमिता" विषय के साथ किया गया था।

सिफारिशें इस प्रकार हैं:-

1. ग्रामीण भारत में स्व - निर्भरता लाने के लिए एकीकृत कृषि: एकीकृत कृषि को अक्षय कृषि माना जा सकता है। औद्योगिक आदानों के बड़े पैमाने पर उपयोग को कम करने के लिए एकीकृत कृषि को बढ़ावा देने की आवश्यकता है, जिसने कृषि प्रणालियों में बातचीत की शृंखला को तोड़ दिया है, कम कार्बन पदचिन्ह के कारण जलवायु परिवर्तन में योगदान और निरंतर कृषि के लिए अग्रणी किया है।
2. किसानों की आय दोगुनी करना: एकीकृत कृषि प्रणालियों को किसान की आय को दोगुना करने के लिए देश में छोटे और सीमांत किसानों के विकास के लिए संभावित उपकरण और मास्टर प्लान माना जाता है। ज़मीनी/ कृषि प्रणाली स्तर पर कृषि विकास कार्ड और विकासात्मक कृषि मॉडल को बढ़ावा देने के संदर्भ में नीति समर्थन की आवश्यकता है।
3. नया भारत: "प्रधानमंत्री के महत्वपूर्ण दृष्टिकोण में से एक नया भारत है - इस मिशन के लिए योगदान करने के लिए, एक छात्र तैयार कार्यक्रम को अनुभवजन्य सीखने के कार्यक्रम के लिए ICAR द्वारा लॉन्च किया गया है, जिसे कौशल विकास के लिए ठीक से लागू किया जा सकता है।" छात्र और बड़े पैमाने पर उद्यमशीलता को बढ़ावा देना।
4. कृषि में समग्र और प्रणाली के दृष्टिकोण को बढ़ावा देने की जरूरत है। भारतीय कृषि में प्रमुख घटक और अनुशासनात्मक दृष्टिकोण को स्थायी कृषि और छोटे और सीमांत किसानों के सतत विकास के लिए समग्र और प्रणाली के दृष्टिकोण से बदलना होगा।
5. एकीकृत कृषि का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष: संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा एकीकृत कृषि के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष का जश्न मनाने का प्रस्ताव एक महत्वपूर्ण रणनीति है और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कृषि में एकीकृत कृषि प्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए सिफारिश करना है।
6. अभिसरण और सहयोग: तालमेल के लिए ज़मीनी कृषि प्रणाली स्तर पर लाइन विभाग और अन्य संगठनों का अभिसरण महत्वपूर्ण है। समग्र और प्रणाली दृष्टिकोण के माध्यम से इस तरह के तालमेल को प्राप्त किया जा सकता है। विभिन्न कार्यक्रमों और संस्थानों में अभिसरण लाने के माध्यम से कृषि में उपलब्ध बुनियादी ढांचे से अधिक उत्पादन संभव है।
7. असंतुलित उर्वरक का उपयोग और भारी मात्रा में औद्योगिक इनपुट पर निर्भर करता है जैसे कि उर्वरक सूक्ष्म पोषक तत्वों कि कमी का कारण है। यह मानव और पशु स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर रहा है। भारतीय कृषि

में जस्ता कि कमी एक प्रमुख मुद्दा बन गया है जिसे एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के माध्यम से संबोधित किया जा सकता है।

8. प्राकृतिक खेती और शून्य-बजट प्राकृतिक खेती: प्राकृतिक खेती और शून्य-बजट प्राकृतिक खेती महत्वपूर्ण कृषि पद्धतियां अभी तक ठीक से नहीं खोजी गई हैं। स्थानीय संसाधनों के कुशल उपयोग के लिए अभ्यास महत्वपूर्ण है, जो औद्योगिक कृषि के प्रभाव के कारण नहीं हो रहा है। व्यवहार्य विकसित करने के लिए व्यवस्थित शोध की आवश्यकता है और प्रिनियल प्रोटोकॉल की आवश्यकता है।
9. बाँस आधारित उत्पाद बनाने से ग्रामीण युवाओं को उद्यमिता विकास और ग्रामीण आय सृजन के लिए अवसर मिलता है। बाँस के मूल्यवधिति उत्पादों के लिए ग्रामीण युवाओं और किसानों के कौशल विकास की आवश्यकता है। एनईएच क्षेत्र में इस तरह के कार्यक्रम को तेज किया जा सकता है जहाँ बाँस के जैव स्रोत आसानी से उपलब्ध हैं।
10. ईकोटूरिज्म:- ग्रामीण क्षेत्रों में ईकोटूरिज्म पर्यटकों को आकर्षित कर सकता है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में योगदान कर सकता है। समुदाय ने प्रकृति पर्यटन का प्रबंधन किया जो अद्वितीय है और ओडिशा मॉडल एक उदाहरण है। इसका प्रबंधन स्थानीय ग्रामीणों द्वारा किया जाता है। वन सुरक्षा समित (VSS) में ग्रामीण युवा और महिलाएँ शामिल हैं, जो विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन करते हैं, और रोजगार प्राप्त करते हैं। यह गाँवों द्वारा जलाऊ लकड़ी और छोटे लकड़ी सहित वन संसाधनों पर निर्भरता को कम करता है। यह ग्रामीणों की स्थायी आजीविका के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।
11. एकीकृत कृषि प्रणाली(IAS) जैव विविधता संरक्षण का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। एकीकृत कृषि, वनस्पतियों और जीवों की बहु - उद्यम उत्पादन प्रणालियों को बनाए रखने के माध्यम से जैव विविधता की समृद्ध संस्कृति को बढ़ावा देती है दुनिया भर में परिस्थितिक रूप से उन्मुख पारंपरिक कृषि प्रणालियों पर आर्थिक रूप से संचालित अत्यधिक गहन कृषि प्रणालियों का वर्चस्व बढ़ रहा है। इस तरह की पारी तेजी से फसल प्रणालियों की विविधता को कम कर रही है और कृषि परिदृश्यों से जुड़े विभिन्न जीवों के लिए उपलब्ध आवासों की गुणवत्ता को कम कर रही है और इसलिए मौजूदा जैव विविधता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रही है। जैव विविधता संरक्षण के लिए IAS का प्रचार महत्वपूर्ण रणनीति है।

अनुभाग: पशु, पशु-चिकित्सा एवं मात्स्यिकी

ग्रामीण भारत में अधिक आजीविका को बढ़ावा देने की दृष्टि से सरकार ग्रामीण युवाओं को मछली पालन, कृषि, बत्तख पालन, सुअर पालन, लाख संस्कृति झींगा और मोती संस्कृति आदि के साथ प्रशिक्षित करने के लिए एक विस्तृत कार्यक्रम शुरू करना चाहिए, ताकि वे पैसा कमा सके और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में योगदान कर सके।

1. जैव - संसाधन मानव जाति के लिए प्रकृति का अद्भुत उपहार है, जिसकी स्थिरता ग्रामीण आजीविका और आर्थिक विकास से प्रभावी रूप से जुड़ी हो सकती है, इसलिए विज्ञान शिक्षा का उद्देश्य छात्रों को उचित प्रबंधन स्थायी उपयोग और जैव संसाधनों के अभिनव विचार के लिए आकर्षित करना चाहिए।
2. प्रजातियों के संयोजन जिसके साथ हम ग्रह साझा करते हैं, अनदेखा फार्मास्यूटिकल्स और अन्य लाभकारी पदार्थों के साथ एक विशाल अप्रयुक्त आनुवंशिक पुस्तकालय का प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए भविष्य के लिए ग्रामीण आजीविका, भोजन, स्वास्थ्य और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ अन्य कम ज्ञात संभावित किस्मों के रूपों की खोज के लिए कार्यक्रमों की शुरुआत की जानी चाहिए।
3. जैव विविधता के लिए जलवायु परिवर्तन के खतरों को पहचानना और जैव विविधता के संरक्षण के लिए प्राथमिकता पर किए गए उपायों को एकत्रित करना।

4. सभी प्रकार के आवासों के संरक्षण, प्रबंधन और पुनर्स्थापना के लिए जैव प्रौद्योगिकी उपकरणों और नवीन विचारों का उपयोग किया जाना चाहिए।
5. जैव विविधता की स्थिति जानने के लिए स्थानीय जीवों की चेक लिस्ट तैयार की जाए और संबंधित उपायों को करने के लिए संबंधित एजेंसी को प्रस्तुत की जाए।
6. भूमि संसाधनों पर दबाव को कम करने के लिए जलीय संसाधनों से अधिक पशु प्रोटीन का दोहन करने के लिए प्रमुख अनुसंधान निष्कर्षों के रूप में जोर बढ़ाया जाना चाहिए।
7. बुनियादी जीव विज्ञान को जैव प्रौद्योगिकी, सूक्ष्म जीव विज्ञान, जैव सूचना विज्ञान और अन्य आधुनिक जीव विज्ञान विषयों में स्नातक और स्नातकोत्तर अध्ययन का अभिन्न अंग बनाया जाना चाहिए।
8. जैव विविधता के संरक्षण के लिए स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के पाठ्यक्रमों में शास्त्रीय प्राणी शास्त्र को मज़बूत करने पर जोर दिया जाना चाहिए, जो नए यूजीसी पाठ्यक्रम में परिलक्षित नहीं होता है। यूजीसी से अनुरोध किया जा सकता है कि वह इस सिफ़ारिश के आलोक में पाठ्यक्रम को मामूली फ़िला के संदर्भ में पुनः व्यवस्थित करें।
9. राष्ट्रीय वित्तपोषण एजेंसियों को पशु वर्गीकरण पर अनुसंधान के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध कराना चाहिए क्योंकि पिछले दो दशकों के दौरान शास्त्रीय कर व्यवस्था बैकफ़ुट पर चली गई है और जैव विविधता महत्व की प्रजातियों की उचित पहचान युवा शोधकर्ताओं के लिए एक समस्या बन गई है।
10. मनुष्य को ऊर्जा से भरपूर प्रोटीन और अन्य संसाधन उपलब्ध कराने के लिए स्थलीय और जलीय पशु संसाधन के बेहतर स्वास्थ्य को बनाए रखने और प्रबंधित करने के लिए शोध को बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता है।
11. अंतर्देशीय मत्स्य उत्पादन में वृद्धि करने के लिए, मछलियों के प्रारंभिक जीवन के इतिहास के चरणों के बीच मृत्यु दर की जांच करने और मौजूदा परिस्थितियों में वर्ष वर्ग की ताकत बढ़ाने के लिए नवीन तरीकों को विकसित करने की प्रत्यक्ष आवश्यकता है।

अनुभाग: मानव विज्ञान और व्यवहार परक विज्ञान (पुरातत्व विज्ञान, मनोविज्ञान एवं शिक्षा शास्त्र और सैन्य शास्त्र सहित)

भारत को आज़ादी मिलने से पहले, आज से लगभग 72 साल पहले, यह कहा जाता था कि “असली भारत गांव में रहता है।” इस तरह के विचार आज तक पकड़ में आते हैं क्योंकि भारतीय शहरी आबादी का आकार ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 2 गुना और लगभग 10 गुना है। शहरी क्षेत्र का आकार ग्रामीण क्षेत्र का गठन करता है।

इस तथ्य के साथ हमारा देश एक विकसित राष्ट्र बन सकता है जब ग्रामीण क्षेत्रों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के माध्यम से पूरी तरह से विकसित किया जाएगा। लेकिन विज्ञान और प्रौद्योगिकी का वास्तविक अनुप्रयोग लोगों के सामाजिक, सांस्कृतिक, जीवन शैली, व्यवहार और मनोविज्ञान को समझे बिना पूरा नहीं किया जा सकता है।

इसे ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित सिफ़ारिशों पेपर प्रस्तुतकर्ताओं द्वारा किए गए विचार-विमर्श से की गई हैं।

1. किसी भी क्षेत्र/ क्षेत्रों के विकास के लिए कोई भी नीतिगत कार्यक्रम शुरू करने से पहले, लोगों/ निवासियों के सामाजिक-सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक पहलू को ध्यान में रखा जाना चाहिए।
2. नीति निर्माताओं को किसी भी नीति कार्यक्रम के कार्यान्वयन से पहले सामाजिक वैज्ञानिक, मानव विज्ञानी, मनोवैज्ञानिक और व्यवहार वैज्ञानिक के सुझाव और टिप्पणी की तलाश करनी चाहिए।

3. व्यवहार और सामाजिक वैज्ञानिक का ज्ञान प्राप्त करने के लिए, मानव विज्ञानी और मनोवैज्ञानिक को किसी भी नीति कार्यक्रम के प्रारूपण के सदस्य के रूप में सामना करना चाहिए।

अनुभाग: रासायनिक विज्ञान

21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए यह आवश्यक है कि शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों के अनुसंधान और विकास प्रभागों के बीच सहयोग हो जो नवाचार की कुंजी है। यह सहयोग शिक्षा और उद्योगों से ज्ञान या प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए मार्ग बनाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं, या इसके विपरीत। इस तरह के सहयोग के सबसे महत्वपूर्ण परिणामों में से एक अत्यधिक कुशल मानव संसाधन का विकास है। पैनल चर्चा 5 जून, 2020 को रासायनिक विज्ञान अनुभाग में आयोजित की गई थी और चर्चा निम्नलिखित विषयों पर केंद्रित थी:

1. शिक्षा उद्योग संबंध का वर्तमान परिदृश्य।
2. उद्योग की जरूरत है और अनुसंधान में रुझान।
3. शिक्षा से उद्योग और नौकरी के अवसरों के लिए ज्ञान हस्तांतरण।
4. सरकारी सहायता और संयुक्त डॉक्टरेट कार्यक्रमों के साथ संयुक्त आर एंड डी परियोजनाएं।
5. पाठ्यक्रम विकास, शिक्षा और उद्योग का एक संयुक्त उद्यम आयोजित किया गया था। सिफारिशों के बाद विस्तृत चर्चा की गई:
 - इस बात पर सहमति हुई कि उद्योग अकादमिक संबंधों को मजबूत करने की आवश्यकता है।
 - पैनल ने सिफारिश की कि नौकरशाही प्रणाली के IIT/IISC/IISER मॉडल को देश के प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान में लागू किया जाना चाहिए।
 - पैनल ने सिफारिश की कि विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम को तैयार करने में उद्योग को शामिल करने की आवश्यकता है और प्रयोगों को इस तरह से डिजाइन किया जाना चाहिए कि यह स्थानीय/औद्योगिक समस्याओं को हल करें।
 - पैनल ने सिफारिश की कि इंटरशिप के लिए छात्रों को शामिल करने के लिए उद्योग को आगे आना चाहिए।
 - शिक्षा और उद्योग के बीच एक संयुक्त पीएचडी कार्यक्रम शुरू किया जाना चाहिए।
 - भारत सरकार को उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों को ऐसी परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, जो इस समय चीन से खरीदे जाने के लिए उपन्यास प्रक्रियाओं को बनाने में मदद कर सकें। इसलिए, इस तरह के प्रस्तावों पर धन उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

अनुभाग: पृथ्वीतंत्र विज्ञान

आपदा जोखिम में कमी और लचीलापन उपायों के लिए स्मार्ट शहर और गांवों के विकास के लिए स्थानिक सूचना प्रौद्योगिकी के साथ भू-विज्ञान की भूमिका शामिल है।

1. जैविक पेट्रोलॉजी, कार्बनिक, रसायन विज्ञान के स्थिर समस्थानिकों पर जोर देने के साथ कोयला और शेल के संरचनात्मक पैतरेबाजी में शोधकर्ताओं को कार्बनिक अमीर चट्टानों में तत्वों और दुर्लभ पृथ्वी तत्वों (REE) विनाश का पता लगाने के साथ-साथ कोयले, शेल और गैस के स्थिर आइसोटोप में भी प्रोत्साहित किया गया।

2. स्थानिक सूचना प्रौद्योगिकी का व्यापक अनुप्रयोग व्यावहारिक नीति विकसित करने के लिए वैज्ञानिक विकास में सामाजिक भूमिका को शामिल करते हुए ग्रामीण विकास को गति प्रदान करेगा।
3. विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के विभिन्न स्तरों और भूगोल भू-विज्ञान विभागों तक पृथ्वी विज्ञान की शिक्षा को बढ़ाया जाना चाहिए, जो आई. एम. डी, भारत सरकार के समर्थन से मौसम की जानकारी एकत्र करने के लिए शामिल किया जाएगा।
4. जलवायु परिवर्तन के विज्ञान में सुधार के लिए मौसम स्टेशन को रोककर ऊपरी वायुमंडलीय डेटा को वाणिज्यिक विमानों के माध्यम से एकत्र करने की आवश्यकता है।
5. स्कूल शिक्षकों और शिक्षक प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने और देश में भू-स्थानिक सूचना प्रौद्योगिकी और जियो हेरिटेज के शिक्षण पर अनुसंधान करने के लिए जल्द से जल्द "भारत के भू विज्ञान शिक्षा अनुसंधान संस्थान" की स्थापना किया जाए।
6. भारत में एक परियोजना "वसुंधरा" का अर्थ ग्रह पृथ्वी की शुरुआत करना, बच्चों, युवा और सार्वजनिक लोगों के लिए शिक्षा यात्रा के रूप में एक साथ घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को आकर्षित करना है।

अनुभाग: अभियांत्रिकी विज्ञान

7. 1. इंजीनियरिंग विज्ञान के ज्ञान और कौशल का उपयोग करके ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए काफी गुंजाईश है। उदाहरणार्थ भागीरथ ग्राम विकास प्रतिष्ठान द्वारा निर्मित 8000 बायोगैस संयंत्र महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में एक बड़ी सफलता है। यह ग्रामीण आर्थिक समुदाय के लिए लंबे समय तक आर्थिक लाभ के लिए उपयुक्त रूप से दोहराया जा सकता है। कचरे के बायोमास को धन में परिवर्तित करने की संभावना उदाहरण के लिए जैव चार को ग्रामीण विकास के लिए भी जोर दिया जा सकता है।
8. 2. विश्वविद्यालय स्तर से भारतीय केंद्रीत नवाचार फोकस विकसित करने की एक मजबूत आवश्यकता है, ताकि इंजीनियरिंग छात्रों के लिए सही सामाजिक-आर्थिक संवेदनशीलता प्रदान की जा सके। ग्रामीण विकास के लिए इंजीनियरिंग संस्थान के ज्ञान और कौशल का दोहन करने के लिए सुरक्षित साधनों और सामाजिक समस्याओं को सुलझाने में तेजी लाई जा सकती है। "उन्नत भारत अभियान" का संचालन IIT दिल्ली से किया जा रहा है, जो शायद सभी इंजीनियरिंग संस्थानों को कवर करने के लिए पूरे भारत में तेजी से आगे बढ़े।
9. 3. स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सुचारु व्यवसायीकरण के लिए प्रौद्योगिकी विकास के प्रदर्शन चरण को निधि देने की तत्काल आवश्यकता है। यह महसूस किया जाता है कि उद्योग और विभिन्न शैक्षणिक और अनुसंधान संगठनों के बीच एक मजबूत जुड़ाव विकसित करने के लिए "मिशन उन्मुख दृष्टिकोण" की आवश्यकता है। इसके लिए, अंतरिक्ष अनुसंधान के लिए इसरो मॉडल के लिए इन-लाइन मॉडल में ऊर्जा और सामग्री क्षेत्र में विकसित प्रौद्योगिकियों के इंडोरकरण और समन्वय में तेजी लाने के लिए "ऊर्जा और सामग्री के लिए राष्ट्रीय केंद्र" बनाने की सिफारिशों की गई है।
10. 4. टिकाऊ प्रौद्योगिकी उदाहरण अपशिष्ट प्लास्टिक और बायोमास रूपांतरण, कार्बन डाइऑक्साइड कैप्चर और उपयोग और नवीकरणीय ऊर्जा कुछ प्रमुख क्षेत्र है जहां विश्वविद्यालय स्तर से महत्वपूर्ण जोर दिए जाने की आवश्यकता है।
11. 5. इंजीनियरिंग शिक्षा को दूरदर्शी और व्यावसायिक कौशल के साथ-साथ छात्रों को विकसित करने के लिए आर्थिक और पर्यावरणीय व्यवहार्यता, स्टार्टअप संस्कृति, हरित रसायन विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स, नैतिक और नैतिक प्रथाओं, नेतृत्व गुणों आदि के नए क्षेत्रों को अनुकूलित करने की भी आवश्यकता है।

अनुभाग: पर्यावरण विज्ञान

1. भारत भू-अवक्रमण की एक विकट समस्या का सामना कर रहा है, जिसमें कृषि प्रणालियों की मृदा स्वास्थ्य बिगड़ना भी शामिल है। इतने मिशन मोड और प्रभावी विज्ञान और प्रौद्योगिकी आधारित हस्तक्षेपों में अपमानित

भूमि, विशेष रूप से कृषि परिदृश्य के मृदा स्वास्थ्य को बहाल करने की दिशा में तत्काल ध्यान देने का आहवान किया है।

2. देश में तेज हो रहे शहरीकरण से ग्रामीण परिदृश्य और संबंधित पारिस्थितिक और आर्थिक परिणामों में भूमि परित्याग सहित विभिन्न पर्यावरणीय समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके अलावा, मुख्य रूप से भारतीय हिमालय जैसे मुख्य रूप से ग्रामीण परिदृश्य को बदलने की आवश्यकता है, जिसमें “स्मार्ट गांव” की अवधारणा को लागू किया गया है विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रभाव उपयोग के साथ।
3. विभिन्न आर और डी आधारित एजेंसियों ने देश में पर्यावरणीय गिरावट के मुद्दों (यानी वायु और जल प्रदूषण, भूमि का क्षरण, भोजन का प्रदूषण, आदि) को संबोधित करते हुए पायलट स्तर की सफलता का विकास और प्रदर्शन किया है। हालांकि, इन सभी सफलता की कहानियों के लिए पैमाना हासिल करना एक मुद्दा बना हुआ है। इस तरह के सभी पायलटों को जनता को लाभ पहुंचाने और ज़मीन पर प्रभाव लाने के लिए एक ठोस प्रयास की आवश्यकता है।
4. उन्नत प्रौद्योगिकी की उपलब्धता के बावजूद और पता है कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के लाभ को अभी तक पूरी तरह से कैसे महसूस किया जा सकता है। इसलिए प्राकृतिक संसाधनों के मूल्यांकन और निगरानी में उपलब्ध अंतरिक्ष आधारित प्रौद्योगिकी का अधिक गहन उपयोग, विकासात्मक परियोजनाओं को डिजाइनिंग और नियोजन कार्यक्रमों की सफलता के कार्यान्वयन और निगरानी आदि को पूरे देश में बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसके लिए पर्याप्त कुशल जनशक्ति विकसित करने की आवश्यकता होगी।

अनुभाग: सूचना एवं संचार विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी (कंप्यूटर साइंस सहित)

आदेश में आईसीटी के वर्तमान और भविष्य के अनुप्रयोगों की आवश्यकता है

1. सामाजिक समरसता का संरक्षण और संवर्धन करना।
2. निरंतर रूप से और अधिक तरीके से अर्थव्यवस्था के विकास को सुनिश्चित करें ताकि रोजगार उत्पन्न हो ताकि प्रत्येक परिवार को एक सुरक्षित और व्यवहार्य आजीविका का आश्वासन दिया जाए।
3. कल्याण को बढ़ाएं - विशेष-कर असंगठित क्षेत्र के किसानों खेत मजदूरों और श्रमिकों का होना और उनके परिवारों के लिए हर लिहाज से एक सुरक्षित भविष्य का आश्वासन देना।
4. महिलाओं को शैक्षिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना।
5. समाज के हर वर्ग को अवसर की पूर्ण समानता प्रदान करना।
6. उद्यमियों, व्यापारियों, वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और समाज के अन्य सभी पेशेवर तथा उत्पादक बलों की रचनात्मक ऊर्जा को उजागर करें।

यह निष्कर्ष निकाला गया था कि भारत जैसे विविध राष्ट्र के लिए समावेशी और सतत विकास प्राप्त करने के लिए सामान्य रूप से सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) में कंप्यूटिंग की शक्ति और क्षमता विशेष रूप से इसके पूर्ण रूप से दोहन करने की आवश्यकता है। निम्नलिखित पांच महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने वाले विकास से संबंधित सभी फोकल क्षेत्रों में-

1. कृषि और खाद्य प्रसंस्करण।
2. शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा।
3. अविश्वसनीय और गुणवत्ता वाले बिजली।

4. भार और नरम अवसंरचनात्मक विकास।
5. नागरिकों को सेवाओं का निबन्ध और प्रभावी अंतिम मील वितरण।

यह निष्कर्ष निकाला कि वर्तमान पारिस्थितिकी तंत्र पर विचार करें, जिसमें अकेले भारत में 800 मिलियन से अधिक लोग और वैश्विक स्तर पर 3 अरब से अधिक लोग गांवों में रह रहे हैं। स्थायी वैश्विक विकास को प्राप्त करने के लिए कोई भी मिशन तब तक फलदायी परिणाम नहीं देगा जब तक कि कंप्यूटिंग के आवेदन सबसे कम वंचितों तक नहीं पहुंचते और गांवों में रहने वाले समाज का वंचित वर्ग PURA की अवधारणा (ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी सुविधाएँ प्रदान करना) हमारे प्रिय भारत के पूर्व राष्ट्रपति: स्वर्गीय डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा अवधारणा, सभी स्तरों पर एक बड़े तरीके से मजबूत करने की आवश्यकता है।

अनुभाग: पदार्थ विज्ञान

सिफ़ारिशें

1. विशेष रूप से ऊर्जा और स्वास्थ्य के लिए उभरते क्षेत्र नैनोमेटेरियल्स फैब्रिकेशन पर प्रमुख होकर फोकस।
2. सामग्री विज्ञान को दिया जाने वाला महत्व इसे उच्च शिक्षा और अनुसंधान के पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहा है।

अनुभाग: नव-जीवन विज्ञान (जैव रसायन भौतिकी और आणविक जैविक जैव प्रौद्योगिकी सहित)

1. इस अनुभाग का प्रमुख फोकस कैंसर वायरल संक्रमण और परजीवी रोगों जैसे विभिन्न रोगों की बुनियादी समझ पर जोर देना था नई दवाओं और सस्ते लेकिन संवेदनशील डायग्नोस्टिक किट की खोज करने के लिए जिनका उपयोग किसी भी परिष्कृत उपकरण और महत्वपूर्ण विशेषज्ञता के बिना दूरदराज के गाँवों में किया जा सकता है।
2. फसल की हानि को कम करने के लिए ट्रांसजेनिक दृष्टिकोण का उपयोग करके कीटनाशक या कीटनाशक प्रतिरोध, उत्पादकता मुकाबला त्रिज्या संक्रमण जैसे मुद्दों को हल करने के लिए कृषि की बुनियादी समस्याओं को समझना। एक महत्वपूर्ण मुद्दा यह था कि आणविक और शास्त्रीय के लिए महत्वपूर्ण फसल की सूखा और खारा प्रतिरोधी किस्म विकसित प्रजनन का तरीका करना।
3. सभी भारत सरकार के वित्त पोषित अनुसंधान के लिए भारतीय विज्ञान कांग्रेस में कम से कम एक बार अपने को प्रस्तुत करने का जनादेश होना चाहिए। प्रत्येक JRF या SRF को DBT, DST, ICMR, CSIR, ICF आदि से फ़ेलोशिप मिलती है। अपने काम के दौरान कम से कम एक बार ISC में अपना काम प्रस्तुत करना चाहिए।

अनुभाग: भौतिक विज्ञान

चूंकि संगोष्ठी का एक शीर्षक "फोटोनिक: ग्रामीण परिवेश में ऊर्जा, पर्यावरण और स्वास्थ्य सेवा के लिए एक उभरता हुआ भौतिक विज्ञान अनुशासन" है, यह सिफ़ारिश हमारे देश में फोटोनिक्स और इसके भविष्य पर केन्द्रित है। एक आम आदमी के लिए फोटोनिक्स अनुप्रयोगों पर जोर देने के साथ प्रकाश की विज्ञान और प्रौद्योगिकी है। एक भौतिक विज्ञान अनुशासन के रूप में फोटोनिक्स का जन्म 1960 में लेज़र के आविष्कार के साथ हुआ, 1970 के दशक में, प्रकाश पुंजों के माध्यम से बड़ी मात्रा में सूचना प्रसारित करने के लिए एक माध्यम के रूप में ऑप्टिकल फाइबर के विकास के द्वारा, जो 20वीं सदी के अंत में दूरसंचार क्रांति के लिए जिम्मेदार है।

फोटोनिक्स टेक्नोलॉजीस भौतिक विज्ञान में एक सदाबहार विज्ञान और प्रौद्योगिकी बन गया है, जिसमें लेज़र विज्ञान और विकास, नैनो संरचनाओं और सामग्री संशोधनों, जैविक और रासायनिक विज्ञान में आवेदन, जैव चिकित्सा इंजीनियरिंग और चिकित्सा प्रदर्शन और प्रकाश प्रौद्योगिकी और ऑप्टिकल कंप्यूटिंग से संबंधित अध्ययन शामिल है। अन्य महत्वपूर्ण विषय हैं:

1. मेडिसिन और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग: नोवल इमेजिंग टेक्नोलॉजीज जिसमें ऑप्टिकल कोहरेस टोमोग्राफी(OCT) कंफोकल माइक्रोस्कोपी और THZ ईमेजिंग मेडिकल डायग्नोस्टिक्स एंड ट्रीटमेंट, कैंसर डिटेक्शन एंड ट्रीटमेंट, DNA एनालिसिस आदि शामिल हैं।
2. सूचना प्रौद्योगिकी: ऑप्टिकल फाइबर और फ्री स्पेस ऑप्टिकल कम्यूनिकेशनस, ऑप्टिकल डेटा स्टोरेज और ऑप्टिकल डेटा प्रोसेसिंग, ऑप्टिकल इंटरकनेक्टस, ऑप्टिकल इंटिग्रेटेड सर्किट और भविष्य में, ऑप्टिकल कंप्यूटिंग जिसने क्वांटम कंप्यूटिंग और क्वांटम एन्क्रिप्शन, आदि।
3. मेट्रोलॉजी: समय और आवृत्ति माप, सटीक मेट्रोलॉजी और मैकेनिकल घटक, आदि।
4. मनोरंजन: लेजर शो, बीम प्रभाव, होलोग्राफिक कला।
5. रक्षा और सुरक्षा: उपग्रह निगरानी प्रणाली, नेविगेशन, नाइट विजन और थर्मल, इमेजर्स, मिसाइल गाइडेंस, एंटी मिसाइल सिस्टम, हाई-पावर निर्देशित ऊर्जा हथियार, आईआर सेंसर, कमांड एंड कंट्रोल, सर्च एंड रेसक्यू, माइन बिछाने और डिटेक्शन, आदि:
6. उपभोक्ता उपकरण: ऊर्जा कुशल एलईडी रोशनी, बार-कोड स्कैनर लेजर प्रिंटर, सीडी/ डीवीडी/ ब्लू किरण उपकरण, रिमोट कंट्रोल डिवाइस:
7. औद्योगिक निर्माण: वेल्डिंग, ड्रिलिंग, कटाई और विभिन्न प्रकार के सतह संशोधन, अर्धचालक चिप निर्माण और निरीक्षण, मुद्रण, लेजर और फाइबर - ऑप्टिक सेंसर, आदि सहित लेजर सामग्री प्रसंस्करण:

बुनियादी अनुसंधान और एप्लाइड साइन्सेज के बीच इस तरह के तालमेल को देखते हुए, फोटोनिक्स को हमारे देश के रणनीतिक उद्देश्य के लिए एक गतिशील ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था को विकसित करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एक महत्वपूर्ण विषय बना दिया जाता है। फोटोनिक्स का महत्व एक उचित नीति के लिए अनिवार्य है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए कि वैज्ञानिक, औद्योगिक और सामाजिक क्षेत्रों में हमारे राष्ट्र के विकासात्मक लक्ष्यों पर वास्तविक प्रभाव डालने के लिए विकसित तकनीकों के फोटोनिक्स अनुसंधान और उपयोग के लिए पर्याप्त समर्थन है।

क्या करना है?

फोटोनिक्स में केन्द्रित, बहु - अनुशासनात्मक अंतर संस्थागत अनुसंधान कि सुविधा के लिए यह निम्नलिखित प्रस्तावित है:

1. इस तरह के नैनो के रूप में एक बड़े मिशन के साथ एक फोटोनिक्स मिशन स्थापित करने के लिए डीएसटी द्वारा मिशन।
2. स्नातक और स्नातक छात्रों, कॉलेज और विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कर्मियों को नियमित स्कूलों और कार्यशालाओं का पुनर्गठन करना।
3. अनुसंधान के माहौल वाले राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों और अच्छी तरह से मान्यता प्राप्त स्नातकोत्तर कॉलेजों (जहाँ उज्ज्वल प्रतिभाओं के अध्ययन का बहुमत) के लिए फंड उपलब्ध कराया जाना है।
4. उच्च स्तरीय सहकर्मि समीक्षा के आधार पर अनुसंधान निधि आबंटित करना।
5. अनुमोदित परियोजनाओं की नियमित निगरानी।
6. देश के भीतर फोटोनिक्स आर और डी गतिविधि से उत्पन्न बौद्धिक सम्पदा अधिकारों कि सुरक्षा के लिए जागरूकता पैदा करना और सुविधा प्रदान करना।
7. प्रयोगशालाओं के बीच नियमित बातचीत की सुविधा जैसे कि विभिन्न संस्थानों में संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जाता है।

अनुभाग पादप विज्ञान

सिफारिशों के बाद ग्रामीण परिप्रेक्ष्य में एस एस आर पहल का एहसास: -

1. कचरे में होने वाले आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण पौधों की पहचान के लिए प्रयास किए जाने चाहिए। एक वैज्ञानिक सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देशी निवासों में द्वितीयक फसलों के रूप में वृक्षारोपण के लिए उनकी संभावनाओं का पता लगाने के लिए प्रदूषित दुर्गम भूमि।
2. पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट किए बिना पारिस्थितिक तंत्र के उपतंत्र के रूप में देशी फसलों के इष्टतम उपयोग और संवर्धन के लिए प्राकृतिक संसाधनों (जल, मिट्टी, हरित आवरण) के संरक्षण के माध्यम से हरित ऊर्जा की हरियाली में ग्रामीण समुदायों को रोजगार सृजन के माध्यम से सामुदायिक सशक्तिकरण के लिए आवश्यक जोर दिया जाना चाहिए।
3. औषधीय पौधों के लिए प्रजातियों को प्राथमिकता देने और शॉर्टलिस्ट करने के लिए सांस्कृतिक नृवंशविज्ञान शुरू किया जाता है।
4. दिए गए फाइटोजियोग्राफिकल क्षेत्रों में शैक्षणिक संस्थानों को स्थानीय समुदायों को शिक्षित करने के लिए सौंपा जा सकता है ताकि वे पर्यावरण वनस्पति विज्ञान, रासायनिक पारिस्थितिकी संयंत्र, कीट पशु बातचीत जीव विज्ञान के विज्ञान के माध्यम से उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर चुनिंदा प्रजातियों का संरक्षण कर सकें।
5. राष्ट्रीय वनस्पतियों के लिए आक्रामक प्रजातियों के आसन्न खतरे से निपटने के लिए एलियन पौधों को प्राकृतिक वनस्पतियों के संरक्षण से बचाने के लिए स्थानीय समुदायों को शिक्षित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता है।
6. नई किस्मों के विकास के साथ-साथ ग्रामीण भारत के लिए प्रासंगिक जैविक उर्वरकों, माइक्रोबियल उत्तेजक आदि पर आधारित नवीन सांस्कृतिक प्रथाओं के उपयोग द्वारा गैर पारंपरिक एग्रो टेक्नोलॉजीज के विकास के लिए आवश्यक अनुसंधान कार्यक्रमों को मजबूत किया जाना चाहिए।
7. विशिष्ट अध्ययन के लिए विशिष्ट जैव सक्रिय सिद्धांतों के गुण विशिष्ट जीन ऊतक और कोशिका विशिष्ट स्थानीयकरण एंडोफाइट की चिकित्सीय क्षमता ऊपयुक्त फॉर्मूलेशन के लिए फाइटोकेमिकल्स की खोज और ग्रामीण भारत में मेक इन इंडिया के तहत बेसिक अध्ययन किए जाने की आवश्यकता है।

सिफारिशे

कुलपतियों का निर्वाचिका सभा: -

1. ई-प्रशासन को उन सभी विश्वविद्यालय में अपनाया जाना चाहिए, जो कम-से-कम प्रशासन के लिए संभव हो सके।
2. विश्वविद्यालयों में नियुक्त किए जाने वाले कुलपति एक दूरदर्शी, संकाय के एक प्रेरक और विश्वविद्यालय के एक मुख्य कोषाध्यक्ष होने चाहिए।
3. विश्वविद्यालय में सभी स्तरों पर जवाबदेही की व्यवस्था लाने की आवश्यकता है।
4. विश्वविद्यालय में सर्वश्रेष्ठ संकाय की नियुक्ति की प्रणाली विकसित करना।

5. विश्वविद्यालय को उचित जवाबदेही के साथ अधिक स्वायत्तता का आनंद लेना चाहिए।
6. विश्वविद्यालयों को सभी छात्रों की भागीदारी के साथ सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए विस्तार गतिविधियों को अपनाना चाहिए इन गतिविधियों की भावना को भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा दिए गए सुझाव अवधारणा की आकांक्षाओं को पूरा करना चाहिए।
7. उच्चतर शिक्षा के लिए छात्रों को विज्ञान स्ट्रीम में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय निम्न स्तर पर माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर हस्तक्षेप करने के लिए कार्यक्रमों को अपना सकते हैं।
8. KSU अधिनियम में व्यापक संशोधन के लिए सुझाव देने के लिए सभी हितधारकों की भागीदारी के साथ FVCK द्वारा एक संगोष्ठी आयोजित की गई।

कृषि विज्ञान कांग्रेस

1. किसान विज्ञान कांग्रेस किसानों की सुविधा के लिए प्रत्येक भारतीय विज्ञान कांग्रेस कार्यक्रम में एक नियमित विशेषता होनी चाहिए - वैज्ञानिकों की बातचीत और किसानों के नवाचारों की मुख्यधारा।
2. ICAR किसानों के नवाचारों को पूरा करने और किसानों के अभिनव विचारों का प्रशिक्षण सत्यापन और अब केंद्रित करने के लिए वित्तीय सहायता का विचार विस्तार करने के लिए किसान नवाचार निधि के नाम पर एक कोष बना सकता है।
3. किसानों के नवाचारों की वैज्ञानिक मान्यता को नियमित आधार पर ICAR/SAV अनुसंधान प्रणाली द्वारा लिया जा सकता है।
4. ICAR और SAV द्वारा पहचाने जाने वाले और किसानों द्वारा अभ्यास किए जाने वाले एकीकृत कृषि प्रणाली मॉडल को संकट को कम करने और कृषि प्रणालियों के लिए स्थिरता को प्रेरित करने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।
5. कृषि और संबद्ध गतिविधियों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव एक वास्तविकता है जिसे समग्रता में समझने की आवश्यकता है और इसे एक बहु-विषयक दृष्टिकोण में संबोधित करना होगा।

महिला विज्ञान कांग्रेस

1. शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को पूरा करने के लिए/ उच्च ऊंचाई पर वन और जैव विविधता के संरक्षण के लिए पर्यावरणीय बुनियादी ढांचे का निर्माण।
2. मणिपुर की अप्रकाशित साइट्स विविधता की पहचान।
3. पौधों और पौधों के उत्पादों से बुटीक स्टाइल और नैनो विज्ञान शहतूत की खेती पर्यावरण सुरक्षित गार्ड
4. उपयोगकर्ता के अनुकूल अर्ध-स्वचालित बायोरिएक्टर टैस्टेड कल्चर के लिए पौधों को बढ़ाने के लिए
5. महिलाओं के अनुकूल पर्यावरण नीति
6. महिलाओं और पोषण - बेहतर महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए

अन्य गतिविधियाँ ISCA अन्यान्य शाखाएँ

एसोसिएशन ने 1962-63 से भारत में विभिन्न केंद्रों में लोकप्रिय विज्ञान व्याख्यान आयोजित करना शुरू किया। यह योजना वर्ष भर विज्ञान के लोकप्रियकरण और उन्नति के लिए रचनात्मक कार्यों की परिकल्पना करती है। 1985-86 तक ये व्याख्यान पूरे देश में फैले सत्रह केंद्रों में वितरित किए जाते थे। हालांकि, 1986-1987 से क्षेत्रीय अध्यायों के गठन के साथ इसका पुनर्गठन किया गया था। ISCA का एक प्रमुख उद्देश्य लोगों के बीच वैज्ञानिक स्वभाव को विकसित करना और युवा वैज्ञानिकों को इस दिशा में मौलिक, प्रयोगात्मक और परिचालन गतिविधियों से संबंधित कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना है। इन उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, ISCA ने भारत में अलग-अलग स्थानों पर 1986-87 से अध्याय शुरू किए। वर्तमान में सत्ताईस ISCA अध्याय इलाहाबाद, अमरावती, बैंगलोर, बड़ौदा, भोपाल, भुवनेश्वर, कोचीन, चेन्नई, कोयंबटूर, दिल्ली, धर्मनगर, हरिद्वार, हैदराबाद, इम्फाल, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, पटियाला, पटना, पांडिचेरी में हैं। रोहतक, सागर, शिलांग, शिमला, श्री नगर, तिरुपति

ISCA शाखाओं की संक्षिप्त रिपोर्ट (2019-20)

फोकल थीम: "विज्ञान और प्रौद्योगिकी: ग्रामीण विकास"

इलाहाबाद शाखा

संयोजक: प्रो. आई. आर. सिद्दीकी

28 फरवरी, 2019 को "इतिहास और महत्व" पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 22 अप्रैल 2019 को "हमारी प्रजातियों को बचाने" पर पृथ्वी दिवस 5 जून, 2019 के विश्व पर्यावरण दिवस पर "वायु प्रदूषण"। एस. एस. खन्ना गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, प्रयागराज के सहयोग से "रसायन विज्ञान में हालिया प्रगति और समाज पर इसके प्रभाव" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। एस. एस. खन्ना गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, प्रयागराज के बीच 26 - 27 वाँ 2019 इवेंट एस. एस. खन्ना गर्ल्स पी. जी. कॉलेज में एक ग्रामीण विकास पर विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी और वाद-विवाद का आयोजन 21 दिसंबर 2019 को MRS स्कूल और कॉलेज पटेल नगर झुंसी प्रयागराज में किया गया डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में 8 - 9 फरवरी, 2020 के दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी ग्रामीण विकास पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 8 - 9 फरवरी, 2020 को संगोष्ठी का उदघाटन DSMNR विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर आर. के. पी. सिंह द्वारा अध्यक्षता की गई। डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ, 8 - 9 वीं शताब्दी, 2020 के दौरान संगोष्ठी की उदघाटन की अध्यक्षता DSMR विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर आर. के. पी. सिंह द्वारा की गई थी। डॉक्टर(श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना ISCA के महाध्यक्ष (निर्वाचित) मुख्य अतिथि और डॉक्टर ए. के. सक्सेना ISCA के पूर्व महाध्यक्ष और प्रोफेसर एस. रामकृष्ण ISCA के महासचिव सम्माननीय अतिथि के रूप में संगोष्ठी की अध्यक्षता DSMR विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर आर. के. पी. सिंह द्वारा की गई थी।

अमरावती शाखा

संयोजक: डॉक्टर अतुल केशवराव बोदखे: -

27 और 28 नवंबर 2019 के दौरान "विज्ञान और प्रौद्योगिकी ग्रामीण विकास" पर शिवाजी साइंस कॉलेज के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के सहयोग से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि डॉक्टर श्रीमती विजयलक्ष्मी सक्सेना महाध्यक्ष (निर्वाचित) ISCA और अध्यक्षता श्री हर्षवर्धन देशमुख श्री शिवाजी शिक्षा समाज अमरावती के अध्यक्ष द्वारा किया गया। डॉ अशोक कुमार सक्सेना, कार्यकारी समिति के निर्वाचित सदस्य और पूर्व अध्यक्ष ISCA, डॉक्टर एम. के. चक्रवर्ती तत्काल पूर्व महाध्यक्ष, ISCA, डॉ अनूप कुमार जैन, महासचिव वैज्ञानिक कार्यकलाप, ISCA, डॉक्टर शिव सत्य

प्रकाश, कोषाध्यक्ष, ISCA, डॉ श्रीमती एन. चक्रवर्ती, कार्यकारी समिति, ISCA के निर्वाचित सदस्य, डॉ व्ही. पी. यूनियाल, वैज्ञानिक, भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून, श्री एन. थप्पड़, एडवांस, गजानन पुंडकर, श्री दिलीप ईंगोल और हेमंत कालमेघ, श्री शिवाजी शिक्षा समाज अमरावती से थे। डॉक्टर किशोर संथे, अध्यक्ष, सतपुड़ा फ़ाउंडेशन सम्मानीय अतिथि थे। डॉक्टर एस. डब्ल्यू. अन्वेन ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। कुंजी नोट का भाषण डॉक्टर सी. आर बाबू सेवा मुक्त सम्मानीय प्राध्यापक, दिल्ली विश्वविद्यालय थे। डॉक्टर जय शंकर पांडे, मुख्य वैज्ञानिक, और प्रधान मौसम परिवर्तन, डॉ हबीब बिलाल वैज्ञानिक, वन्यजीव भारतीय संस्थान देहरादून और डॉक्टर डॉक्टर लाल सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, NEERI, CSIR पूर्ण सत्र के वक्ता थे। कुल 31 अनुसंधान पेपर प्रस्तुत किए गए और 73 पोस्टर प्रदर्शित किए गए। कला वाणिज्य और विज्ञान कॉलेज ब्रॉडबैंड जिला के सहयोग से शाखा ने जलगाँव और सरकारी पशु चिकित्सा महाविद्यालय, मुंबई में एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया और साथ ही गणित और विमलबाई महाविद्यालय, अमरावती, विज्ञान और मानविकी के शासकीय विदर्भ संस्थान और फोकल थीम पर श्री शिवाजी कॉलेज अकोला के साथ लोकप्रिय वार्ता और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया।

बेंगलोर शाखा

संयोजक: प्रोफेसर गंगाधर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 17-18 अक्टूबर, 2019 को इंस्टिट्यूट ऑफ़ एक्सीलेंस और सेंटर फॉर मेटेरियल साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मैसूर विश्वविद्यालय और कर्नाटक साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसायटी के सहयोग से ग्रामीण विकास के लिए किया गया। भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महाध्यक्ष प्रोफेसर के. एस. रंगप्पा ने सम्मेलन का उदघाटन किया। उन्होंने दशकों से हमारे देश की कृषि को बढ़ावा देने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के योगदान पर बात करते हुए इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आए ISCA के महाध्यक्ष, (निर्वाचित) प्रोफेसर, विजय लक्ष्मी सक्सेना ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में सूचना प्रौद्योगिकी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ISCA के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर अशोक कुमार सक्सेना ने सम्मेलन की स्मारिका सार पुस्तक का विमोचन किया। इंडियन फिजिकल केमिस्ट और साइंस के इंडियन इंस्टिट्यूट में एमेरिटस प्रोफेसर के. जे. राव अपने मुख्य भाषण में उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग पर बात की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग ऊर्जा, जल, आवास, निर्माण, रोजगार सृजन, संचार प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, महिलाओं और स्वास्थ्य देखभाल, सुविधाओं के क्षेत्र में हुआ है। मैसूर विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रोफेसर हेमंत कुमार, कुलपति ने समारोह की अध्यक्षता की। अपने अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी ने कृषि, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे में प्रमुख भूमिका निभाई है। मैसूर के कॉलेज विकास परिषद विश्वविद्यालय के निदेशक प्रोफेसर श्रीकांत स्वामी ने सभी प्रतिभागियों और अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। सम्मेलन के विषय पर प्रोफेसर गंगाधर संयोजक ने ISCA, बेंगलुरु शाखा ने बात की। उदघाटन समारोह प्रौद्योगिकी सत्रों के बाद व्यवस्था की गई थी। मुंगेर विश्वविद्यालय, बिहार के प्रोफेसर आर.के. वर्मा, कुलपति, कोलकाता सिफरी के निदेशक प्रोफेसर बी. के. दास, गुलबर्गा विश्वविद्यालय से प्रोफेसर आर. एस. कुलकर्णी, आशुतोष मुखर्जी फ़ेलो, मैसूर विश्वविद्यालय से प्रोफेसर विश्वनाथ कुमवेन्दु, विश्वविद्यालय के प्रोफेसर भजयनाक, प्रोफेसर के. बायरणा, प्रोफेसर - चांसलर, आदि चंचन गिरी विश्वविद्यालय मांडय ने पूर्ण व्याख्यान दिया। कई वरिष्ठ वैज्ञानिकों/ कुलपतियों/ संसाधन व्यक्तियों ने तकनीकी सत्रों के अध्यक्षों और सह - अध्यक्षों के रूप में कार्य किया। दो दिनों के तकनीकी सत्रों में 66 मौखिक प्रस्तुतियों और 48 पोस्टर प्रस्तुत की व्यवस्था की गई थी। समापन समारोह में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतियों को पुरस्कार दिए गए। समापन समारोह 18 अक्टूबर, 2019 को शाम 4:30 बजे हुआ था। पूर्व कुलपति प्रोफेसर एन. एस. रामेगौड़ा, कर्नाटक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति ने ग्रामीण विकास में ग्राम - पंचायत, तालुक पंचायत, जिला परिषदों की भूमिका और एसएंडटी आवेदन पर बात की। मैसूर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर शिवप्पा, रजिस्ट्रार ने समारोह में अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रोफेसर के. एस. रंगप्पा, महासचिव, आईसीसीए ने बेहतरीन मौखिक प्रस्तुति व पोस्टर प्रस्तुतियों से पुरस्कार वितरित किए। प्रोफेसर गंगाधर,

संयोजक, ISCA, बैंगलोर शाखा ने दो दिवसीय नेशनल कांफ्रेंस की रिपोर्ट पेश की। मैसूर के कॉलेज विकास परिषद विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ श्रीकांत स्वामी ने धन्यवाद प्रस्ताव किया।

बड़ौदा शाखा

संयोजक: प्रो० (श्रीमती) जी. संध्या किरण

आमंत्रित भाषण, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया, मानव स्वास्थ्य पर एक दिवसीय संगोष्ठी, राष्ट्रीय संगोष्ठी और दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। स्वास्थ्य और खुश रहने के लिए अपनी जीवनशैली को संतुलित करने के लिए छात्रों में जागरूकता पैदा करने के लिए स्वास्थ्य और खुशी के लिए जीवन शैली प्रबंधन विषय के तहत आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग दिवस मनाया गया। कई छात्रों ने भाग लिया और विभिन्न आसन के व्यवहारिक प्रदर्शन से लाभान्वित हुए। "मानव स्वास्थ्य: समय की जरूरत" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विभिन्न क्षेत्रों से प्रसिद्ध वक्ताओं ने विभिन्न स्वास्थ्य विषयों पर अपनी बात की। बड़ौदा के ग्रामीण क्षेत्र स्थित कॉलेज में ग्रामीण विकास में विज्ञान और एवं प्रौद्योगिकी विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीण समुदाय के कई छात्र-छात्राओं को आमंत्रित वक्ताओं के ज्ञान से लाभान्वित किया गया। दो दिनों तक टेरीडोफाइट्स पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से कई वक्ताओं और छात्रों ने भाग लिया।

भुवनेश्वर शाखा

संयोजक: डॉ० काजल पराशर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: ग्रामीण विकास: 13 - 14 दिसंबर, 2019 को संयुक्त रूप से ISCA, भुवनेश्वर शाखा और KIIT विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित किया गया था। विशिष्ट सदस्यों और वैज्ञानिकों सहित प्रोफेसर विजय लक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष (निर्वाचित), ISCA; प्रोफेसर एस. रामकृष्ण, महासचिव (सदस्यता कार्य), ISCA; डॉ० बी. के. दास, निदेशक, ICAR - केंद्रीय अंतर्देशीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान; प्रोफेसर पी. पी. माथुर, पूर्व महासचिव (वैज्ञानिक कार्यकलाप), ISCA; ISCA के पूर्व महाध्यक्षों डॉ० एम. के. चक्रवर्ती और प्रोफेसर ए. के. सक्सेना, डॉ० अनूप कुमार जैन, महासचिव (वैज्ञानिक कार्यकलाप), ISCA; डॉ० शिव सत्य प्रकाश, कोषाध्यक्ष, ISCA; नवप्रवर्तनकर्ता मिहिर कुमार पांडा और प्रोफेसर जे. आर. मोहान्ती, रजिस्ट्रार, KIIT - DU ने विषय के विभिन्न पहलुओं पर अपने सावधानीपूर्वक और विश्लेषणात्मक विचार रखे।

चेन्नई शाखा

संयोजक: प्रो० सी. मुथामिज़चेलवन

"एकीकृत सेंसर" पर एक दिवसीय विशेष भाषण का आयोजन किया, SRMIST, कट्टुकुलाथुर, चेन्नई; बायोमेडिकल, पर्यावरण और कृषि प्रौद्योगिकियों में जैव प्रौद्योगिकी अग्रिम, पर राष्ट्रीय सम्मेलन, बीट 2K19, हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, चेन्नई; महिला सशक्तिकरण पर कार्यशाला, SRMIS, रामापुरम, चेन्नई, अंदर से अंतर्दृष्टि दावेदार मीडिया की एक्स-रे टोमोग्राफी - SRMIST, कट्टुकुलाथुर, पर्यावरण और खाद्य स्थिरता, जी.एन. कॉलेज, चेन्नई पर राष्ट्रीय सम्मेलन; गैर - रैखिक ऑप्टिकल क्रिस्टल पर विकास और लक्षण वर्णन अध्ययन पर कार्यशाला - सी. के. नायडू कॉलेज, चेन्नई; ड्रग्स के खिलाफ युद्ध क्लास रूम में जीता जाना चाहिए कोर्ट रूम में नहीं - SRMIST, कट्टुकुलाथुर, चेन्नई; उत्तर चेन्नई और तिरुवल्लूर, जिला - अंबेडकर कॉलेज, चेन्नई के माध्यमिक और उच्च माध्यमिक छात्रों के लिए एक अंतर-स्कूल जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी, भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का विकास (ESTI) - SRMIST, कट्टुकुलाथुर, विज्ञान संचारकों की बैठक की खोज (SCM - 2019), SRMIST, चेन्नई। नैनो में हाल ही में प्रगति सतत विकास के लिए सामग्री, रसायन

विज्ञान, मद्रास, क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई; "जीवन जीने" पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला - एसआरएम शिक्षा और अनुसंधान, कट्टुकुलाथुर, चेन्नई; संक्रामक रोग और चिकित्सा विकास पर राष्ट्रीय स्तर पर संगोष्ठी; सैयद अम्मल कॉलेज, चेन्नई; जैविक विज्ञान में हाल के रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन - ASAN कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड साइंस, चेन्नई; जैविक विज्ञान में हाल के रुझान, अमेरिका कॉलेज, मदुरै; राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, SRMIST, वडापालानी, चेन्नई में आयोजित किया गया।

कोचीन शाखा

संयोजक: प्रो० डॉ० के. व्ही. जयचंद्रन

श्री नारायण कॉलेज 22-24 जनवरी, 2020 को कोल्लान में, "ग्रामीण विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी: वर्तमान स्थिति और जैव विविधता के संरक्षण और स्थाई उपयोग के लिए चुनौतियाँ" के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। श्री एन.के. प्रेमचंद्रन, एम.पी सम्मेलन का उद्घाटन किए। प्रोफेसर डॉक्टर मार्क डेविड अब्राहमस, यूएसए, प्रोफेसर डॉ प्रकाशम, इथियोपिया, प्रोफेसर डॉक्टर कार्थीरिजन, भारत प्रमुख व्यक्ति थे और 18 अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने प्रमुख नोट प्रस्तुति दी। एक दिन राष्ट्रीय सम्मेलन जोसेफ कॉलेज, मूलमट्टम, इडुक्की, 10 फरवरी, 2020 को "विज्ञान और प्रौद्योगिकी - ग्रामीण विकास - ग्रामीण विकास के लिए शैक्षणिक संस्थानों की भागीदारी पर आयोजित किया गया था। सम्मेलन में पांच प्रमुख नोट प्रस्तुतियाँ और 25 कागजात प्रस्तुत किए गए। अलपुजहा जिले के बीज कार्यालय मररीककुलम में दो प्रीति गोष्ठियों का आयोजन किया। डॉक्टर एन.के. शशिधरण, रिटायर्ड प्राध्यापक और डॉक्टर के. वी. जयचंद्रन सेंट आगस्टीन के पैरिश हॉल में कक्षाएं दी और 25 किसानों के लिए पौधा वितरित किए और डॉक्टर एन. के. शशिधरण, डॉक्टर के. वी. जयचंद्रन और श्रीमती अश्वनी विश्वनाथन ने 50 किसानों को पौधा भी वितरित किए। उकपाही कार्यक्रम में दिव्यांग लोगों के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें 35 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया गया; राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के पूर्व उपाध्यक्ष डॉक्टर ई. पी. यशोधरन ने श्री नारायण कॉलेज, चेरथला में आधुनिक अनुसंधान में ट्रांसडिसिप्लिन दृष्टिकोण पर बात की। डॉ. सैयद, प्रयोगशाला सुरक्षा प्रोटोकॉल पर एक भाषण दिए, परिसर में एक तालाब का जीर्णोद्धार किया और सेंट अगस्टीन स्कूल का सब्जी उद्यान की स्थापना की और जैविक तरीकों से संरक्षण वाटर्स पर जागरूकता कार्यक्रम बनाया। 20 लोगों को योग कक्षाएं कराई गईं। श्री मनोहरन, योगाचार्य ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया। अलपुजहा जिले के मररीककुलम में स्थानीय लोगों को कोविड-19 पर जागरूकता कक्षाएं आयोजित की और मास्क और सैनिटाइजर वितरित किए।

कोयम्बटूर शाखा

संयोजक: डॉ० सी. ए. वासुकि

ग्रामीण विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के महत्व के बारे में जागरूकता बनाने के लिए, हाल के तकनीकी नवाचारों को जानने के लिए और किसानों, सार्वजनिक और स्कूल और कॉलेजों के छात्रों जैसे लोगों के विभिन्न समूह को प्रशिक्षण देने के लिए इस बात इस वर्ष के दौरान 23 कार्यक्रम आयोजित किए गए। आयोजित किए गए कार्यक्रमों में 2 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 5 कार्यशाला, 5 सेमिनार, 5 जागरूकता कार्यक्रम, 1 हाथ प्रशिक्षण और 5 विशेष कार्यक्रम शामिल हैं, जो अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह, विज्ञान दिवस समारोह, विश्व आर्द्रभूमि दिवस उत्सव, विश्व जल दिवस उत्सव और विश्व वन दिवस समारोह। कुल मिलाकर 2500 से अधिक सदस्यों ने कार्यक्रमों में भाग लिया और लाभान्वित हुए।

धर्म नगर शाखा

संयोजक: डॉक्टर मानिक भट्टाचार्य

"स्वास्थ्य और पोषण पर ग्रामीण महिलाओं की स्वच्छता" और कृषि विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका पर कार्यशाला का आयोजन किया, संगोष्ठी रसायन विज्ञान विभाग, जीडीसी, धर्मनगर, त्रिपुरा रासायनिक समाज, "फिटनेस प्रौद्योगिकी के विकास पर कार्यशाला" के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया गया - त्रिपुरा के खगोलीय समाज के सहयोग से आयोजित त्रिपुरा में "सूर्य-ग्रहण और चंद्र-ग्रहण अवलोकन शिविर" पर जीडीसी, धर्मनगर में कार्यशाला, मानव जाति के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण और विज्ञान आधारित खेल है। प्रश्नोत्तरी, भाषण और नाटक प्रतियोगिता CTE कुमारधर उनोकोटी और अमरपुर हाई स्कूल, गोमोती, त्रिपुरा में आयोजित किए गए: "विज्ञान और प्रौद्योगिकी: ग्रामीण विकास" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, संयुक्त रूप से जीडीसी, धर्मनगर और RKM, कशाशहर के साथ आयोजित की जाती है। एमबीबी कॉलेज, अगरतला, त्रिपुरा में विज्ञान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित की गई।

हरिद्वार शाखा

संयोजक: श्री संजीव कुमार लाम्भा

मानव चेतना और योग विभाग के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और योग का त्यौहार मनाया जाता है, 21 जून, 2019 को गुरुकुला कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, शहर के विभिन्न हिस्सों से विभिन्न आयु वर्ग के 370 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। विज्ञान संचारकों का चयन उम्मीदवारों का चयन किया गया था और उनके नामों को ISCA मुख्यालय भेज दिया गया था। वर्ष 2015 में गोद लिए गए गाँव में शौचालाय, बाथरूम और अन्य कार्यों का ध्यान रखा गया। विभाग में स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों के लिए एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रायोगिक रसायन विज्ञान पर आधारित एक कार्यक्रम "गुरुकुला कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार में रंगीन रसायन विज्ञान" विषय के साथ आयोजित आयोजित किया गया था रसायन विज्ञान विभाग में स्नातकोत्तर के छात्रों के लिए एक पेपर पोस्टर प्रस्तुति का आयोजन किया गया था। दो दिनों का राष्ट्रीय संगोष्ठी 15-16 फरवरी, 2020 को रसायन विज्ञान विभाग और भौतिकी विभाग, गुरुकुला कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार में विषय "विज्ञान और प्रौद्योगिकी: ग्रामीण विकास" राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर, ग्रामीण विकास, विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन 28 फरवरी, 2020 को किया गया था। इस वर्ष के दौरान विज्ञान के कारण के प्रसार के लिए सम्मेलन में दिए गए लोगों के अलावा कुल 08 आमंत्रित वैज्ञानिक वार्ता आयोजित की गई।

जयपुर शाखा

संयोजक: डॉ॰ (श्रीमती) पायल लोधा

पृथ्वी दिवस, राष्ट्रीय शिक्षा दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस, छात्र दिवस, महिला दिवस, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस और योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। "विज्ञान और प्रौद्योगिकी ग्रामीण विकास की भूमिका" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 11वीं - 12वीं नवंबर, 2019 से राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में जलवायु परिवर्तन: जैव विविधता और वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा पर प्रभाव" पर राष्ट्रीय सम्मेलन 20 - 22 दिसंबर, 2019 तक राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी, मौखिक प्रस्तुति, पोस्टर प्रस्तुति का आयोजन भी किया गया। विज्ञान जागरूकता मुद्दों पर इंटरैक्टिव सत्र, भारत और दुनिया में स्कूली विज्ञान से संबंधित करंट अफेयर्स और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, प्रोग्रामिंग, प्रदूषण, पर्यावरण से संबंधित व्याख्यान और सरकारी स्कूलों में, विभिन्न स्कूलों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों सहित विज्ञान संबंधी कार्यक्रम का आयोजन किया।

जम्मू शाखा

संयोजक: प्रोफेसर जनक सिंह तारा

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था (ISCA) के तत्वावधान में, जम्मू शाखा द्वारा सरकारी डिग्री कॉलेज, सांबा में ग्रामीण विकास के साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सेमिनार के उद्घाटन सत्र में राज्य और भारत के अन्य हिस्सों के वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, शिक्षकों, छात्रों के एक विशाल समूह ने भाग लिया। प्रोफेसर ए. के. सक्सेना, पूर्व महाध्यक्ष और सदस्य कार्यकारी समिति, ISCA और सर आशुतोष मुखर्जी फ़ेलोशिप, ISCA की प्राप्तकर्ता इस उद्घाटन के दौरान मुख्य अतिथि थे, जबकि डॉक्टर मनोज चक्रवर्ती, (पूर्व महाध्यक्ष, ISCA) सम्माननीय अतिथि थे। प्रोफेसर विजय लक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष (निर्वाचित), ISCA, 2020 ने समारोह की अध्यक्षता की। इसके अलावा, डॉक्टर मनोज के. चक्रवर्ती (पिछले महाध्यक्ष, ISCA) और डॉक्टर निवेदिता चक्रवर्ती, परिषद के निर्वाचित सदस्य, ISCA ने भी इस अवसर पर आभार व्यक्त किया। प्रोफेसर एच. एस. सेहगल, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना मुख्य रूप से वक्ता थे।

दीप प्रज्वलित करने के बाद माँ सरस्वती से प्रार्थना की गई जिससे GDC, सांबा के छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया। डॉ. जी. से. रकवाल, संगोष्ठी के प्रमुख और मुख्य संरक्षक ने स्वागत भाषण दिया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर ए. के. सक्सेना ने टिप्पणी की कि यह "गौरवशाली सम्मेलन" क्षेत्र के वैज्ञानिक समुदाय पर छाप छोड़ेगा और जनता के बीच वैज्ञानिक कार्यों के वर्षों में प्राप्त ज्ञान को प्रसारित करने में मदद करेगा, जो कि ISCA की वैज्ञानिक नीतियों को रेखांकित करते हुए, उन्होंने ISCA द्वारा प्रदान किए गए विभिन्न पुरस्कारों, सम्मानों और फ़ेलोशिप के बारे में विस्तार से बताया, जिनके वैज्ञानिक नवाचारों द्वारा समाज में योगदान करने का इरादा है। डॉक्टर मनोज चक्रवर्ती ने कहा कि इस तरह की घटनाएँ शोधकर्ताओं, शिक्षकों और छात्रों को इस बात पर विचार विमर्श करने के लिए एक सामान्य मंच प्रदान करती है कि कैसे विज्ञान उन लोगों के लिए उपयोग में लाया जा सकता है जो लंबे समय तक नज़रअंदाज़ किए जाते हैं और अपनी भौगोलिक विशेषता के कारण अप्रकाशित रहते हैं। प्रोफेसर विजय लक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष (निर्वाचित), ISCA ने कृषि, चिकित्सा देखभाल, पोषण और शिक्षा में ग्रामीण भारत की समस्याओं को सुलझाने में वैज्ञानिक समुदाय की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया और कहा कि यह संगोष्ठी लोगों के लिए एक स्वास्थ्य मंच प्रदान करेगी। ग्रामीण भारत में वैज्ञानिक उन्नति के फल को फैलाने के दृष्टिकोण को कैसे पूरा किया जा सकता है, इस पर चर्चा करने और चर्चा करने के लिए विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों को पूरा किया जा सकता है। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रणविजय सिंह, सेमिनार के संयोजक और जम्मू शाखा के ISCA के कोषाध्यक्ष द्वारा दिया गया था।

कानपुर शाखा

संयोजक: डॉ. अशोक कुमार सक्सेना

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2019 को जहां इंटर कॉलेज के शिक्षक, ISCA के 347 सदस्यों ने ग्रीन पार्क स्टेडियम में योग करके मनाया गया। सेठ आनंद राम जयपुरिया स्कूल के सीनियर असेंबली हॉल में कक्षा छठी के लिए भौतिकी कार्यशाला का आयोजन "ध्वनि" विषय पर किया गया। "सेंसर पर चुनौती" पर आयोजित कार्यशाला जहाँ छावनी क्षेत्र के पांच अलग-अलग स्कूलों के 60 छात्रों ने भाग लिया और 3 छात्रों को सेंसर के आधार पर उनके सर्वश्रेष्ठ समाधान के लिए सम्मानित किया गया। भाषण नवदीप श्रीधर शुरू की थी। स्टार्टअप इंडिया योजना के तहत स्टार्टअप फैसिलिटेटर और उद्योगों के निदेशालय में अतिथि वक्ता/सलाहकार यू.पी. इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरी ऑफ इंडिया, कानपुर शाखा - आईआईटी खड़गपुर - एंटरप्रेन्योरशिप सेल, युवा इनोवेटर्स की जरूरत पर इंटर-स्कूल निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। हिंदी सप्ताह समारोह डॉक्टर सुजाता वर्मा की स्मृति में डिग्री कॉलेज, कानपुर में आयोजित किया गया। समारोह का उद्घाटन सीएसजेएम विश्वविद्यालय,

कानपुर के कुलपति द्वारा किया गया। समारोह में कुल 451 छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया। दो विज्ञान संचारक को का चयन, इस चयन प्रक्रिया में कई अनुसंधान विद्वानों और कॉलेजों के शिक्षकों ने भाग लिया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर 3 से 4 दिसंबर, 2019 राष्ट्रीय सम्मेलन: सीएसजेएम विश्वविद्यालयः, कानपुर प्राणि विज्ञान विभाग, डीएवी कॉलेज, कानपुर के सहयोग से ग्रामीण विकास का आयोजन किया गया। पुरस्कार वितरण डी.जी.(पी. जी.) कॉलेज कानपुर के सेमिनार हॉल में आयोजित किया गया था। कंप्यूटर के माध्यम से जीव विज्ञान में कौशल विकास पर कार्यशाला किया गया। कार्यशाला में विभिन्न इंटर कॉलेजों के छात्र शामिल हुए। कार्यशाला में कुल 35 छात्रों ने भाग लिया। 28 फरवरी, 2019 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया, जिसमें 21 कॉलेजों के छात्रों ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के साथ विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर बात की।

कोलकाता शाखा

संयोजक: तुषारकान्ति घोष

भारत के ग्रामीण विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के महत्व पर विचार करते हुए फोकल थीम पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 20-21, 2020 को सुरेंद्रनाथ कॉलेज में आयोजित किया गया था। डॉक्टर विजय लक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष, निर्वाचित, ISCA, डॉ एस. रामकृष्ण, महासचिव सदस्यता कार्य, ISCA, और डॉ एम.के. चक्रवर्ती पूर्व महाध्यक्ष, ISCA ने उदघाटन समारोह में व्याख्यान दिया। ISCA के पूर्व महाध्यक्ष, डॉ ए.के. सक्सेना ने सेमिनार के सार की पुस्तिका का विमोचन किया। इस सम्मेलन में लगभग 200 वैज्ञानिक पत्र, नौ विभिन्न वर्गों में प्रस्तुत किए गए। योग और कल्याण के त्यौहार के उत्सव के अलावा और IISF, 2019 के आउटरीय कार्यक्रम के बारे में "वैज्ञानिक सेमिनार, विज्ञान प्रदर्शनी, प्रश्नोत्तरिय प्रतियोगिता और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजित किए गए।

पटना शाखा

संयोजक: डॉ. ज्योतिर्मयी रंजना

रसायन विज्ञान के स्नातकोत्तर विभाग, भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर में "अभिनव अनुसंधान और रासायनिक शिक्षा में आवर्त सारणी की निर्भरता" विषय पर 14 सितंबर, 2019 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रोफेसर डी.सी. मुखर्जी, अध्यक्ष, भारतीय रासायनिक समाज, कोलकाता मुख्य अतिथि थे। डॉक्टर शिव सत्य प्रकाश, भारतीय कृषि समाज के उपाध्यक्ष और ISCA के कोषाध्यक्ष के रूप में उन्होंने अतिथियों को अपना परिचय दिया। प्रोफेसर आर. व्हाई प्रसाद, प्रोफेसर वाइसचांसलर समारोह की अध्यक्षता किए। डॉ ए. झा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। पांच आमंत्रित व्याख्यान और 30 पत्र प्रस्तुत किए गए हैं। एक स्मारिका सह सार भी प्रकाशित किया गया है। "विश्व आर्द्रभूमि दिवस", "पर्यावरण विज्ञान और प्रबंधन" विभाग में 3 फरवरी, 2020 को पटना विश्वविद्यालय, पटना में मनाया गया। डॉली सिन्हा, प्रोफेसर, वाइसचांसलर, मुख्य अतिथि थे। "वेटलैंड जैव विविधता मामलों" पर प्रकाश डाला गया। डॉक्टर जे. रंजना, संयोजक ने जल जीवन और हरियाली पर एक भाषण दिया। डॉक्टर एस. एस. प्रकाश, ISCA के कोषाध्यक्ष ने भी भाषण दिया। डॉ डी. के पॉल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन स्नातकोत्तर रसायन विज्ञान विभाग के शाखा द्वारा टी. एम. भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर में 28 फरवरी, 2020 को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के साथ किया गया था।

पांडिचेरी शाखा

संयोजक: श्री एम. सुंदरा मोहन

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था (ISCA), पांडिचेरी शाखा, पांडिचेरी यूनिवर्सिटी(PU), बायोइनफॉर्मेटिक्स एंड पांडिचेरी साइंस फोरम(PSF) के लिए केंद्र ने 28 फरवरी, 2020 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। पिल्लईचेवडी, पुदुचेरी में अलग-अलग विकलांग बच्चों के लिए आनंदा रांगपिल्लई सरकारी विशेष स्कूल के 35 स्कूलों के 300 छात्रों और 75

शिक्षकों और सत्था विशेष स्कूल के 75 छात्रों ने भाग लिया। श्री एम. सुंदरा मोहन, संयोजक, पांडिचेरी शाखा ने सभा का स्वागत किया। श्री एम. रवि चन्द्राणे, महासचिव, पांडिचेरी विज्ञान मंच ने स्वागत भाषण दिया। प्रोफेसर ए. दिनकर राव, केंद्र प्रमुख, जैव सूचना विज्ञान केंद्र, पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने उद्घाटन भाषण दिया। डॉक्टर वी. अमौदा, कोषाध्यक्ष, ISCA, पांडिचेरी शाखा ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। श्री अखिराजन, प्रोग्राम डायरेक्टर, प्रशिक्षण चैरिटेबल ट्रस्ट, चेन्नई ने "वास्तविक जीवन में विज्ञान" पर मुख्य भाषण दिया। यह एक नजरिया रहा है - छात्र समुदाय को विज्ञान के प्रति अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए मौज-मस्ती के लिए प्रश्नोत्तरी, विज्ञान, स्किट और विज्ञान उत्सव का मुख्य आकर्षण विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों के काम की गुणवत्ता परिलक्षित होता है। प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम और विज्ञान स्किट एक साथ आयोजित किए गए। मौज-मस्ती के लिए विज्ञान-मौके पर प्रत्येक व्यक्ति को अलग-अलग विषय बनाकर योग पूरा करने का आयोजन किया गया। प्रत्येक प्रतियोगिता का प्रबंधन और संचालन न्यायाधीशों द्वारा किया जाता था। प्रोफेसर राजीव जैन, संस्कृति और सांस्कृतिक संबंधों के निदेशक ने पुरस्कार वितरित किए। डॉ. वी. अमौदा, कोषाध्यक्ष, ISCA, पांडिचेरी शाखा ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

रोहतक शाखा

संयोजक: प्रो. एस. पी. खटकर

एम. डी. विश्वविद्यालय, रोहतक, 4 और 5 मार्च, 2020 को रसायन विज्ञान विभाग के साथ मिलकर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "विज्ञान और प्रौद्योगिकी: ग्रामीण विकास" का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन डॉक्टर विजय लक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष निर्वाचित, ISCA और भारत के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ विदेशों से विभिन्न क्षेत्रों से 500 से अधिक प्रतिभागी ने भाग लिया। डॉ. अशोक सक्सेना, पूर्व महाध्यक्ष, ISCA और प्रोफेसर एस. पी. सिंह और प्रोफेसर एच. पी. तिवारी पूर्व महासचिव और प्रोफेसर के. एस. धिन्डसा ने सम्मेलन को सम्मानित मेहमान के रूप में शामिल किए। इस विज्ञान प्रदर्शनकारियों और विज्ञान जागरूकता कार्यक्रमों और विज्ञान दिवस समारोह के और स्कूल/कॉलेज/ रसायन विज्ञान विभाग, एम. डी. विश्वविद्यालय रोहतक में जनवरी से मार्च, 2020 तक आयोजित किए गए।

सागर शाखा

संयोजक: डॉ. (श्रीमती) कल्पना जैन

बी. टी. इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेंस, 21 जून, 2019 को विश्व योग दिवस मनाया। 150 से अधिक छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया। दवा विज्ञान विभाग में "विज्ञान और प्रौद्योगिकी: ग्रामीण विकास:" पर लिटिल एंजेल स्कूल, कैटनमेन्ट, सागर, राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्वच्छ भारत अभियान का आयोजन। डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर से 15-16 नवंबर, 2019 जहाँ 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। डी.पी.एस. स्कूल सागर, चित्र-कला कार्यशाला और फोकल थीम "विज्ञान और प्रौद्योगिकी: ग्रामीण विकास:" के सहयोग से "रंग के साथी" पर आयोजित मॉडल और पोस्टर प्रतियोगिता मॉडल और पोस्टर प्रतियोगिता रवींद्र भवन, सागर के सहयोग से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी, 2020 को बी.टी. इंस्टीट्यूट ऑफ़ एक्सीलेंस, सागर, एम.पी. में आयोजित की गई।

शिलांग शाखा

संयोजक: डॉ. देवेश वालिया

5 जून, 2019 को विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन; 21 जून 2019 को विश्व योग दिवस का आयोजन किया गया। ब्रह्मपुत्र नदी के विवर्तनिक भू-आकृति विज्ञान पर ISCA व्याख्यान श्रृंखला और डॉक्टर बासब एन. महान्ता द्वारा सक्रिय गलती की पहचान और मानचित्रण में भू-आकृति विज्ञान के अनुप्रयोग, सुप्रीत भू-विज्ञान और श्री बी. आर. साइनागी, वरिष्ठ वैज्ञानिक भारत का भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा किया गया। शिलांग शाखा के साथ संयुक्त रूप से 4वें उत्तर-पूर्व हरित शिखर 2019 (नेगस 2019) ISCA पर 1-3 नवंबर, 2019 को आईआईटी गुवाहाटी में आयोजन किया गया। कर्मियों फ़ाउंडेशन इन कोलाबोरेशन और इनक्यूबेशन सेंटर, नेहु में कर्मियों के फ़ाउंडेशन के साथ आयोजित उधमित टिकरिंग कार्यक्रम किया गया। भूकंप के खतरों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, धारणा, शमन और प्रबंधन 6-8 फरवरी, 2020 पर आयोजित किया गया था, जिसमें PWMI, गुवाहाटी और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित किया गया।

शिमला शाखा

संयोजक: डॉ. (श्रीमती) नीरज शर्मा

22 मई 2019 को “भविष्य भारत: विज्ञान और प्रौद्योगिकी” पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन एच.पी विश्वविद्यालय, शिमला जिसमें लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। अध्यक्षीय भाषण प्रोफेसर सिकंदर कुमार, माननीय कुलपति, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा दिया गया था। ISCA के महाध्यक्ष प्रोफेसर रंगप्पा ने प्रमुख भाषण दिए। प्रोफेसर गंगाधर, पूर्व महासचिव, सदस्यता कार्य, डॉ शिव सत्य प्रकाश, कोषाध्यक्ष, ISCA और प्रोफेसर अरविंद कालिया, अध्यक्ष डीन, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला ने संगोष्ठी की अध्यक्षता की। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2019 को मनाया गया जिसमें लगभग 100 व्यक्तियों ने भाग लिया। ऐतिहासिक "गैईटी थिएटर" शिमला में 11-09-2020 को सार्वभौमिक भाईचारा दिवस मनाया गया। पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण आदि विषयों पर एक दिवसीय उद्घोषणा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें शिमला के 35 विभिन्न स्कूलों के लगभग 50 छात्रों ने भाग लिया। श्री सुरेश भारद्वाज जी, माननीय शिक्षा मंत्री हिमाचल प्रदेश सरकार मुख्य अतिथि थे। एच.पी यूनिवर्सिटी, शिमला में युवाओं के लिए "युवा भारत अपने आप को जानना" पर एक दिन का सेमिनार आयोजन किया गया। प्रोफेसर सिकंदर कुमार, माननीय कुलपति, एच.पी विश्वविद्यालय, शिमला के मुख्य अतिथि थे। जबकि श्री मानस भट्टाचार्जी, महासचिव, विवेकानंद अंतरराष्ट्रीय फ़ाउंडेशन, दिल्ली प्रमुख वक्ता थे। ISCA का प्रतिनिधि करने के लिए दो विज्ञान संचालकों का चयन किया गया था। एक दिन का राष्ट्रीय सेमिनार 30-03-2020 के लिए निर्धारित किया गया था, लेकिन दुर्भाग्य से कोविड-19 के कारण स्थगित कर दिया गया। कोविड-19 अवधि के दौरान, ISCA - शिमला शाखा ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के भीतर मास्क, हैंड सैनिटाइजर और दस्ताने विश्वविद्यालय परिसर और कुछ सरकारी शिमला स्कूल में अन्य शैक्षणिक संस्थान में वितरित किए।

तिरुपति शाखा

संयोजक: डॉ० के. पूर्णचंद्र राव

विश्व स्वास्थ्य दिवस, विश्व पृथ्वी दिवस, विश्व नर्स दिवस, जैव विविधता के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, विभिन्न स्थानों और संस्थानों से छात्रों, शिक्षकों और समुदायों को आमंत्रित करके बैठक आयोजित की गई। विज्ञान संचार संगोष्ठी आयोजित की गई थी। राष्ट्रीय प्राकृतिक संस्थानों के विकास और भविष्य की पीढ़ियों के लिए संरक्षण पर व्याख्यान की व्यवस्था की। पर्यावरण, ऊर्जा, प्रदूषण और जैव विविधता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए स्थानीय समुदायों के साथ कॉलेज के छात्रों के लिए क्षेत्र का दौरा किया गया। बाल दिवस के अवसर पर चित्तूर जिले के विभिन्न स्कूलों के स्कूली बच्चों के साथ एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के माध्यम से सकारात्मक, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए प्राकृतिक चिकित्सा दिवस का आयोजन किया गया था। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन चित्तूर जिले के जिला परिषद उच्च विद्यालय की महिला शिक्षकों के साथ किया गया था। जिन्होंने विज्ञान के प्रयोग और छात्रों को प्रेरित करने के लिए अपनी चुनौतियों का वर्णन किया था।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था में हिन्दी सप्ताह समारोह का आयोजन

हिन्दी सप्ताह समारोह का अवलोकन

13 से 20 सितंबर, 2019 तक हिन्दी सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। हिन्दी कार्यशाला और अलग-अलग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस सत्र द्वारा केंद्रीय अंतर्देशीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान(CIFRI), बैरकपुर के साथ 13 सितंबर, 2019 को हिन्दी सप्ताह का उद्घाटन किया गया था।

उद्घाटन कार्यक्रम की शुरुआत ICAR गीत से की गई। स्वागत भाषण CIFRI के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी राजीव लाल ने दिया। उसके बाद दीपक की रोशनी की गई। डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, पूर्व महाध्यक्ष, ISCA, ISCA के पूर्व महाध्यक्ष डॉक्टर मनोज कुमार चक्रवर्ती, ISCA के महाध्यक्ष (निर्वाचित), डॉ. (श्रीमती) विजयलक्ष्मी सक्सेना, ISCA के महासचिव (सदस्यता मामले), डॉ. एस. रामकृष्ण पूर्व कोषाध्यक्ष, ISCA के प्रोफेसर रंजीत कुमार वर्मा, ISCA के कोषाध्यक्ष प्रोफेसर शिव सत्य प्रकाश, CIFRI के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. बंकिम झा और CIFRI के निदेशक डॉ. बसंत कुमार दास ने उद्घाटन के दौरान भाषण दिया। इस अवसर पर ISCA के कार्यकारी सचिव डॉ. अमित कृष्णा और प्रमुख वैज्ञानिक एवं नियंत्रक अधिकारी डॉ. श्रीकांत सामंत को सम्मानित किया गया। हिन्दी प्रकोष्ठ ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

प्रकाशनों

द्वि वार्षिक जर्नल “एवरीमैन्स साइंस” (वॉल्यूम LIII नं 1-6) को तैयार किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकाशन थे। आई. एस. सी. ए डायरेक्टरी 2019-20 वार्षिक प्रतिवेदन 2018-19 सिनोप्सिस ऑफ द प्रजेन्टेशन ऑफ आई. एस. सी. ए यंग साइंटिस्ट एवार्ड्स फॉर 107 वाँ आई. एस. सी. अब्सट्रैक्ट्स ऑफ बेस्ट फेस्टर अवार्ड प्रोग्राम फॉर 107 वाँ ISC एंड प्रोसिडिंग्स (कन्टेनिंग प्रेसिडेन्सियाल एड्रेस, एब्सट्रैक्ट्स ऑफ प्लैटिनम जुबली लेक्चर, एवार्ड्स लेक्चर, पेपर्स प्रेजेन्टेड और विभिन्न अनुभागों के आमंत्रित व्याख्यान श्रृंखला।

अन्य विषयक्रम

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था की बैठकें

वर्ष 2019-20 में विभिन्न निकायों के निम्नलिखित बैठकें आयोजित की गईं।

निकायों के नाम

आयोजित बैठकों की अवधि

कार्यकारिणी समिति

मई 2, 2019, अक्तूबर 15, 2019 जनवरी 02, 2020
(जनवरी 07, 2020 तक स्थगित किया गया)

परिषद

मई 03, 2019 और अक्तूबर 16, 2019 और जनवरी 02, 2020 (जनवरी 07, 2020 तक स्थगित किया गया)

वित्त एवं स्थापन समिति

मई 02, 2019 और अक्तूबर 15, 2019 जनवरी 02, 2020

सलाहकार समिति

मई 02, 2019 और अक्तूबर 14, 2019 जनवरी 01, 2020

उपर्यक्त विषयों के अतिरिक्त, दो बैठकें महाध्यक्ष का 107वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस के अनुभागीय अध्यक्षों के साथ मई 03, 2019 और अक्तूबर 16, 2019 को आयोजित की गई। इसके साथ ही, भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के शाखाओं के सभी सदस्यों को संचालकों के साथ अक्तूबर 15, 2019 को बैठक आयोजित की गई। और शाखाओं के संचालकों के साथ 02 जनवरी, 2020 को किया गया।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था का 2019 -20 के दौरान अन्य संगठनों में प्रतिनिधित्व भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली: -

प्रो० आर. रामामूर्ति, महाध्यक्ष (2007-08), ISCA, अध्यक्ष, RFSD - RCE, तिरुपति; INSA मानद वैज्ञानिक, पूर्व कुलपति, श्री वेंकेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति; (धर्माधिकारी, श्री श्रृंगेरी शंकर मठ), निवास: ए - 9, बैकुंठपुरम, एम. आर. पल्ली, तिरुपति - 517 502

चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के स्नातकोत्तर संस्थान, चंडीगढ़:

प्रो० के.एस.रंगप्पा, महाध्यक्ष (2019-2020), यूजीसी-बीएसआर संकाय फैलो, मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार, सिनोटार फार्मास्यूटिकल्स कोम लिमिटेड, चीन, पूर्व कुलपति, मैसूर विश्वविद्यालय और कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, मैसूर, विशिष्ट प्रोफेसर, मैसूर विश्वविद्यालय, उत्कृष्टता संस्थान, विजना भवन, मानसागंगोत्री, मैसूर -570 006, कर्नाटक

जे. आई. पी. एम. ई. आर, पुडुचेरी (जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान):

डॉ० अशोक कुमार सक्सेना, महाध्यक्ष (2015-16) और पूर्व महासचिव, ISCA, पूर्व डीन, विज्ञान संकाय, CSJM विश्वविद्यालय, कानपुर; 7/182, स्वरूप नगर, कानपुर - 208 002, उ. प्र.

राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी, गुड़गांव:

डॉ० एन. बी. बासु, महासचिव (सदस्यता कार्य) निर्वाचित, ISCA, तकनीकी सलाहकार, कोलकाता नगरनिगम, कोलकाता

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान(AIIMS), नई दिल्ली:

डॉ० (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष (निर्वाचित), ISCA, समन्वयक - DBT के जैव सूचना विज्ञान अवसंरचना सुविधा केंद्र (भारत सरकार), पूर्व प्राणी शास्त्र के प्रमुख, दयानंद गर्ल्स स्नातकोत्तर कॉलेज, कानपुर; सदस्य: अकादमिक परिषद, KIIT विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर; सदस्य: अकादमी परिषद, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर; प्रबंध संपादक, इन लाइफ साइंसेस (एक अंतरराष्ट्रीय जर्नल); संपादक, एवरीमैन्स साइंस, ISCA, कोलकाता, 7/182 स्वरूप नगर, कानपुर 208002, उ. प्र.

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, भुवनेश्वर:

प्रो० के. एस. रंगप्पा, महाध्यक्ष (2019-2020), यूजीसी-बीएसआर संकाय फैलो, मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार, सिनोटार फार्मास्यूटिकल्स कोम लिमिटेड, चीन, पूर्व कुलपति, मैसूर विश्वविद्यालय और कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, मैसूर, विशिष्ट प्रोफेसर, मैसूर विश्वविद्यालय, उत्कृष्टता संस्थान, विजना भवन, मानसागंगोत्री, मैसूर -570 006, कर्नाटक

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, जोधपुर:

डॉ० अशोक कुमार सक्सेना, महाध्यक्ष (2015-16) और पूर्व महासचिव, ISCA, पूर्व डीन, विज्ञान संकाय, CSJM विश्वविद्यालय, कानपुर

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, पटना:

डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष (निर्वाचित), ISCA, समन्वयक - DBT के जैव सूचना विज्ञान अवसंरचना सुविधा केंद्र (भारत सरकार), पूर्व प्राणी शास्त्र के प्रमुख, दयानंद गर्ल्स स्नातकोत्तर कॉलेज, कानपुर; सदस्य: अकादमिक परिषद, KIIT विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर; सदस्य: अकादमी परिषद, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर; प्रबंध संपादक, इन लाइफ साइंसेस (एक अंतरराष्ट्रीय जर्नल); संपादक, एवरीमैन्स साइंस, ISCA, कोलकाता, 7/182 स्वरूप नगर, कानपुर 208002, उ. प्र.

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, रायपुर:

प्रो० गंगाधर, पूर्व महासचिव, ISCA, सिंडिकेट सदस्य (पूर्व), बैंगलोर विश्वविद्यालय, बैंगलोर, महासचिव, सोसायटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, नंबर 59, III मुख्य, आई क्रॉस, आयकर लेआउट, विजयनगर, बैंगलोर -560040

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, ऋषिकेश:

डॉ० अनूप कुमार जैन, महासचिव (वैज्ञानिक कार्यकलाय), ISCA, 251 आनंदपुरी, कानपुर - 208023

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, भोपाल:

डॉ० एस. रामकृष्ण, महासचिव (सदस्यता मामले), प्रोफेसर, जूलॉजी विभाग, ज्ञानभारती कैम्पस, बैंगलोर विश्वविद्यालय, बेंगलुरु 560056 कर्नाटक, रेस: 608 नहीं, 10 वां मुख्य, कॉफी बोर्ड लेआउट, हेबबलकम्पुरा, बैंगलोर -560024

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, राजकोट:

डॉ० (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष (निर्वाचित), ISCA, समन्वयक - DBT के जैव सूचना विज्ञान अवसंरचना सुविधा केंद्र (भारत सरकार), पूर्व प्राणी शास्त्र के प्रमुख, दयानंद गर्ल्स स्नातकोत्तर कॉलेज, कानपुर; सदस्य: अकादमिक परिषद, KIIT विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर; सदस्य: अकादमी परिषद, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर; प्रबंध संपादक, इन लाइफ साइंसेस (एक अंतरराष्ट्रीय जर्नल); संपादक, एवरीमैन्स साइंस, ISCA, कोलकाता, 7/182 स्वरूप नगर, कानपुर 208002, उ. प्र.

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, कल्याणी:

डॉ० अशोक कुमार सक्सेना, महाध्यक्ष (2015-16) और पूर्व महासचिव, ISCA, पूर्व डीन, विज्ञान संकाय, CSJM विश्वविद्यालय, कानपुर, 7/182 स्वरूप नगर, कानपुर 208002, उ. प्र.

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, बिलाशपुर:

प्रो० गंगाधर, पूर्व महासचिव, ISCA, सिंडिकेट सदस्य (पूर्व), बैंगलोर विश्वविद्यालय को लिमिटेड चायना, पूर्व कुलपति, मैसूर और कर्नाटक राज्य विश्वविद्यालय, मैसूर, प्रख्यात प्रध्यापक, मैसूर विश्वविद्यालय, उत्कृष्ट संस्थान, विजयनगर, बैंगलोर - 560040

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, गुवाहाटी:

प्रो० के. एस. रंगप्पा, महाध्यक्ष (2019-2020), यूजीसी-बीएसआर संकाय फैलो, मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार, सिनोटार फार्मास्यूटिकल्स कोम लिमिटेड, चीन, पूर्व कुलपति, मैसूर विश्वविद्यालय और कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, मैसूर, विशिष्ट प्रोफेसर, मैसूर विश्वविद्यालय, उत्कृष्टता संस्थान, विजना भवन, मानसांगोत्री, मैसूर -570 006, कर्नाटक

सदस्यता

विभिन्न सदस्यता वर्गों का त्रिवार्षिक झुकाव निम्नोक्त तालिका से परिलक्षित होता है।

	105 वॉ सत्र (2016-17)	106 वॉ सत्र (2017-18)	107 वॉ सत्र (2018-19)
आजीवन सदस्य	35,280	37,750	40,137
वार्षिक सदस्य	12,573	8,562	8,919
सत्रात्मक सदस्य	5,683	2,296	2,214
छात्र सदस्य	4,942	3,085	1,211
विशिष्ट दाता	27	29	30
संस्थागत दाता	36	36	37
संस्थागत सदस्य	12	11	14
कुल	58,535	51,769	52,562

संगठनात्मक आकृति*

जीबी/ जीसी/ एफसी की रचना:

भारतीय विज्ञान कांग्रेस के महासभा (जनरल बॉडी) की रचना में सभी सदस्यों (मतदान के अधिकार युक्त) और संस्था के सभी प्रतिष्ठित सदस्यों को समाहित किया है।

परिषद में सन्निहित है - (1) कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्य (2) संस्था के सभी वैसे सदस्य या प्रतिष्ठित सदस्य जो कि संस्था में महा अध्यक्ष, महासचिव या कोषाध्यक्ष (3) अनुभागीय अध्यक्षगण (4) महा सभा द्वारा निर्वाचित संस्था के 7 सदस्यगण (5) कोलकाता म्युनिसिपल कारपोरेशन द्वारा नामित एक सदस्य (6) वित्त एवं स्थापन समिति के सहयोजित (को अपडेट) सदस्यगण, (7) एरारीमैन्स साइंस के संपादक प्रमुख (एडिटर-इन-चीफ) और इंडियन नैशनल साइंस अकादमी (आई. एन. एस. ए) परिषद के एक नामित व्यक्ति जो कि राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के सदस्य हों।

कार्यकारी समिति में सम्मिलित हैं - महाध्यक्ष, इससे शीघ्र के भूतपूर्व महाध्यक्ष, महाध्यक्ष (निर्वाचित), दो महा सचिवगण, कोषाध्यक्ष, महासभा द्वारा निर्वाचित द्वारा निर्वाचित 10 सदस्यगण, विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, भारत सरकार के सचिव या उनके द्वारा नामित एक व्यक्ति तथा संभावित सत्र आयोजन के दो स्थानीय सचिवगण।

*विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी. एस. टी) के दिनांक 31.03.2007 के पत्रांक ए. आई/ ए. आर/ 004/ 2007 दिए गए सुझाव के अनुसार संगठनात्मक ढाँचा संबंधी उपर्युक्त सामग्री भी प्रस्तुत की जा रही है।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस के पाँच: **संवैधानिक समितियाँ** (1) परामर्शदात्री समिति, (2) वित्त एवं स्थापना समिति (3) प्रकाशन समिति (4) अक्षय दान (इनडाउमेंट) समिति एवं (5) विज्ञान एवं समाज की स्थाई समिति।

कर्मचारी कल्याणकारी कारवाई: सूचना के आधार पर इस वर्ष कर्मचारी कल्याण मद में कोई कार्य नहीं हुआ।

आरक्षण नीति का अनुपालन

कर्मचारी चयन के मामले में भारत सरकार द्वारा निर्धारित आरक्षण नीति का संस्था द्वारा अनुपालन किया जाता है।

राजभाषा नीति का अनुपालन: संस्था ने भारत सरकार की राजभाषा नीति के प्रावधान को ध्यान में रखते हुए उसका समय पर परिवर्तन के आधार पर पत्र के शीर्ष मुद्रण, अनेक रजिस्टर के शीर्ष, नाम प्लेट जो अनेक अनुविभागों से संबंधित है। सदस्यता फार्म, वार्षिक रिपोर्ट आदि द्विभाषीय (हिंदी - पर अंग्रेजी) रूप में बनाने का प्रयास किया गया। एक कनिष्ठ हिंदी अनुवादक की देख रेख में उपर्युक्त कार्यों का निष्पादन होता है।

सूचना उपलब्धता अधिकार अधिनियम:

सूचना उपलब्धता अधिकार के अंतर्गत वर्तमान अधिकारियों की सूची से उपयुक्त जन सूचना अधिकारी की पहचान की गई और आई. एस. सी. ए. वेबसाइट पर प्रदर्शित किया गया है। उपर्युक्त अधिकारी द्वारा आर. टी. आई. संबंधित सभी गवेषणाओं का निष्पादन किया जाता है।

जन शिकायत निराकरण तंत्र: संस्था के सदस्यों से प्राप्त किसी शिकायत पर समुचित कारवाई करने के लिए कार्यकारी सचिव नामित किए गए हैं, साथ ही सतर्कता अधिकारी भी हैं, जिनका नामन आई. एस. सी. ए. वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जा चुका है।

नागरिकीय चार्टर

औद्योगिकी सामाजिक समाजिक दायित्व संबंधित आरक्षण नीति: अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़े वर्ग के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति संबंधी विषयों पर भारत सरकार द्वारा निर्धारित आरक्षण नीति का संस्था द्वारा अनुपालन किया जाता है, और इस मामले में तत्संबंधी रोस्टर किये जाते हैं।

अभिस्वीकृति

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था की कार्यकारी समिति विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, को संस्था के उदार अनुदान सहायता के लिए आभारी है। समिति DST के अधिकारियों और कर्मचारियों से प्राप्त निरंतर मदद और सहयोग की अपनी गहरी प्रशंसा पर भी दर्ज कराना चाहती है।

कार्यकारी समिति, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलौर द्वारा 107वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी और आयोजन के लिए अपनी व्यक्तिगत रुचि की महान प्रशंसा करती है। डॉ. एस. राजेंद्र प्रसाद, कुलपति; डॉ. व्हाई. जी. सदाक्षरी, स्थानीय सचिव, 107वें ISC, डॉक्टर के. सी. नारायणस्वामी, स्थानीय सचिव, 107वें ISC और उनके सहयोगी, 107 वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस को एक भव्य सफलता दिलाने के अथक प्रयासों के लिए ईमानदारी से धन्यवाद देते हैं।

कार्यकारिणी समिति परिषद और सामान्य निकाय के सदस्यों के साथ-साथ विभिन्न समितियों और उप समितियों, अनुभागीय अध्यक्षों, अनुभागीय रिकॉर्डर, स्थानीय अनुभागीय सचिवों, शाखा शिक्षकों और अनुभागीय समितियों के सदस्यों के मार्गदर्शन के लिए भी अपनी आभार व्यक्त करती है। 107वें सत्र में प्राप्त सफलता का उल्लेख करते हुए, यह समिति के लिए खुशी की बात है कि महाध्यक्ष, प्रोफेसर के. एस. रंगप्पा के लिए अपनी कृतज्ञता दर्ज करवाती है, जिससे 107वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस को एक महान सफलता मिली और उन्होंने अपने सभी प्रयासों से इसे यादगार बनवाया।

अंतिम लेकिन वर्ष भर में संस्था के कर्मचारियों द्वारा किए गए कार्यों की गहरी सराहना व्यक्त किए बिना पावती का कोई रिकॉर्ड पूरा नहीं हो सकता है।

ISCA शाखाओं में (2019-2020) के माध्यम से राष्ट्रव्यापी गतिविधियाँ



आईएससीए इलाहाबाद शाखा



आईएससीए अमरावती शाखा



आईएससीए बेंगलुरु शाखा



आईएससीए बरोदा शाखा



आईएससीए भुवनेश्वर शाखा



आईएससीए चेन्नई शाखा

ISCA शाखाओं में (2019-2020) के माध्यम से राष्ट्रव्यापी गतिविधियाँ



आईएससीए कोचीन शाखा



आईएससीए कोयम्बटूर शाखा



आईएससीए धर्मनगर शाखा



आईएससीए हरिद्वार शाखा



आईएससीए जयपुर शाखा



आईएससीए जम्मू शाखा

ISCA शाखाओं में (2019-2020) के माध्यम से राष्ट्रव्यापी गतिविधियाँ



आईएससीए कानपुर शाखा



आईएससीए कोलकाता शाखा



आईएससीए पटना शाखा



आईएससीए पांडिचेरी शाखा



आईएससीए रोहतक शाखा



आईएससीए शिमला शाखा

ISCA शाखाओं में (2019-2020) के माध्यम से राष्ट्रव्यापी गतिविधियाँ



आईएससीए तिरुपति शाखा



आईएससीए मुख्यालय में चिकित्सा दिवस



आईएससीए मुख्यालय पर योग



हरिद्वार शाखा पर योग



कानपुर शाखा पर योग



आईएससीए के हिन्दी कार्यक्रम बैरकपुर CIFRI में

107 वां भारतीय विज्ञान कांग्रेस सत्र में अनुभागीय अध्यक्षों के वक्तव्य का शीर्षक

क्रमांक	अनुभाग	अध्यक्ष	शीर्षक
1	कृषि एवं वानिकी	डॉक्टर उमाकांत बेहेरा, मेघालय	इंटीग्रेटेड एग्रीकल्चर एंड रूलर बायो एंटरप्रेन्योरशिप रोड मैप फॉर इंडिया
2	पशु, पशु चिकित्सा एवं मात्स्यिकी	प्रोफेसर प्रकाश चंद्र जोशी, हरिद्वार	सस्टेनिंग रूरल लाइवलीहुड एंटोमोलॉजिकल पर्सपेक्टिव विद स्पेशल रिस्पांस दो चेंजिंग क्लाइमेट कंडीशन इन हाई एल्टीट्यूड एरिया
3	मानव विज्ञान एवं व्यवहार पर (पुरातत्व विज्ञान मनोविज्ञान एवं शिक्षा शास्त्र सहित)	प्रोफेसर (डॉक्टर) सुरेश भाई एम. मकबाना, गुजरात	डाइवर्सिटी ऑफ रोलस ऑफ बिहेवियरल साइंस इन द प्रोग्रेसिव सस्टेनेबल ऑफ रूलर डेवलपमेंट
4	रसायन विज्ञान	प्रोफेसर दीवान एस रावत, दिल्ली	हाइब्रिड स्ट्रेटजी ए वार साटा अप्रोच फॉर डिजाइनिंग एंड डेवलपमेंट ऑफ एनी मैटेरियल एंड मोनो कैटालाइज
5	पृथ्वी तंत्र विज्ञान	प्रोफेसर आर. बी. सिंह, दिल्ली	एडवांसिंग अर्थ सिस्टम साइंटिस्ट वर्ड्स क्लाइमेट एंड डिजास्टर रेसिलियंस फॉर सस्टेनेबल रूलर डेवलपमेंट
6	अभियांत्रिकी विज्ञान	डॉ असित कुमार दास, गुजरात	की कंट्रीब्यूशन ऑफ इंजीनियरिंग साइंस इन सस्टेनेबल डेवलपमेंट ऑफ इंडिया
7	पर्यावरण विज्ञान	डॉ रणवीर सिंह रावत, अल्मोड़ा	इंटीग्रेटिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी इन रूलर ट्रांसफॉर्मेशन केस इन पायेन इंडियन हिमालयान रिजियन
8	सूचना एवं संचार विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी कंप्यूटर साइंस सहित	प्रोफेसर मोहम्मद नुरुल होडा, नई दिल्ली	आईसीटी फॉर इंकलूसिव डेवलपमेंट

क्रमांक	अनुभाग	अध्यक्ष	शीर्षक
9	पदार्थ विज्ञान	प्रोफेसर एस. श्रीकांत स्वामी, मैसूर	सिंथेसिस कैरक्टराइजेशन इन हाल फोटोकैटालिटिक एक्टिविटी एंड सिटी स्टडीज ऑफ नैनोमेटेरियल्स कम्पोजिट
10	गणित शास्त्र (सांख्यिकी सहित)	प्रोफेसर एस. के. निम्भोरकर औरंगाबाद	एक्सटेंडिंग एलिमेंट्स एंड देयर जनरलाइजेशन इन सर्टेन मॉड्यूलर लाईटिसेस
11	आयुर्विज्ञान (शारीरिक क्रिया विज्ञान सहित)	डॉ दीप एन. श्रीवास्तव, नई दिल्ली	रोल ऑफ इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी ट्रीटमेंट इन रूलर इंडिया
12	नवजीवन विज्ञान (जैवभौतिकी और आणविक जैविक एवं जैव प्रौद्योगिकी सहित)	डॉ सुदीप कुमार घोष, खड़गपुर	न्यू इनसाइट इनटू entomoela इनसाइटेशन
13	भौतिक विज्ञान	प्रोफेसर संतोष चिंदागील, मणिपाल	एडवांसेज इन फोटोनिक्स टेक्नोलॉजी फॉर हेल्थ केयर
14	पादप विज्ञान	प्रोफेसर (श्रीमती) वाई विमला मेरठ	रियल आइज इन एस ए आर इनीशिएटिव फॉर कन्सर्वींग एनवायरमेंट टू सेकेंडरी प्लांटेशन ऑन मार्जिनल डिग्रेडेशन लैंड साइट्स

107 वें में भारतीय विज्ञान कांग्रेस सत्र के प्लेटिनम जयंती व्याख्यान

क्रमांक	अनुभाग	वक्ता	शीर्षक
1	कृषि एवं वानिकी	प्रो. दिलीप कुमार स्वाइन, खड़गपुर	एडवांस एग्रीकल्चर प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी फॉर क्लाइमेट रिस्क मैनेजमेंट: एनसेम्बल ऑफ एक्सपेरीमेंट्स एंड डिवीजन सपोर्ट सिस्टम
2	पशु, पशु चिकित्सा एवं मात्स्यिकी	प्रो. कमल जयसवाल, लखनऊ	बायोमेट्रिक इंस्पिरेशन फ्रॉम नेचर फॉर ह्यूमन वेलफेयर
3	मानव विज्ञान एवं व्यवहार पर (पुरातत्व विज्ञान मनोविज्ञान एवं शिक्षा शास्त्र सहित)	डॉ. ब्रज भूषण, कानपुर	फैसियल एक्सप्रेसन फ्रॉम मोरफोलॉजी टू रिक्वायर्स इन द ब्रेन
4	रसायन विज्ञान	प्रो. कमल के. कपूर, जम्मू	सिंथेसिस ऑफ कंटेनिंग फ्यूड हेट्रोसेक्स कंपाउंड्स ऑफ बायोलॉजिकल सिग्निफिकेन्स
5	पृथ्वी तंत्र विज्ञान	डॉ. वीरेंद्र एम. तिवारी, हैदराबाद	क्वांटिफाइंग हाइड्रोलॉजिकल फ्लेक्स फॉर वाटर मैनेजमेंट एंड डिजीज
6	अभियांत्रिकी विज्ञान	डॉ. हरिपद भुनिया, पटियाला	कार्बन डाइऑक्साइड कैप्चर एंड यूटिलाइजेशन एंड इंटेंस एरिया फॉर रिसर्च
7	पर्यावरण विज्ञान	डॉ. हितेन्द्र पदात्तिया, देहरादून	न्यूज नेशन सेटेलाइट रिमोट सेंसिंग टेक्निक्स फॉर वेजिटेशन साइंस
8	पदार्थ विज्ञान	प्रो. अशोक एम. रायचूर, बैंगलोर	मैटेरियल्स इन मेडिसिन आफ पर्सपेक्टिव ऑन नैनोमैटेरियल्स फॉर इंप्रूविंग एप्लीकेशंस एंड बायोएबिलिबिलि ऑफ ड्रग्स

क्रमांक	अनुभाग	वक्ता	शीर्षक
9	गणित शास्त्र (सांख्यिकी सहित)	प्रो. विनायक विष्णुपंत जोशी, पुणे	एन डिवाइस ग्राफ ऑफ ऑडिटिंग स्टेट एंड एप्लीकेशंस टू ग्राफ्स एसोसिएटेड विद रिंग
10	आयुर्विज्ञान (शारीरिक क्रिया विज्ञान सहित)	डॉ. शांतासबुज दास, कोलकाता	सो मच येट्स लिटिल स्टडीज ऑन द इन एज ओल्ड ह्युमन पथोजेन सालमोनेला टाइफि
11	नवजीवन विज्ञान (जैवभौतिकी और आणविक जैविक एवं जैव प्रौद्योगिकी सहित)	डॉ. सुमन कुमार धर, नई दिल्ली	ह्यूमन मलेरिया पैरासाइट plasmarodium falciparum: यूनिक बायोलॉजी एंड पसिबल इंटरवेशन
12	भौतिक विज्ञान	प्रो. चन्द्रभास नारायण, बेंगलोर	डिस्कवरींग न्यू टॉप लॉजिकल पेजेस इन मैटेरियल अंडर प्रेशर यूजिंग रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी
13	पादप विज्ञान	डॉ. राजेश अरोड़ा, नई दिल्ली	इनोवेटिव हर्बल टेक्नोलॉजी फॉर सोल्जर एंड सोसायटी

107 वें में भारतीय विज्ञान कांग्रेस के अनुभाग द्वारा आयोजित विशिष्ट विषयों से संबंधित परिसंवाद के शीर्षक

अनुभाग	शीर्षक
कृषि एवं वानिकी	<ol style="list-style-type: none"> 1. इंटीग्रेटेड एग्रीकल्चर एंड रूलर बायो एंटरप्रेन्योरशिप 2. इकोटूरिज्म एंड बायोडायवर्सिटी मैनेजमेंट
पशु, पशु चिकित्सा एवं मात्स्यिकी	<ol style="list-style-type: none"> 1. एनिमल साइंसेस: ए बुन फॉर रूलर डेवलपमेंट 2. एनिमल साइंसेज फॉर फूड सिक्योरिटी हेल्थ एंड सस्टेनेबल लाइवलीहुड इन रूरल इंडिया विद स्पेशल रेफरेंस टू फिशरीज
मानव विज्ञान एवं व्यवहार पर (पुरातत्व विज्ञान मनोविज्ञान एवं शिक्षा शास्त्र सहित)	<ol style="list-style-type: none"> 1. रोल ऑफ बिहेवियरल साइंस इन सस्टेनेबल रूलर डेवलपमेंट 2. रोल ऑफ बिहेवियरल साइंस इन रूलर डेवलपमेंट इन फ्यूचर
रसायन विज्ञान	<ol style="list-style-type: none"> 1. केमिकल साइंसेज इन ह्यूमन हेल्थ केयर
अभियांत्रिकी विज्ञान	<ol style="list-style-type: none"> 1. सस्टेनेबल इंजीनियरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर रूलर डेवलपमेंट 2. इन्नोवेटिव इंजीनियरिंग सॉल्यूशंस इन एनर्जी वाटर एंड रूलर इंफ्रास्ट्रक्चर
पर्यावरण विज्ञान	<ol style="list-style-type: none"> 1. बैलेंसिंग एनवायरमेंटल कंजर्वेशन
सूचना एवं संचार विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी कंप्यूटर साइंस सहित	<ol style="list-style-type: none"> 1. आईसीटी फॉर इंकलूसिव डेवलपमेंट
गणित शास्त्र (सांख्यिकी सहित)	<ol style="list-style-type: none"> 1. रिसेंट ट्रेंड्स इन डिस्क्रीट मैथमेटिक्स
आयुर्विज्ञान (शारीरिक क्रिया विज्ञान सहित)	<ol style="list-style-type: none"> 1. कंटेपेरी रिसर्च इन मेडिकल एंड एलाइड साइंस फॉर रूलर इंडिया 2. ऑक्यूपेशनल हेल्थ एंड सेफ्टी इन हेल्थ केयर सैटिंग्स इन रूलर इंडिया

अनुभाग	शीर्षक
नवजीवन विज्ञान (जैवभौतिकी और आणविक जैविक एवं जैव प्रौद्योगिकी सहित)	<ol style="list-style-type: none"> 1. हेल्थ केयर टेक्नोलॉजी वेंचर्स टू वेबसाइट एंड विजन 2. एग्रीकल्चरल बायो टेक्नोलॉजी साइंस फॉर लैब टू लैंड
भौतिक विज्ञान	<ol style="list-style-type: none"> 1. फोटोनिक्स एन इमेरजिंग इन फिजिकल साइंस डिसिप्लिन फॉर एनर्जी एनवायरनमेंट एंड हेल्थ केयर इन रूलर सेटिंग
पादप विज्ञान	<ol style="list-style-type: none"> 1. सेकेंडरी प्लांटेशन इन रूलर डेवलपमेंट 2. एनवायरनमेंट एंड एक्सपेरिमेंटल बॉटनी फॉर रूलर डेवलपमेंट

2019-2020 के युवा वैज्ञानिक अवार्ड प्राप्त करने वालों की सूची

क्रमांक	अनुभाग	अवार्ड प्राप्त करने वालों का नाम	पेपर का शीर्षक
1	कृषि एवं वानिकी	कोनसम सारिका, पादप प्रजनन अनुभाग, ICAR NEHR मणिपुर केंद्र, मणिपुर	आइडेंटिफिकेशन ऑफ इम्फुवड ब्रिडिंग लाइंस विथ हाई एन्थोसायाकाटेन्ट इन ब्लैक सेंटेड chahaorice(o,savita L)
2	पशु, पशु चिकित्सा एवं मात्स्यिकी	श्रष्टा सिंघा, SDS में तंत्रिका विज्ञान जिवाजी विश्वविधालय, ग्वालियर	मैटरनल न्यूट्रिशन सप्लीमेंटेशन एटेन्यूएटस दि प्रोटीन मैलन्यूट्रिशन इंड्यूस्ड रिएक्टिव गिलोयोसिस एंड कॉगनिटिव F Iरैट्स
3	मानव विज्ञान व्यवहारपरक विज्ञान (पुरातत्व विज्ञान, मनोविज्ञान एवं शिक्षा शास्त्र और सैन्य सराईट्स)	तरुण मिश्रा, मनोविज्ञान विभाग, बीएचयू वाराणसी	एफेक्ट ऑफ क्यू टारगेट ऑनसेट एसिनक्रोनी एंड टाइम्स पीरियड ऑन विजिलेंस टास्क परफॉर्मेंस
4	रसायन विज्ञान	कोई अवार्ड नहीं	
5	पृथ्वी प्रणाली विज्ञान	शताब्दी मिश्रा, आईआईटी, धनबाद, झारखंड	ऑर्गेनो जियोकेमिकल एंड और गानों पेट्रोग्राफी कल स्पेस ऑन हाइड्रोकार्बन जनरेशन पोर्टेशियल ए केस स्टडी इन रानीगंज बेस इन वेस्ट बेंगल इंडिया
6	अभियांत्रिकी विज्ञान	देवव्रत मंडल आईआईटी खड़गपुर	ग्राफीन क्वांटम इट्स बेस्ड म्यूमिकेसेंट नैनोसेंसरफरमिट आइनस, P-Nitrophenol एन्ड सम्फर डिटेक्शन इन वॉटर सैंपल्स
7	पर्यावरण विज्ञान	कोई अवार्ड नहीं	
8	सूचना एवं संचार विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी कंप्यूटर साइंस सहित	कोई अवार्ड नहीं	

क्रमांक	अनुभाग	अवार्ड प्राप्त करने वालों का नाम	पेपर का शीर्षक
9	पदार्थ विज्ञान	कोई अवार्ड नहीं	
10	गणित शास्त्र सांख्यिकी सहित	कोई अवार्ड नहीं	
11	आयुर्विज्ञान (शारीरिक क्रिया विज्ञान सहित)	कोई अवार्ड नहीं	
12	नवजीवन विज्ञान (जैव भौतिकी और आणविक जैविक एवं जैव प्रौद्योगिकी सहित)	कोई अवार्ड नहीं	
13	भौतिक विज्ञान	मल्लिकार्जुन के पाटिल कर्नाटक विश्वविद्यालय धारवाड़	हाइट एंड डिस्टेंस डिपेंडेंट सर्फेस एनर्जी ट्रांसफर फ्रॉम एलेक्सा यू विल इट 514 डार्ईटू गोत्त नैनोपार्टिकल्स ए क्वेस्ट टू एक्सप्लोरर सेंसर एप्लीकेशनस
14	पादप विज्ञान	रूपाली राम कृष्णा सुरासे, बी ए एम विश्व विद्यालय औरंगाबाद	इनोवेल एप्लीकेशन ऑफ स्पेक्ट्रल इन्फॉर्मेशन फॉर ऑटोमेटा क्रय टाइप कंटेंट, हेल्थ एंड एक्रिएज एसेसमेंट

2019-2020 के उत्कृष्ट पोस्टर पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं की सूची

क्रमांक	अनुभाग	अवार्ड प्राप्त करने वालों का नाम	पेपर का शीर्षक
1	कृषि एवं वानिकी	गौरान्द्र गुप्ता, सामाजिक विज्ञान का विभाजन, ICAR - भारतीय चरागाह और चारा अनुसंधान संस्थान, झाँसी। शाहीन परवीन, कृषि महाविद्यालय, इन्दिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर।	1. इन्फ्लूयेन्स ऑफ बायो इनोक्यूलेन्ट्स मेडियेटेड न्यूट्रिन्ट्स मैनेजमेंट ऑन प्रोडक्टिविटी एंड इकोनॉमिक्स ऑफ विथ इन सेमी एरिड एग्रो इकोलॉजी। 2. एफेक्ट ऑफ ग्लाउकोनाइट नैनो पार्टिकल ऑन ग्रोथ ऑफ मेज प्लांट इन एलिफ्सोल्स ऑफ सार्दन इंडिया।
2	पशु, पशु चिकित्सा एवं मात्स्यिकी	सिद्धार्थ कुमार मिश्रा डॉक्टर एच. एस. गौड़ केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर जे.सी. वॉल्टर देवा, आप्ठिक जीव विज्ञान विभाग जैविक विज्ञान विद्यालय, मद्रै कामराज विश्वविद्यालय, मद्रै	1. एसेसमेंट ऑफ एंटी इन्फ्लामेटरी एंड एंटी कैंसर एफेक्ट्स ऑफ एक्वास एक्सट्राक्ट ऑफ चाय, मशरूम इन इंटेसटिनल इनफॉरमेशन एंड कोलोरैक्टल कार्सिनोमा। 2. जेनेटिक डायवर्सिटी एंड स्पिसिस- आइडेंटिफिकेशन ऑफ दी नीलगिरी ट्राउट पॉपुलेशन टुवाईस कनजरवेशन
3	मानव विज्ञान व्यवहारपरक विज्ञान (पुरातत्व विज्ञान, मनोविज्ञान एवं शिक्षा शास्त्र और सैन्य सराईट्स)	कोई अवार्ड नहीं	
4	रसायन विज्ञान	रविंदर कुमार रसायन विज्ञान विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र ट्रिविकल सोलांकी रसायन विज्ञान विद्यालय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, खंडवा रोड, इंदौर	1. डायसिटोक्सी आयोडोबेन्जीन मेडिये प्रम्पट रेजियोसिलेक्टिव ऑफ(1,2,4) ट्रायाजोलो(4,3-a) पिरीमाडाईन एस पोटेन्ट एपोपटोसिस इन्ड्यूसर एंड एंटी कैंसर एजेंट्स। 2. रैपिड एमसीआर स्ट्रेटजी टू सिंथेसाइज पायरोस (1,2-6) पायराजोल उसका स्काफोल्डस एसिस्टेड बाई सॉल्वेंट-फ्री रिसाइक्लेबल hclo4 sio2 हेटेरोजिनियस कैटालाईटिक सिस्टेम
5	पृथ्वी प्रणाली विज्ञान	कोई अवार्ड नहीं	

क्रमांक	अनुभाग	अवार्ड प्राप्त करने वालों का नाम	पेपर का शीर्षक
6	अभियांत्रिकी विज्ञान	रवि प्रकाश डेयरी इंजीनियरिंग अनुभाग, SRS - ICAR राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान बेंगलुरु एनी स्टेफी सेंट जोसेफ महाविद्यालय स्वायत्तशासी देवगिरी, कोजीकोड	1. कूलिंग साइमलनियटस टु मिलकिंग इऊसिंग नैनो पार्टिकल्स एमप्लिफाइड फ्लूयिड्स: ए वे फॉर डेयरी डेवलपमेंट इन रूलर इंडिया। 2. डेवलपमेंट, कैराकटाराइजेशन एंड मेकानिकल प्रोपर्टिस ऑफ EVA बेस्ड बायो कम्पोजीट
7	पर्यावरण विज्ञान	श्रवणा सरकार वनस्पति विज्ञान विभाग, वर्धमान विश्वविद्यालय गोलापबाग, वर्धमान बलवंत रावत जी बी पंत हिमालयी पर्यावरण और सतत विकास का राष्ट्रीय संस्थान कोसी - कटारमाल अल्मोरा।	1. टेक्सटाइल एप्लुएंस ओरिजिन थार्मोटलेरेन बैक्टीरिया इन डिकलॉराइजेशन एंड डिग्रेडेशन ऑफ एंजों डाई। 2. लॉन्ग-टर्म फॉरेस्ट वेजिटेशन डायनामिक्स इन नंदा देवी बायोस्फीयर रिजर्व इंडियन वेस्ट हिमालय एविडेंस फ्रॉम रिपिट स्टडी ऑन कंपोजिट्स पैटर्न्स।
8	सूचना एवं संचार विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी कंप्यूटर साइंस सहित	कोई अवार्ड नहीं	
9	प्रदार्थ विज्ञान	कोई अवार्ड नहीं	
10	गणित शास्त्र सांख्यिकी सहित	सुमन गोयल भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान(ISM), धनबाद। मृगांक शेखर चाकी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान(ISM), धनबाद।	1. वेलोसिटी प्रोफाइल ऑफ लव इन पियोजोमैगने लेयर ओवर इलास्टिक सबस्ट्रेट विथ इंपरफेक्ट इंटरफेस। 2. एनालिटिकल स्टडि ऑफ शियर वेभ प्रोपागेशन इन रेड्यूस्ड कसारेट लेयर्ड स्ट्रक्चर विद एब्राप्ट थिकेनिंग।

क्रमांक	अनुभाग	अवार्ड प्राप्त करने वालों का नाम	पेपर का शीर्षक
11	आयुर्विज्ञान (शारीरिक क्रिया विज्ञान सहित)	सुमालय कर्मकार हैजा और आँत रोगों के राष्ट्रीय संस्थान, कोलकाता शबीना सेठ मानसिक स्वास्थ्य और न्यूरो विज्ञान का राष्ट्रीय संस्थान	1. प्रिवालेंस ऑफ सायेल ट्रांसमिटेड हेलमिन्थ इनफेक्शन इन वेस्ट बंगाल 2. NIMHANS डिजिटल अकैडमी टेली ECHO। एक्सटेंशन आफ कम्प्युनिटी हेल्थ केयर आउट का एंड इनोवेटिव मॉडल फॉर इंटीग्रेटिंग मेंटल हेल्थ एंड एडिक्शन मैनेजमेंट इन प्रायमरी केयर फॉर द स्टेट ऑफ छत्तीसगढ़
12	नवजीवन विज्ञान (जैव भौतिकी और आणविक जैविक एवं जैव प्रौद्योगिकी सहित)	कोई अवार्ड नहीं	
13	भौतिक विज्ञान	कोई अवार्ड नहीं	
14	पादप विज्ञान	सुमैया एस. एस, विश्वविद्यालय का महाविद्यालय तिरुवंतपुरम, केरला भ्रमर दत्ता वनस्पति विज्ञान विभाग वर्धमान विश्वविद्यालय गोलापबाग वर्धमान	1. 1.बायोकेमिकलएंडमॉलिक्यूलरमेकानिज्म ऑफ एंटी इंप्लामेटरी एनालिटिक्स एंटीपाइरेटिक पोटेनशियालिटिज ऑफ प्यूरीफाइड टारपिनेयड एक्सट्राक्ट फ्रम रेड एलगी hypnea musciformis (Wulfen) जे. व्ही लामोरोक्सा 2. 2. आइसोलेशन ऑफ हेलोफिलिक बैक्टीरिया फ्रॉम द लार्जेस्ट डेल्टा ऑफ वेस्ट बेंगल एंड इट्स इंपैक्ट ऑन मिटिगेटिंग सल्ट स्ट्रेस इन प्लांट ग्रोथ

इन्फोसिस फाउंडेशन – ISCA यात्रा पुरस्कार
2019 – 2020

क्रम सं	छात्र का नाम	विद्यालय
1.	अनहद सिंह	सेंट जॉन हाई स्कूल, सेक्टर 26, चंडीगढ़ -160 019
2.	ऋत्विक्	डैफोडिल्स फाउंडेशन फॉर लर्निंग, संजयनगर, बैंगलोर-94
3.	मुक्ता एस कुमार	केन्द्रीय विद्यालय, बीईएमएल नगर, कोलार गोल्ड फील्ड्स, कोलार
4.	सौभाग्या सिंह	शेलिंग हाउस स्कूल, जो विले: 10/98, एलनगंज रोड, कानपुर
5.	जैनब समन मकसूदर रहमान	फजंदर एच.एस. & जूनियर, वहूर रायगढ़
6.	जीनथ	रिवरियन पब्लिक स्कूल, ब्रह्मनवाला, पी.ओ. माजरा, देहरादून
7.	अंजलि डी	जेडपीएचएस, कम्बलपल्ली, महबूबबाद
8.	एम. चंदना ज्योति	पीवीआर जिला परिषद हाई स्कूल, गुंडुवारी पल्ली (वी एंड पी), अनंतापुरमु।
9.	के जया सूर्या यादव	पीवीआर जिला परिषद हाई स्कूल, गुंडुवारी पल्ली (वी एंड पी), अनंतापुरमु।
10.	पूजा तमता	रिवरियन पब्लिक स्कूल, ब्रह्मनवाला, पी.ओ. माजरा, देहरादून

2019-2020 के लिए परिषद के सदस्य

- **महाध्यक्ष**
प्रो. के.एस. रंगप्पा, मैसूर
- **निवर्तमान महाध्यक्ष**
डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती, कोलकाता
- **महाध्यक्ष निर्वाचित**
डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना, कानपुर
- **महासचिव (सदस्यता कार्य)**
डॉ. एस. रामकृष्ण, बेंगलुरु
- **महासचिव (वैज्ञानिक कार्य)**
डॉ. अनूप कुमार जैन, मुम्बई
- **कोषाध्यक्ष**
डॉ. शिव सत्य प्रकाश, पटना
- **कार्यकारिणी समिति के निर्वाचित सदस्य**
डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, कानपुर
श्री गौरवेन्द्र स्वरूप, कानपुर
प्रो. आर.रामामूर्ति, तिरुपति
प्रो. एमके ज्योति, जम्मू
डॉ. नबेदिता चक्रवर्ती, कोलकाता
प्रो. सुनील प्रकाश त्रिवेदी, लखनऊ
डॉ. एम. जी. रगुनाथन, चेन्नई
डॉ. बसंत कुमार दास, कोलकाता
प्रो. सस्मिता रानी सामंत, भुवनेश्वर
प्रो. सी. मुथमीजचेलवन, कट्टनकुलाथूर
- **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार के प्रतिनिधि**
डॉ. बी.के.शुक्ला, नई दिल्ली
- **स्थानीय सचिव**
डॉ. वाई.जी. शदाक्षरी, बेंगलुरु
डॉ. के.सी.नारायणस्वामी, बेंगलुरु
- **भूतपूर्व महाध्यक्ष**
प्रो. एम.एस.स्वामीनाथन, चेन्नई
प्रो. आरपी बंबा, चंडीगढ़
प्रो. सी. एन. आर. राव, बैंगलोर
प्रो. डीके सिन्हा, कोलकाता
- **भूतपूर्व महाध्यक्ष (जारी हे)**
प्रो. एस.के.जोशी, नई दिल्ली
डॉ. पी. रामा राव, हैदराबाद
डॉ. (श्रीमती) मंजू शर्मा, नई दिल्ली
डॉ. आर.ए.मशेलकर, पुणे
डॉ. आर.एस.प्रोडा, नई दिल्ली
डॉ. के.कस्तूरीरंगन, बेंगलुरु
प्रो. असिस दत्ता, नई दिल्ली
प्रो. एन.के. गांगुली, फरीदाबाद
प्रो. हर्ष गुप्ता, हैदराबाद
डॉ. टी. रामास्वामी, चेन्नई
डॉ. जी.माधवन नायर, त्रिवेंद्रम
प्रो. के.सी. पांडे, लखनऊ
प्रो. गीत बाली, बेंगलुरु
डॉ. मनमोहन सिंह, नई दिल्ली
प्रो. रनबीर चंदर सोबती, लखनऊ
डॉ. अचूता सामंता, भुवनेश्वर
- **भूतपूर्व महासचिव**
डॉ. (मिस) शशि प्रभा आर्य, नई दिल्ली
प्रो. एच.पी.तिवारी, इलाहाबाद
प्रो. एसपी मुखर्जी, कोलकाता
डॉ. (श्रीमती) योगिनी पाठक, वडोदरा
प्रो. उमा कांत, जयपुर
प्रो. बी. सत्यनारायण, हैदराबाद
प्रो. बी.पी.चटर्जी, कोलकाता
प्रो. एसपी सिंह, कुरुक्षेत्र
प्रो. अविजीत बनर्जी, कोलकाता
डॉ. निलंगशू भूषण बसु, कोलकाता
प्रो. अरुण कुमार, इंफाल
प्रो. गंगाधर, बंगलौर
प्रो. प्रेमेंदु पी. माथुर, पांडिचेरी
- **भूतपूर्व कोषाध्यक्ष**
डॉ. शशि भूषण महातो, कोलकाता
प्रो. ध्यानेन्द्र कुमार, आरा
प्रो. रंजीत कुमार वर्मा, मुंगेर

■ अनुभागीय अध्यक्ष

- डॉ० उमाकांता बेहरा, मेघालय
प्रो० प्रकाश चंद्र जोशी, हरिद्वार
प्रो० सुरेशभाई एम. मकवाना,
वल्लभविद्यानगर
प्रो० दिवन एस. रावत, दिल्ली
प्रो० आरबी सिंह, दिल्ली
डॉ० असित कुमार दास, जामनगर
डॉ० रणबीर सिंह रावल, आलमोर
प्रो० एमडी नुरुल होदा, नई दिल्ली
डॉ० एस. श्रीकांतस्वामी, मैसूरु
प्रो० एस.के. निम्बोरकर, औरंगाबाद
डॉ० दीप एन. श्रीवास्तव, नई दिल्ली
डॉ० सुदीप कुमार घोष, खड़गपुर
प्रो० संतोष चिदांगिल, मणिपाल
प्रो० (सुश्री) वाई.वी.माला, मेरठ

■ परिषद के निर्वाचित सदस्य

- श्रीमती कुमकुम स्वरूप, कानपुर
डॉ० नबेदिता चक्रवर्ती, कोलकाता
प्रो० सुनील प्रकाश त्रिवेदी, लखनऊ
डॉ० एम. जी. रगुनाथन, चेन्नई
डॉ० के.टी.चंद्र शेखर, मैसूरु
प्रो० सी. मुथमीज्जचेलवन, कट्टनकुलथुर
डॉ० ए.एम सक्सेना, लखनऊ

■ कोलकाता नगर निगम के प्रतिनिधि

- श्री ज्योति प्रकाश सरकार, कोलकाता

■ एवरीमैन्स साइंस के मुख्य संपादक

- डॉ० अशोक कुमार सक्सेना, कानपुर

■ भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आई. एन. एस. ए) परिषद के प्रतिनिधि

- प्रो० एन.आर.जगन्नाथन, नई दिल्ली

2020-2021 के लिए परिषद के सदस्य

■ महाध्यक्ष

डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना, कानपुर

■ निवर्तमान महाध्यक्ष

प्रो. के.एस.रंगप्पा, मैसूर

■ महाध्यक्ष निर्वाचित

प्रो. अरविंद कुमार सक्सेना, जयपुर

■ महासचिव (सदस्यता कार्य)

डॉ. एस. रामकृष्ण, बेंगलुरु

■ महासचिव (वैज्ञानिक कार्य)

डॉ. अनूप कुमार जैन, मुम्बई

■ कोषाध्यक्ष

डॉ. शिव सत्य प्रकाश, पटना

■ कार्यकारिणी समिति के निर्वाचित सदस्य

डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, कानपुर

श्री गौरवेन्द्र स्वरूप, कानपुर

प्रो. आर.रामामूर्ति, तिरुपति

प्रो. एमके ज्योति, जम्मू

डॉ. नबेदिता चक्रवर्ती, कोलकाता

प्रो. सुनील प्रकाश त्रिवेदी, लखनऊ

डॉ. एम. जी. रगुनाथन, चेन्नई

डॉ. बसंत कुमार दास, कोलकाता

प्रो. सस्मिता रानी सामंत, भुवनेश्वर

प्रो. सी. मुथमीजचेलवन, कट्टनकुलाथूर

■ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार के प्रतिनिधि

डॉ. राजीव कुमार तायल, नई दिल्ली

■ स्थानीय सचिव

डॉ. डॉ.विद्या येरवडेकर, पुणे

डॉ. राजीव येरवडेकर, पुणे

■ भूतपूर्व महाध्यक्ष

प्रो. एम.एस.स्वामीनाथन, चेन्नई

प्रो. आरपी बंबा, चंडीगढ़

प्रो. सी. एन. आर. राव, बेंगलोर

प्रो. डीके सिन्हा, कोलकाता

■ भूतपूर्व महाध्यक्ष (जारी हे)

डॉ. पी रामा राव, हैदराबाद

डॉ. (श्रीमती) मंजू शर्मा, नई दिल्ली

डॉ. आर.ए.मशेलकर, पुणे

डॉ. आर.एस.प्रोडा, नई दिल्ली

डॉ. के.कस्तूरीरंगन, बेंगलुरु

प्रो. असिस दत्ता, नई दिल्ली

प्रो. एन.के. गांगुली, फरीदाबाद

प्रो. हर्ष गुप्ता, हैदराबाद

डॉ. टी. रामास्वामी, चेन्नई

डॉ. जी.माधवन नायर, त्रिवेंद्रम

प्रो. गीत बाली, बेंगलुरु

डॉ. मनमोहन सिंह, नई दिल्ली

प्रो. रनबीर चंदर सोबती, लखनऊ

प्रो. नारायण राव, गुंटूर

डॉ. अचूता सामंता, भुवनेश्वर

डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती, कोलकाता

■ भूतपूर्व महासचिव

डॉ. (मिस) शशि प्रभा आर्य, नई दिल्ली

प्रो. एच.पी.तिवारी, इलाहाबाद

प्रो. एसपी मुखर्जी, कोलकाता

डॉ. (श्रीमती) योगिनी पाठक, वडोदरा

प्रो. उमा कांत, जयपुर

प्रो. बी. सत्यनारायण, हैदराबाद

प्रो. बी.पी.चटर्जी, कोलकाता

प्रो. एसपी सिंह, कुरुक्षेत्र

प्रो. अविजीत बनर्जी, कोलकाता

डॉ. निलंगशू भूषण बसु, कोलकाता

प्रो. अरुण कुमार, इंफाल

प्रो. गंगाधर, बंगलौर

प्रो. प्रेमदु पी. माथुर, पांडिचेरी

■ भूतपूर्व कोषाध्यक्ष

डॉ. शशि भूषण महातो, कोलकाता

प्रो. ध्यानेन्द्र कुमार, आरा

प्रो. रंजीत कुमार वर्मा, मुंगेर

■ अनुभागीय अध्यक्ष

- डॉ० दीपक रंजन विश्वास, नई दिल्ली
प्रो० कमल जायसवाल, लखनऊ
डॉ० मनोज कुमार सिंह, दिल्ली
प्रो० रंजना अग्रवाल, नई दिल्ली
प्रो० अतुल कुमार वर्मा, धनबाद
प्रो० बी.शांतवीर गोड़, बैंगलोर
प्रो० (डॉ०) अमर प्रकाश गर्ग, मेरठ
डॉ० पास नाथ सिंह, बैंगलोर
प्रो० गुडुरु प्रसाद, हैदराबाद
प्रो० शिशिर गुप्ता, धनबाद
प्रो० (डॉ०) गौतम पॉल, कल्याणी
डॉ० आर.कव्यश्री, बैंगलोर
प्रो० (डॉ०) सुरेश चंद्र, नोएडा
प्रो० सुनील कुमार चतुर्वेदी, लूमनी

■ परिषद के निर्वाचित सदस्य

- श्रीमती कुमकुम स्वरूप, कानपुर
प्रो० भूपति नायडू, तिरुपति
डॉ० के.टी.चंद्रशेखर, मैसूरु
डॉ० श्रीसंतस्वामी, मैसूरु
डॉ० अनंद मुरारी सक्सेना, लखनऊ
प्रो० (डॉ०) रजनीश दत्त कौशिक, हरिद्वार
श्री एल.के.जीते, पुणे

■ कोलकाता नगर निगम के प्रतिनिधि

- श्री ज्योति प्रकाश सरकार, कोलकाता

■ एवरीमैन्स साइंस के मुख्य संपादक

- डॉ० अशोक कुमार सक्सेना, कानपुर

■ भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आई. एन. एस. ए) परिषद के प्रतिनिधि

- डॉ० हेमंता कुमार मजुमदार, कोलकाता।

कार्मिक

31 मार्च, 2019 को कर्मचारियों की संख्या

कार्यकारी सचिव
डॉ. अमित कृष्ण दे*

कार्यालय सहायक II
श्री कौशिक कुमार नंदी
श्री सुदीप कुमार बाला
श्री दीपंकर दे***
श्री शंभुनाथ चटर्जी

सहायक कार्यकारी सचिव
डॉ. अरुण कुमार पाण्डेय

कार्यालय सहायक III
श्री अक्षय कुमार पात्र**
श्री ओएन मेकाबियस लकरा
श्री अनित पाल
श्री कृष्ण भुजेल
श्री सुधांशु चौधुरी
श्री प्रभुदयाल सिंह
श्री सुभाष दास
श्री स्वरूप कुमार मंडल
श्री गोपाल नाथ
श्री दीपेश चन्द्र घोष

अनुभाग विभाग III
श्रीमती इंद्राणी दास**

बहुकार्य कर्मचारी
श्री सैकत मंडल
श्री अनुपम सरकार
श्री इमनकल्याण मुखर्जी

कार्यालय सहायक I
श्री संतु कुमार घोष

स्टाफ कार ड्राइवर
श्री मनोजीत शंकर दासगुप्ता

कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक
श्रीमती देवश्री दत्ता(साहा)

कार्यालय सहायक I
श्री पीयूष घोष

* 31-01-2019 को सेवानिवृत्त

** 31-12-2018 को सेवानिवृत्त

*** 29-02-2020 को सेवानिवृत्त

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महाध्यक्ष

अधिवेशन	वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय का भाषण का शीर्षक
पहला	1914	कलकत्ता	माननीय. न्यायमूर्ति सर आशुतोष मुखर्जी	विज्ञान कांग्रेस के बारे में
दूसरा	1915	मद्रास	माननीय. महासर्जन डब्लू. बी. बैनरमान	उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में कार्य कर रहे चिकित्साकर्मियों एवं वैज्ञानिकों के लिए जैविकी के ज्ञान का महत्व
तीसरा	1916	लखनऊ	कर्नल सर सिडनी जी. बर्ार्ड	उत्तर भारत के मैदानी भागों और हिमालय अनुश्रृंखला
चौथा	1917	बंगलोर	सर अल्फ्रेड जिम्स बॉर्न	वैज्ञानिक अनुसंधान पर
पाँचवाँ	1918	लाहौर	गिल्बर्ट टी. वाकर	विज्ञान - शिक्षा पर
छठा	1919	बंबई	लेफ्टिनेंट कर्नल सर लियोनार्ड रोजर्स	हैजा संबंधी अनुसंधान
सातवाँ	1920	नागपुर	आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय	आधुनिक भारत में विज्ञान का प्रारम्भ
आठवाँ	1921	कलकत्ता	सर राजेंद्र नाथ मुखर्जी	विज्ञान और उद्योग पर
नौवाँ	1922	मद्रास	श्री एस. एस. मिडिलमिस	सापेक्षता
10वाँ	1923	लखनऊ	सर एम. वीश्वेश्वराय	वैज्ञानिक संस्था एवं वैज्ञानिक
11वाँ	1924	बंगलोर	डॉ. टी. एन अन्नाडेल	अभिसारी एवं अपसारी विकास
12वाँ	1925	बनारस	डॉ. एम. ओ. फॉस्टर	प्रायोगिक प्रशिक्षण पर
13वाँ	1926	बंबई	श्री. अल्बर्ट हावर्ड	कृषि एवं विज्ञान
14वाँ	1927	लाहौर	सर जे. सी. बोस	जीवन की एकता
15वाँ	1928	कलकत्ता	डॉ. जे. एल. साइमनसन	प्राकृतिक उत्पाद रसायन पर
16वाँ	1929	मद्रास	प्रो. सी. भी. रमन	रमन प्रभाव पर
17वाँ	1930	इलाहाबाद	कर्नल एस. आर. क्रिस्टोफर	विज्ञान और रोग
18वाँ	1931	नागपुर	लेफ्टिनेंट कर्नल आर. बी. सेमूर सेवेल	विकास की समस्या- शारीरिक संरचना का प्रौद्योगिक रूपान्तरण
19वाँ	1932	बंगलोर	राय बहादुर लाल शिवराम कश्यप	हिमालय और तिब्बत की ऊँचाई पर पाई जानेवाली वनस्पति संबंधित कुछ पहलू
20वाँ	1933	पटना	श्री. लुईस एल. फरमोर	राष्ट्रीय जीवन में भूविज्ञान के स्थान
21वाँ	1934	बंबई	प्रो. एम. एन. साहा	आधारभूत ब्रह्मांडीय समस्याएं
22वाँ	1935	कलकत्ता	डॉ. जे. एच. हट्टन	मानवविज्ञान और भारत
23वाँ	1936	इंदौर	सर यू. एन. ब्रह्मचारी	चिकित्सा की नवीनतम प्रगति में विज्ञान की भूमिका
24वाँ	1937	हैदराबाद	राव बहादुर टि. एस. वेंकटरमन	भारतीय गाँव - भूत, वर्तमान और भविष्य

अधिवेशन	वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय का भाषण का शीर्षक
25वाँ	1938	कलकत्ता	श्री. जेम्स जीन्स (नेल्सन के लॉर्ड रदरफोर्ड की असामयिक मृत्यु हो गई)	भारत में और ग्रेट ब्रिटेन में अनुसंधान
26वाँ	1939	लाहौर	प्रो. जे. सी. घोष	भारत में रसायनिक अनुसंधान
27वाँ	1940	मद्रास	प्रो. बी. साहनी	द डेक्कन ट्रेप्स: तृतीय युग की घटना
28वाँ	1941	बनारस	सर अर्देशिर दलाल	विज्ञान और उद्योग
29वाँ	1942	बड़ौदा	डॉ. डी. एन. वाडिया	भारत-निर्माण
30वाँ	1943	कलकत्ता	डॉ. डी. एन. वाडिया	युद्ध में खनिजों का शेर
31वाँ	1944	दिल्ली	प्रो. एस. एन. बोस	संतुलित नियतत्ववाद और क्वांटम सिद्धान्त
32वाँ	1945	नागपुर	सर शांति एस. भटनागर	विज्ञान को एक मौका दें
33वाँ	1946	बंगलोर	प्रो. एम. अफ़ज़ल हुसैन	भारत की खाद्य समस्या
34वाँ	1947	दिल्ली	पंडित जवाहर लाल नेहरू	राष्ट्र की सेवा में विज्ञान
35वाँ	1948	पटना	कर्नल सर राम नाथ चोपड़ा	भारत में दवा का औचित्य - स्थापन
36वाँ	1949	इलाहाबाद	श्री. के. एस. कृष्णन	-----
37वाँ	1950	पूना	प्रो. पी. सी. महालानोबिस	आँकड़े क्यों
38वाँ	1951	बंगलोर	डॉ. एच. जे. भाभा	प्राकृतिक दुनिया की वर्तमान संकल्पनाएँ
39वाँ	1952	कलकत्ता	डॉ. जे. एन. मुखर्जी	विज्ञान और हमारी समस्याएँ
40वाँ	1953	लखनऊ	डॉ. डी. एम. बोस	सजीव और निर्जीव
41वाँ	1954	हैदराबाद	डॉ. एस. एल. होरा	वैज्ञानिकों को एक अवसर दें
42वाँ	1955	बड़ौदा	प्रो. एस. के. मित्रा	विज्ञान और प्रगति
43वाँ	1956	आगरा	डॉ. एम. एस. कृष्णन	खनिज संसाधन और उनकी समस्याएँ
44वाँ	1957	कलकत्ता	डॉ. बी. सी. राय	मानव-कल्याण और देश के विकास के लिए विज्ञान
45वाँ	1958	मद्रास	प्रो. एम. एस. थैकर	वैज्ञानिक विकास का व्याकरण
46वाँ	1959	दिल्ली	डॉ. ए. एल. मुदलियार	आधारभूत विज्ञान कि प्रशंसा
47वाँ	1960	बंबई	प्रो. पी. परिजा	विज्ञान और समाज का प्रभाव
48वाँ	1961	रुड़की	प्रो. एन. आर. धर	नाइट्रोजन समस्या
49वाँ	1962	कटक	डॉ. बी मुखर्जी	मनुष्य को जीवविज्ञान का प्रभाव
50वाँ	1963	दिल्ली	प्रो. डी. एस. कोठारी	विज्ञान एवं विश्वविद्यालयों
51वाँ	1964	कलकत्ता	प्रो. हुमायूँ कबीर	विज्ञान एवं राज्य
52वाँ	1965	कलकत्ता	प्रो. हुमायूँ कबीर	-----
53वाँ	1966	चंडीगढ़	प्रो. बी. एन. प्रसाद	भारत में विज्ञान
54वाँ	1967	हैदराबाद	प्रो. टि. आर. शेषाद्री	विज्ञान और राष्ट्रीय कल्याण

अधिवेशन	वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय का भाषण का शीर्षक
55वाँ	1968	वाराणसी	डॉ. आत्माराम	भारत में विज्ञान - कुछ पहलू
56वाँ	1969	बंबई	डॉ. एके जोशी (प्रो. ए. सी. बनर्जी का असामयिक निधन हो गया)	चैन की साँस: मानव की सेवा में पादप विज्ञान
57वाँ	1970	खड़गपुर	डॉ. एल. सी. वर्मन	मानकीकरण: त्रिसूत्री विषय
58वाँ	1971	बंगलोर	डॉ. बी. पी. पाल	कृषि विज्ञान एवं मानव-कल्याण
59वाँ	1972	कलकत्ता	प्रो. डब्लू. डी. वेस्ट	भारत की सेवा में भूविज्ञान
60वाँ	1973	चंडीगढ़	डॉ. एस. भगवंतम	भारत में विज्ञान के 60 वर्ष
61वाँ	1974	नागपुर	प्रो. आर. एस. मिश्रा	गणित – रानी या नौकरानी
62वाँ	1975	दिल्ली	प्रो. (श्रीमती) असिमा चटर्जी	भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी: वर्तमान एवं भविष्य
63वाँ	1976	वाल्तेयर	डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन	विज्ञान एवं एकीकृत ग्रामीण विकास
64वाँ	1977	भुवनेश्वर	डॉ. एच. एन. सेतना	संसाधनों का सर्वेक्षण एवं उपयोग
65वाँ	1978	अहमदाबाद	डॉ. एस. एम. सरकार	विज्ञान शिक्षा एवं ग्रामीण विकास
66वाँ	1979	हैदराबाद	प्रो. आर. सी. मेहरोत्रा	आगामी दशक में विज्ञान और प्रौद्योगिकी
67वाँ	1980	यादवपुर	प्रो. ए. के. साहा	भारत के लिए ऊर्जा रणनीति
68वाँ	1981	वाराणसी	प्रो. ए. के. शर्मा	विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास का पर्यावरण पर प्रभाव
69वाँ	1982	मैसूर	प्रो. एम. जी. के. मेनन	विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्वावलंबी आधार के अभिन्न घटक के रूप में आधारभूत अनुसंधान
70वाँ	1983	तिरुपति	प्रो. बी. रामचंद्र राव	मानव और महासागर - संसाधन एवं विकास
71वाँ	1984	राँची	प्रो. आर. पी. बंबा	भारत में बेहतर विज्ञान – उद्देश्य और साधन
72वाँ	1985	लखनऊ	प्रो. ए. एस. पेंटल	उत्तुंगता - अध्ययन
73वाँ	1986	दिल्ली	डॉ. टी. एन. खोशू	पर्यावरण प्रबंधन में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका
74वाँ	1987	बंगलोर	प्रो. (श्रीमती) अर्चना शर्मा	संसाधन और मानवकल्याण - विज्ञान और प्रौद्योगिकी का योगदान
75वाँ	1988	पुणे	प्रो. सी. एन. आर. राव	विज्ञान और प्रौद्योगिकी की सीमाएँ
76वाँ	1989	मद्रै	डॉ. ए. पी. मित्रा	भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मिशन
77वाँ	1990	कोचीन	प्रो. यशपाल	सोसायटी में विज्ञान
78वाँ	1991	इंदौर	प्रो. डी. के. सिन्हा	प्राकृतिक आपदा से सामना: एक एकीकृत दृष्टिकोण
79वाँ	1992	बड़ौदा	डॉ. वसंत गोवारिकर	विज्ञान, जनसंख्या और विकास

अधिवेशन	वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय का भाषण का शीर्षक
80वाँ	1993	गोवा	डॉ. एस. जेड कासिम	विज्ञान और बेहतर जीवन
81वाँ	1994	जयपुर	प्रो. पी. एन. श्रीवास्तव	भारत में विज्ञान: उत्कृष्टता एवं जवाबदेही
82वाँ	1995	कलकत्ता	डॉ. एस. सी. पक्राशी	भारत में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उद्योग का विकास
83वाँ	1996	पटियाला	प्रो. यू. आर. राव	खाद्य, आर्थिक और स्वस्थ सुरक्षा के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी
84वाँ	1997	दिल्ली	डॉ. एस. के. जोशी	विज्ञान और अभियंत्रिकी की सीमाएँ और राष्ट्रीय विकास में उनकी प्रासंगिकता
85वाँ	1998	हैदराबाद	प्रो. पी. रामाराव	स्वतंत्र भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी: भूत एवं भविष्य
86वाँ	1999	चेन्नई	डॉ. (श्रीमती) मंजु शर्मा	नवजीवविज्ञान: नई सहस्राब्दी में अवसर और चुनौतियाँ
87वाँ	2000	पुणे	डॉ. आर. ए. माशेलकर	आगामी सहस्राब्दी में भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी
88वाँ	2001	दिल्ली	डॉ. आर. एस. परोदा	खाद्य, पोषण और पर्यावरण- सुरक्षा
89वाँ	2002	लखनऊ	प्रो. एस. एस. कटियार	स्वास्थ्य- रक्षा, शिक्षा एवं सूचना प्रौद्योगिकी
90वाँ	2003	बंगलोर	डॉ. के. कस्तूरींगन	फ्रंटियर साइन्स एवं अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी
91वाँ	2004	चंडीगढ़	प्रो. अशीष दत्ता	21वीं शताब्दी में विज्ञान और समाज: उत्कृष्टता की तलाश
92वाँ	2005	अहमदाबाद	प्रो. एन. के. गांगुली	स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी - राष्ट्र के विकास का आधार
93वाँ	2006	हैदराबाद	प्रो. आई. वी. सुब्बाराव	एकीकृत ग्रामीण विकास: विज्ञान और प्रौद्योगिकी
94वाँ	2007	अन्नामलाई नगर	डॉ. हर्ष गुप्ता	पृथ्वीग्रह
95वाँ	2008	विशाखापटनम	प्रो. आर. राममूर्ति	पर्यावरण अनुकूल विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग ज्ञान आधारित समाज
96वाँ	2009	शिलांग	डॉ. टी. रामासामी	विज्ञान की शिक्षा और अनुसंधान की विशिष्टता के लिए प्रतिभा का आकर्षण
97वाँ	2010	तिरुवनंतपुरम	डा. जी. माधवन नायर	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की 21 वीं सदी में चुनौतियाँ

अधिवेशन	वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय का भाषण का शीर्षक
98वाँ	2011	चेन्नई	प्रो. के. सी. पाण्डेय	गुणवत्ता शिक्षा और भारतीय विश्वविद्यालयों में वैज्ञानिक अनुसंधान में उत्कृष्टता
99वाँ	2012	भुवनेश्वर	प्रो. गीता बाली	समावेशी नवाचार के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भूमिका
100वाँ	2013	कोलकाता	डॉ. मनमोहन सिंह	भारत के भविष्य को आकार देने के लिए विज्ञान
101वाँ	2014	जम्मू	प्रो डॉ. रणवीर चंदर सोबती	समावेशी विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार
102वाँ	2015	मुम्बई		मानव विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी
103वाँ	2016	मैसूर	डॉ. अशोक कुमार सक्सेना	भारत में स्वदेशी विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी
104वाँ	2017	तिरुपति	प्रो. डी. नारायण राव	राष्ट्रीय विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी
105वाँ	2018	इम्फाल	डॉ. अच्युत सामंत	विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से अपरिवर्तित पहुँच
106वाँ	2019	जलंधर	डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती	भविष्य भारत: विज्ञान और प्रौद्योगिकी
107वाँ	2020	बंगलोर	प्रो. के. एस रंगप्पा	विज्ञान और प्रौद्योगिकी : ग्रामीण विकास

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महासचिव

वर्ष	नाम	वर्ष	नाम
1913-14	श्री डी. हूपर	1974-77	प्रो. आर. डी. तिवारी
1914-26	डॉ. जे. एल. साइमनसन	1976-79	प्रो. ए. के. शर्मा
1914-20	श्री पी. एस. मैकमोहन	1977-80	डॉ. बी. रामचन्द्र राव
1920-25	डॉ. सी. वी. रमन	1979-82	डॉ. डी. बसु
1924-35	डॉ. एस. पी. आगरकर	1980-83	प्रो. अरुण कुमार डे
1926-30	डॉ. रोलाँ वी. नॉरिस	1982-85	प्रो.(श्रीमती) अर्चना शर्मा
1930-32	डॉ. एच. बी. डन्नीक्लीफ़	1983-86	प्रो. एम. के. सिंघल
1932-39	श्री डब्ल्यू. डी. वेस्ट	1985-88	प्रो. डी. के. सिन्हा
1935-40	प्रो. जी. एन. मुखर्जी	1986-89	डॉ.(सुश्री) एस. पी. आर्य
1938-34	प्रो. पी. पिरजा	1988-91	डॉ. एस. सी. पक्राशी
1939-45	प्रो. एस. के. मित्रा	1989-92	डॉ. (श्रीमती) गौरी गांगुली
1944-45	प्रो. पी. सी. मिटर	1991-94	प्रो. डी. पी. चक्रवर्ती
1944-49	प्रो. एम. कुरेशी	1992-95	प्रो. एच. पी. तिवारी
1945-48	प्रो. पी. सी. महालानोबिस	1994-97	प्रो. एस. पी. मुखर्जी
1948-52	डॉ. बी. मुखर्जी	1995-98	डॉ.(श्रीमती) योगिनी पाठक
1948-52	डॉ. बी. संजीव राव	1997-2000	प्रो. ए. एस. मुखर्जी
1952-53	डॉ. एस. आर. सेनगुप्ता	1998-2001	प्रो. उमाकान्त
1952-55	डॉ. बी. एन. प्रसाद	2000-2003	प्रो. ए. बी. बनर्जी
1953-57	डॉ. यू. पी. बसु	2001-2004	प्रो. बी. सत्यनारायण
1955-58	डॉ. बी. बी. जोशी	2003-2006	प्रो. बी. पी. चटर्जी
1957-60	डॉ. ए. के. डे	2004-2007	प्रो. एस. पी. सिंह
1958-61	डॉ. बी. एन. प्रसाद	2006-2009	प्रो. अभिजित बनर्जी
1960-62	प्रो. बी. सी. गुहा	2007-2010	डॉ. अशोक कुमार सक्सेना
1961-65	प्रो. पी. एल. गिल	2010-2013	डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती
1962-66	डॉ. आत्माराम	2010-2013	डॉ.(श्रीमती) विजयलक्ष्मी सक्सेना
1965-68	प्रो. चन्द्रशेखर घोष	2013-2016	इंजीनियर निलांशु भूषण बासु
1966-70	प्रो. ए. के. साहा	2013-2016	प्रो. अरुण कुमार
1968-71	प्रो. आर. एस. मिश्रा	2016-2019	प्रो. गंगाधर
1970-73	प्रो. (श्रीमती) असिमा चैटर्जी	2016-2019	प्रो. प्रेमन्दु पी. माथुर
1971-74	प्रो. रामचन्द्र पॉल	2019-2022	डॉ. एस रामकृष्ण
1973-76	डॉ. एस. एम. सरकार	2019-2022	डॉ. अनूप कुमार जैन

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महासचिव

वर्ष	नाम	वर्ष	नाम
1913-14	श्री डी. हूपर	1968-71	डॉ. एस. एम. सरकार
1914-16	डॉ. जे. एल. साइमनसन	1971-74	प्रो. ए. के. शाहा
1916-19	श्री आर. डी. मेहतता	1974-76	प्रो. ए. के. शर्मा
1919-20	श्री डी. आर. भंडारकर	1976-77	प्रो. ए. के. साहा
1920-21	श्री डब्ल्यू. डब्ल्यू. के पाजे	1977-80	प्रो. डी. एन. कुंडू
1920-21	श्री ओसवाल्ड मार्टिन	1980-82	प्रो.(श्रीमती) अर्चना शर्मा
1921-22	श्री ए. के. हार्ले	1982-85	प्रो. डी. के. सिन्हा
1922-23	श्री डब्ल्यू. आर. सी. ब्रायरले	1985-86	प्रो. अशोक घोष
1923-24	डॉ. सी. वी. रमन	1986-88	डॉ. सत्येश चन्द्र पक्राशी
1924-25	डॉ. बेनी प्रसाद	1988-89	प्रो. डी. के. सिन्हा
1925-26	डॉ. एस. एल. होरा	1989-91	प्रो. डी. पी. चक्रवर्ती
1927-30	डॉ. बेनी प्रसाद	1991-92	डॉ. डी. बसु
1930-31	श्री के. सी. महिंद्रा	1992-94	प्रो. एस. पी. मुखर्जी
1931-32	श्री जैस इंश	1994-95	डॉ. डी. बसु
1932-34	श्री के. सी. महिंद्रा	1995-98	डॉ. एस. बी. महतो
1934-37	डॉ. एस. एल. होरा	1998-2000	प्रो. ए. बी. बनर्जी
1937-38	राय बहादुर, डॉ. एस. एल. होरा	2000-2001	प्रो. एस. पी. मुखर्जी
1938-39	श्री पर्सी ब्राउन	2001-2003	प्रो. बी. पी. चटर्जी
1939-44	प्रो. जे. एन. मुखर्जी	2003-2004	प्रो. ए. बी. बनर्जी
1944-49	प्रो. पी. राय	2004-2006	प्रो. अभिजीत बनर्जी
1949-52	प्रो. के. एन. बग्ची	2006-2007	प्रो. ए. बी. बनर्जी
1952-55	प्रो. पी. सी. महालोबनिस	2009-2010	प्रो. बी. पी. चटर्जी
1955-58	प्रो. बी. के. सरकार	2010-2013	इंजीनियर निलांशु भूषण बासु
1958-60	डॉ. बी. सी. गुहा	2013-2016	प्रो. ध्यानेन्द्र कुमार
1960-65	प्रो. पी. के. बोस	2016-2019	प्रो. रणजीत कुमार वर्मा
1965-68	प्रो. (श्रीमती) असिमा चैटर्जी	2019-2022	डॉ. शिव सत्य प्रकाश

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

लेखा परीक्षा रिपोर्ट एवं लेखें

31मार्च, 2020



ए. व्ही. एस. एस. और सहयोगी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

शाखा कार्यालय: पोद्दार कोर्ट, 18 स्वीन्द्र सरानी, गेट नंबर 1, 5 वीं मंजिल कमरा नंबर 542 कोलकाता 700001

प्रधान कार्यालय: एमएसएवी -03, फेज -1, बंगाल हाउसिंग कॉम्प्लेक्स, सिटी सेंटर, दुर्गापुर -713216

अन्य शाखाएँ: कोलकाता, मुंबई

संपर्क: डायल: +91 8420868317

फैक्स: + 9134-32545664, 033-40719053

ईमेल: rohitashguptadgp@gmail.com

जीएसटीएन: 19AAWFA8053BIZ8

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन

भारतीय विज्ञान कांग्रेस के सदस्यों के प्रति वित्तीय विवरण पर रिपोर्ट

राय:

हमने M/S भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के अकेले वित्तीय वक्तव्य का ऑडिट किया है, जिसमें 31 मार्च 2020 तक की बैलेंस शीट, उस तारीख, आय और व्यय के अनुदान (योजना और गैर योजना) के रूप में बैलेंस शीट शामिल है। उस वर्ष की रसीदें और भुगतान खाते भी उस तारीख को समाप्त हो गए जो महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य व्यक्ति व्याख्यात्मक जानकारी का सारांश है।

हमारी राय में हमारी सबसे अच्छी जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, योग्यता के आधार पर दी गई योग्य राय को छोड़कर, पूर्वोक्त स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण अधिनियम द्वारा आवश्यक जानकारी को आवश्यक तरीके से देते हैं और 31 मार्च, 2020 तक संगठन के मामलों की स्थिति में भारत में आम तौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप आवश्यक तरीके के अनुरूप सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण।

राय के लिए आधार:

हम भारत के चार्टर्ड अकाउंटेंट के संस्थान द्वारा जारी ऑडिटिंग के मानकों के अनुसार हमारे ऑडिट का संचालन करते हैं। हम भारत के चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के संस्थान द्वारा जारी नैतिक आचार संहिता के अनुसार उन नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार स्वतंत्र है जो हमारे वित्तीय विवरणों के ऑडिट के लिए प्रासंगिक हैं, और हमने उनके अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को आवश्यकताओं और आचार संहिताओं के साथ पूरा किया है। हम मानते हैं कि हमने जो ऑडिट साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वह हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

योग्यता का आधार:

- वर्ष के दौरान सरकार से प्राप्त अनुदान AS-12 के अनुसार बुक किया गया है। एक ही अनुदान के लिए सामंजस्य उपलब्ध कराया गया है, लेकिन कुल संपत्ति खाते और गैर आवर्ती निधि अनुदान के बीच अंतर के लिए कोई सामंजस्य उपलब्ध नहीं कराया जा सकता है।
- बैंक द्वारा जमा की गई सावधि जमा पर ब्याज स्रोत पर काटे गए कर का शुद्ध है। विभिन्न फंडों पर ब्याज कर के दायरे में लिया गया है जो कि सकल मूल्य पर होना चाहिए था। विभिन्न फंडों पर ब्याज से स्रोत पर काटा गया कुल आयकर नीचे दिया गया है -
 - F.y 2019-20 ₹9,25,883.00 (इसमें अक्षय निधि के एफ़डी पर टीडीएस शामिल हैं)

b. F.y 2018-19 ₹8,65,769.00 (बंदोबस्ती निधि की राशि पर टीडीएस सहित - ₹1,16,075.00)

c. F.y 2017-18 ₹9,51,651.00

d. F.y 2016-17 ₹10,11,501.00

इनका लेखा-जोखा निधि और ₹9,25,883.00 द्वारा निवेश मूल्य के परिणाम स्वरूप नहीं किया गया है। चालू वर्ष 2018-19 ₹8,65,769.00 के लिए ₹9,25,883.00 (नोटों के लिए नोटों में 18(6 नोटों को देखें)।

स्रोत ₹9,25,883.00 पर घटाए गए आयकर का और अधिक गैर लेखांकन संस्था को नुकसान होगा, क्योंकि यह खातों की पुस्तकों में अग्रिम कर के रूप में नहीं दिखाया गया है।

3. ₹ 32,40,302 की आकस्मिक देयता। AY2012-13 के लिए विवाद/ अपील के तहत आयकर की मांग के लिए का 11 खातों में जिक्र किया गया है। हालांकि, उसी की वर्तमान स्थिति हमें उपलब्ध नहीं कराई जा सकी है। (नोट देखें - 18(7))।

4. 2019-20 के दौरान 25 शाखाओं को राशि ₹1,06,50,000.00। इन शाखाओं में से, 15 शाखाओं ने उपयोग प्रमाण पत्र भेजा है। उन्होंने ₹58,81,824.00 खर्च किया है। विभिन्न उद्देश्यों के लिए खर्चों की प्रकृति और किए गए वास्तविक खर्चों के संबंध में कोई शुल्क नहीं लिया गया। वर्ष 2018-19 के दौरान शाखाओं ने उपयोग प्रमाणपत्रों को ₹41,15,000.00 जमा नहीं किया। इस साल उन 8 शाखाओं में से 4 शाखाओं में ₹28,43,600.00 की राशि का उपयोग प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है। (नोट 18(10) देखें)।

5. संघ विभिन्न उद्देश्यों के लिए विभिन्न कोष रखता है। यह देखा गया है कि फंड और पेंशन फंड के निर्माण के मामले में, फंड बैलेंस उस निवेश मलिक से मेल नहीं खाता है जिसके लिए कोई सुलह नहीं हुई है।

6. बिलडिंग पर जो बहुत पहले बनाया गया था बिना किसी कार्यवाही या लेनदेन के आगे बढ़ाया जा रहा है।

7. ₹ 19,97,350 की एक राशि जुलाई, 2017 में प्राप्त हुए, सदस्यता के लिए आवेदन अभी भी सदस्यता आवेदन खाते में पड़ा हुआ है, लेखा परी की तारीख के रूप में (नोट संख्या 18(8) देखें)।

8. निम्नलिखित प्रगति लंबे समय तक अनुचित रूप से पड़ी रहती है।

2009-10	प्रकाशन सूचना केंद्र,	₹1,500.00,
2012-13	रामकृष्ण मिशन संस्थान रुपया संस्थान	₹8,300.00।

9. वर्ष के दौरान को लिखा गया है ₹ 47, 485.52 का आविष्कार। आगे M/s सेवा मुद्रण को ₹69,639.87 की प्राप्य के रूप में दिखाया गया है। जो लंबे समय से संस्था द्वारा झूठ बोल स्टॉक के रूप में ने दावा किया जाता है।

प्राभूत निधि

1. प्राभूत निधि की सावधि जमाओं पर ब्याज रसीद के आधार पर लिया गया है, न कि आकस्मिक आधार पर।

2. प्राभूत निधि से होने वाले ब्याज का भारी नुकसान बैंक के साथ सावधि जमा के ब्याज बचत खाते में रखा जाता है। ₹3,11,94,608.74 के कुल संतुलन से बाहर प्राभूत निधि में 31-03-2020 को ₹1,77,54,955.00 टर्म डिपॉजिट और बैलेंस ₹1,34,39,653.74 बचत खाते में रखा जाता है। वित्तीय वर्ष 2019-20 में (पुरस्कार) ₹2,60,271.80

है और 2018-19 में ₹5,89,753.75 बचत खाते में इतना बड़ा संतुलन रखने के कारणों की व्याख्या नहीं की जा सकती है।

इन मामलों में' हमारी राय को संशोधित किया गया है।

प्रमुख ऑडिट मामले:

भौतिक संपत्तियों के सत्यापन पर महामारी कोविड-19 का प्रभाव:

कोविड-19 की स्थिति के कारण संपत्तियों के भौतिक सत्यापन के लिए कार्यकारी समिति द्वारा चयनित व्यक्ति समय लेखा परीक्षा द्वारा परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन नहीं किया जा सकता था। इसलिए ऑडिट रिपोर्ट पढ़ते समय इस पर विचार किया जाना चाहिए।

वर्ष 2019-20 के लिए आदेश और डेटा सेवानिवृत्ति लाभ पर एकचुरियल रिपोर्ट तैयार करने के लिए नियुक्त एकचुरियल फर्म विलिस टावर वाटसन को दिया जाता है - और इसकी तैयारी चल रही है। इसलिए ऑडिट रिपोर्ट पढ़ते समय इस पर विचार किया जाना चाहिए।

स्टैंडअलोन वित्तीय वक्तव्यों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी:

संस्था का प्रबंधन अकेले इन स्टैंडों की तैयारी के लिए जिम्मेदार है जो वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन और संस्था के नगद/ बैंकों का लेखा मानकों के अनुसार और लेखा सिद्धांतों के अनुसार सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देता है जो आमतौर पर भारत में स्वीकार किया जाता है। इस जिम्मेदारी में संस्था की संपत्ति की सुरक्षा के लिए और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने का और पता लगाने के लिए कानून के अनुसार पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड का रखरखाव भी शामिल है, उचित लेखांकन नीतियों का चयन और आवेदन, निर्णय और अनुमान है कि उचित और विवेकपूर्ण है और आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव जो प्रभावी ढंग से चल रहे थे, जो कि एक सच्चे और निष्पक्ष दृष्टिकोण देने वाले वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुतीकरण के लिए प्रासंगिक लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए है। और सामग्री का दुरुपयोग चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण से मुक्त है।

वित्तीय वक्तव्यों की तैयारी में, प्रबंधन एक चिंता के रूप में जारी रखने की संगठन की क्षमता का आकलन करने के लिए जिम्मेदार है, लेखांकन के चलते चिंता के आधार पर उपयोग करते हुए चिंता विज्ञापन से संबंधित मामले के रूप में खुलासा जब तक प्रबंधन या तो संघ की समाप्त करने या संचालन को बंद करने का इरादा रखता है या ऐसा करने के लिए कोई वास्तविक विकल्प नहीं है।

प्रबंधन संस्था की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया का अवलोकन करने के लिए जिम्मेदार है।

वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियां:

हमारे उद्देश्य वित्तीय विवरणों के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है, क्योंकि संपूर्ण सामग्री के दुरुपयोग से मुक्त हैं, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण, और एक ऑडिटर की रिपोर्ट जारी करने के लिए जिसमें हमारी राय भी शामिल है। उचित आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन है लेकिन यह गारंटी नहीं है कि SAS के अनुसार किया गया ऑडिट हमेशा बाहर निकलने पर किसी सामग्री की गड़बड़ी का पता लगाएगा। गलतफहमी धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकती है और सामग्री मानी जाती है, यदि व्यक्तिगत रूप से या कुल में, तो इन वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने के लिए उन्हें यथोचित अपेक्षा की जा सकती है।

अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट: -

हम रिपोर्ट करते हैं कि:

1. हमने उन सभी सूचनाओं और स्पष्टीकरण और की तलाश की और प्राप्त की जो हमारे ऑडिट के उद्देश्य से हमारे ज्ञान और विश्वास के लिए आवश्यक थे;
2. हमारी राय में, कानून द्वारा आवश्यक खाताओं की उचित पुस्तकें संस्था द्वारा अब तक रखी गई है, जो उन पुस्तकों की परीक्षा से प्रकट होती है:
3. बैलेंस शीट, आय और व्यय खाते और इस रिपोर्ट द्वारा प्राप्त रसीदें और भुगतान खातों की पुस्तकों के साथ समझौते में है:
4. हमारी राय में उपरोक्त वित्तीय विवरण ICAI द्वारा जारी किए गए लेखांकन मानकों का अनुपालन करते हैं, जहां भी लागू हो, पेंशन, ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण पर देयताओं (AS-15) को छोड़कर और अचल संपत्तियों के मूल्यहास को छोड़कर इसके लिखित मूल्य (AS-10):
5. ऑडिटर की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले मामलों के संबंध में हमारी राय में और अधिक जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार:
 - a. संस्था ने नोटों के तहत वित्तीय स्थिति में नोट 11 पर लंबित मुकदमे बाजी के प्रभाव का खुलासा किया है।
 - b. संस्था के पास भी उत्पन्न अनुबंधों सहित कोई दीर्घकालिक अनुबंध नहीं था।
 - c. ऐसी कोई राशि नहीं थी जो संस्था द्वारा निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि में स्थानांतरित की जानी थी।

ए. व्ही. एस. एस और सहयोगी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन - 327456 ई



ए. सी. ए. अभिजीत सिंह
भागीदार
सदस्य संख्या 306958

स्थान: कोलकाता

दिनांक: 01.12.2020

यूडीआईएन: 20306958AAAABF4953

- 1) वर्ष के दौरान सरकार से प्राप्त अनुदान के अनुसार बुक किया गया है - सामान अनुदान के लिए AS-12 सामंजस्य उपलब्ध कराया गया है, लेकिन कुल संपत्ति और गैर आवर्ती निधि अनुदान के बीच अंतर के लिए कोई सुझाव उपलब्ध नहीं कराया जा सकता है।
- 2) बैंक द्वारा जमा की गई सावधि जमा पर ब्याज रोड पर काटे गए करता शुद्ध है। विभिन्न खंडों पर ब्याज कर के दायरे में लिया गया है जो कि सकल मूल्य पर होना चाहिए था। विभिन्न खंडों पर ब्याज से स्रोत पर काटा गया कुल आयकर नीचे दिया गया है-
- क) वित्तीय वर्ष 2019-20 में ₹9,25,883 (इसमें प्रारूप निधि की एफडी शामिल है।)
- ख) वित्तीय वर्ष 2018-19 ₹8,65,769 (प्रभूत निधि के एफबी पर टीडीएस सहित ₹1,16,075)
- ग) वित्तीय वर्ष 2017-18 ₹9,51,651
- घ) वित्तीय वर्ष 2016-17 ₹10,11,501
- इनका लेखा-जोखा निधि और रुपए ₹9,25,883 द्वारा निवेश विलय के परिणाम स्वरूप नहीं किया गया है (चालू वर्ष के लिए और खातों के लिए नोटों के लिए नोट संख्या 18 6 देखें 2018-19 के वर्तमान वर्ष के लिए रुपए ₹8,65,769 स्रोत पर आयकर में कटौती का और अधिक गैर लेखा ₹9,25,033 से 33 संस्था का नुकसान होगा क्योंकि यह खातों की पुस्तकों में अग्रिम आयकर के रूप में नहीं दिखाया गया है
- 3) ₹32,40,302 कि आकस्मिक देनदारी वित्तीय वर्ष 2012-13 के लिए विवाद/ अपील कि के तहत आयकर माँग के लिए का उल्लेख किया गया है, नोट सं खातों में 11 से/ हालांकि, उसी कि वर्तमान स्थिति हमें उपलब्ध नहीं कराई जा सकी। (नोट देखें 18(7))
- पिछले कुछ वर्षों से ISCA ने लेखांकन पूंजी अनुदान को AS-12 के अनुसार शुरू किया है हालांकि, कुल संपत्ति खाते और गैर आवर्ती निधि अनुसार के बीच अंतर के लिए सुलह अभी भी प्रक्रिया में है।
- फार्म 16 ब्याज पर TDS की ओर बैठ द्वारा जारी किया गया है। यह स्पष्ट रूप से प्रतिबिंबित नहीं करता है कि किस ब्याज से TDS काटा गया है। इसके अलावा कुछ TDS विवरण सभी - 4 तिमाहियों में प्रमाण-पत्र से गायब है। इसलिए बैंक के साथ बार-बार चर्चा के बाद भी सावधि जमा ब्याज का उचित लेखा-जोखा नहीं किया जा सका है।
- वर्ष 2019 के बाद से टैक्स ऑडिट और आयकर फ़ाईलिंग को हर साल पूरा किया जाना चाहिए ताकि संस्था को TDS का रिफ़ंड मिल सके।
- निर्णय के लिए मामले को कार्यकारी समिति के समक्ष रखा जाता है।
- आयकर अपील जो हमने संबंधित वर्ष के लिए दायर की थी वह अभी सुनवाई के लिए नहीं है, इसलिए मामला लंबित है।

- 4) 25 शाखाओं को भेजी गई राशि ₹1,06,50,000 वर्ष 2018-19 और 2019-20 में उपयोग प्रमाण पत्र भेजने और लेखा परीक्षित खातों के संबंध में ईमेल शाखाओं को भेजा गया है। वर्ष 2018-19 में 25 शाखाओं में से केवल 4 शाखाओं में ₹9,01,400 की राशि तक उपयोग प्रमाण पत्र प्रदान नहीं किया गया है। वर्ष 2019-20 के लिए 25 शाखाओं में से केवल 10 शाखाओं ने ₹47,08,175 की राशि तक उपयोग प्रमाण पत्र प्रदान नहीं किया गया है। वे महामारी की स्थिति के कारण समय पर जमा नहीं कर सके हैं और विस्तार के लिए अनुरोध किया गया है।
- 5) संस्था विभिन्न उद्देश्यों के लिए विभिन्न कोष रखता है। यह देखा गया है कि फंड और पेंशन फंड के निर्माण के मामलों में, फंड शेष इस निवेश मूल्य के साथ मेल नहीं खाता है जिसके लिए कोई सुलह नहीं किया गया है। पेंशन में अंतर को समेट कर अगले ऑडिट में रखा जाएगा जैसा कि फंड बनने के लिए होता है, फंड बैलेंस में अंतर लंबे समय से अज्ञात के कारण से था।
- 6) बिलडिंग फंड जो बहुत पहले बनाया गया था, बिना किसी कार्रवाई या लेनदेन के आगे बढ़ाया जा रहा है। 12-12-2019 को सलाह के लिए DST के सचिव को पत्र भी भेजा गया है
- 7) ₹ 19,97,350 की एक राशि जुलाई, 2017 में प्राप्त हुए, सदस्यता के लिए आवेदन अभी भी सदस्यता आवेदन खाते में पड़ा हुआ है, ऑडिट की तारीख के रूप में (नोट संख्या 18(8) देखें)। चूंकि किसी भी व्यक्ति या संस्था से कोई दावा नहीं किया गया है, इसलिए आयकर को सदस्यता आवेदन के पैसे का भुगतान करना होगा। ₹19,67,350 और शेष राशि को वर्ष 2020-21 के लिए आए माना जाएगा। निर्णय के लिए मामलों को कार्यकारी समिति के समक्ष रखा जाता है
- 8) निम्नलिखित प्रगति लंबे समय तक अनुचित रूप से पड़ी रहती है। सार्वजनिक सूचना केंद्र के साथ शेष राशि को वर्ष 2020-21 में समायोजित किया जाएगा। रिमाइंडर को रामकृष्ण मिशन संस्थान भेजा गया है।
2009-10 प्रकाशन सूचना केंद्र, ₹1,500.00,
2012-13 रामकृष्ण मिशन संस्थान रुपया संस्थान
₹8,300.00

- 9) ₹ 47,485.52 का आविष्कार वर्ष के दौरान को लिखा गया है। यह राशि भुगतान के कारण उनके बिल के साथ समायोजित की गई है।
- आगे M/s सेवा मुद्रण को ₹69,639.87 की प्राप्य के रूप में दिखाया गया है। जिसे संस्था ने दावा किया गया है कि स्टॉक लंबे समय से उनके साथ झूठ बोल रहा है।

प्राभूत निधि

- 1) बंदोबस्ती निधि सावधि जमा पर ब्याज रसीद के आधार पर लिया गया है, न कि आकस्मिक आधार पर। हम बंदोबस्ती निधि के खातों से गुजरे हैं और पाया है कि सावधि जमा पर अर्जित वास्तविक सभी फंडों पर मासिक आधार पर जमा किया जाता है। इसलिए, लेखांकन का प्रश्न आकस्मिक आधार उत्पन्न नहीं होता है।
- 2) प्राभूत निधि से होने वाले ब्याज का भारी नुकसान बैंक के साथ सावधि जमा के ब्याज बचत खाते में रखा जाता है। ₹3,11,94,608.74 के कुल संतुलन से बाहर बंदोबस्ती निधि में 31-03-2020 को ₹1,77,54,955.00 टर्म डिपॉजिट और बैलेंस ₹1,34,39,653.74 बचत खाते में है। वित्तीय वर्ष 2019-20 में (पुरस्कार) ₹2,60,271.80 है और 2018-19 में ₹5,89,753.75 बचत खाते में इतना बड़ा संतुलन रखने के कारणों की व्याख्या नहीं की जा सकती है। हम सभी सावधि खातों के बचत खातों के शेष राशि को सावधि जमा में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया में है।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

14, डॉ. बीरेश गुहा स्ट्रीट, कोलकाता - 700 017

31, मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए प्रति एवं भुगतान लेखे से संबंधित समेकित विवरण

प्रतिषेध	भुगतान	विवरण	भुगतान	कुल
	₹		₹	₹
प्रारम्भिक क. नकद एवं बैंक शेष :	-		18,317,493.63	18,321,168.63
हाथ में चेक-इ	-	कर्मचारी भविष्य निधि में अंशदान	767,277.00	767,277.00
बैंक में चेक-इ : भारतीय स्टेट बैंक	-	कर्मचारी पेंशन निधि में अंशदान	5,453,272.00	5,453,272.00
: भारतीय स्टेट बैंक ए / सी कार्पोरेशन लिमिटेड	-	विद्युत प्रभार	-	554,836.00
: स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	-	दूरभाष प्रभार	88,820.00	88,820.00
सदस्यता शुल्क (सभी वर्ष)	-	पीवहन व्यय	43,909.00	43,909.00
प्रवेश शुल्क	-	नगरपालिका कर	889.00	889.00
आजीवन सदस्यता शुल्क	3,821,800.00	प्रिण्ट बीमा	19,895.00	19,895.00
डाक व्यय	-	सुझा गार्ड पर व्यय	1,628,517.00	1,628,517.00
साकारी अनुदान	-	सकाई एवं भवन अनुक्षण	463,457.00	463,457.00
प्रकाशन विक्री	1,200.00	छुट्टी यात्रा फिखत	410,123.00	410,123.00
निविदा - कागज (टेंडर पेपर) की विक्री	-	बीमा	16,873.00	16,873.00
जन्त संबंधी शुल्क (गैर - सदस्य)	-	अतिथि गृह संबंधी व्यय	58,086.00	58,086.00
विविध आय	-	विज्ञापन	104,407.00	104,407.00
वसूला गया-ऑनमि :	-	अनुपुनियों अद्यक्षों एवं सयोगकों से संबंधित डाक व्यय एवं लेखन सामग्री	-	49,000.00
सामान्य	1,317,364.00	विद्यमान सवृधियों का उत्पन्न एवं अन्य सधु	-	436,745.00
अतिथि गृह में रहने का प्रभार	28,600.00	सामान्य प्रिंटिंग	-	1,832,923.00
संस्था के व्याख्यान कक्ष से संबंधित सेवा प्रभाव की प्रतिकूलि	71,600.00	सर्वीय प्रकाशन	-	1,571,996.00
प्रतिधारण धन	90,695.00	कार्यवाहियों का प्रकाशन	-	21,840.00
अर्चित व्याज	-	जन्त का प्रकाशन	-	2,871,219.00
		टीडीएस ट्रेकेटर	201.00	201.00
		लेखन - साप्ताहिक प्रभार	-	164,539.00
		डाक व्यय	-	4,840,798.00
		आकस्मिक व्यय	-	174,426.00
		यात्रा व्यय	-	3,453,843.00
		छपाई का कागज	-	2,648.00
		ISCA शाखाएँ	-	5,058,030.00
		सोशली, परिवर्तन, वाद - विवाद एवं व्याख्यान आयोजित करने पर	-	5,600,000.00
		रख-बाधा के लिए व्यय	-	27,846.00
		पूर्विले खर्चे	3,435.00	3,435.00
		अग्रिम	-	-
		-साधारण	1,117,415.00	1,117,415.00
		-जमा	26,672.00	26,672.00
		संस्था के प्लेटिनम ज्वंती व्याख्यान के लिए मानदेय	-	130,000.00
		भवन की मरम्मत और नवीनीकरण	-	37,400.00
		पोस्टर प्रस्तुत फुस्कर	-	80,000.00

प्रतिवेदन		भुगतान	
विवरण	भारत	विदेश	कुल
विवरण	भारत	विदेश	कुल
	₹	₹	₹
योग और कागज का मुल्यमापन	-	85,000.00	85,000.00
वित्तिक व्यय	-	294,073.00	294,073.00
युवा वैज्ञानिक पुरस्कार	-	175,000.00	175,000.00
युवा वैज्ञानिक यात्रा व्यय	-	193,330.00	193,330.00
युवा वैज्ञानिक आकाशिक व्यय	-	14,500.00	14,500.00
बैठक फीस	-	1,100,000.00	1,100,000.00
सर्विस खर्च	-	3,200.00	3,200.00
ए. सी. प्लॉट का परिचालन एवं रखरखाव	100,300.00	-	100,300.00
आजीवन सदस्यता शुल्क निधि में अंतर्ण	42,267.00	2,191,694.00	2,233,961.00
बकाया देय	-	-	4,600,000.00
आयुर्वेदिक युक्त फेलोशिप	15,000,000.00	-	15,000,000.00
प्रगति में पूंजी कार्य	-	-	39,662.00
प्रतिधारण धन	-	317,080.00	317,080.00
उपकरण	-	18,900.00	18,900.00
युवा वैज्ञानिक विज्ञान	3,204.12	-	3,204.12
बैंक प्रभार	-	-	-
रोकड़ शेष एवं बैंक अमाशिशि	-	-	-
हस्तगत रोकड़	-	-	2,000.00
बैंक में शेष रोकड़ : एच. बी. आई में रोकड़	-	-	3,887,744.02
: स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में रोकड़	-	-	13,356,049.17
: स्टेट बैंक ऑफ इंडिया -साविस खाता	-	-	3,005.00
: स्टेट बैंक ऑफ इंडिया -साविस खाता	-	-	2,500.00
	43,666,512.75	31,844,203.00	99,864,013.94

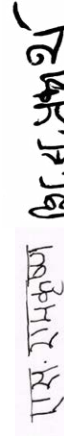
कुल ए. सी. ए. और सहयोगियों के लिए

चाटई अकाउंटेंट
एच. आर. एन. 327456ई



(सी. ए. अंकिजोत सिंह)

भारत
सदस्य संख्या 306958



डॉ. एम. रामकृष्ण

महामंडल (सदस्यता कार्य)
डॉ. शिव शंकर प्रकाश
कोषाध्यक्ष


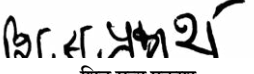
स्थान: कोलकाता
दिनांक : 01/12/2020

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

14, डॉ. वीरेश गुहा स्ट्रीट, कोलकाता - 700 017

31 मार्च, 2020 के रूप में तुलन पत्र

(रुपे में)

	विवरण	नोट	31 मार्च, 2020 के रूप में	31 मार्च, 2019 के रूप में
I	देयताएं			
1	निधि			
(क)	भंडार और अधिशेष - फंड	1	137,303,979.35	123,838,297.79
	- गैर आवर्ती निधि अनुदान	1a	23,785,407.67	23,785,407.67
	- पंजी अनुदान	1b	19,553,000.00	1,167,000.00
2	गैर - वर्तमान देयताएं			
(क)	लंबी - अवधि के प्रावधान	2	37,475,924.45	48,523,840.35
3	मौजूदा देनदारी			
(क)	न्यू मौजूदा देनदारियाँ	3	4,419,117.60	4,679,250.25
	कुल		222,537,429.07	201,993,796.06
II	संपत्ति			
1	गैर तात्कालिक परिसंपत्ति			
(क)	संपत्ति			
	(i) मूर्त संपत्ति	4	25,451,215.66	26,633,789.59
	(i)क) प्रगति कार्य में पंजी-मर्तू	4	15,052,492.75	52,493.00
	(ii) अप्रत्यक्ष संपत्ति	4	-	-
	(ii)क) पंजीगत कार्य प्रगति पर-अमर्तू	4	-	-
(ख)	गैर मौजूदा निवेश	5	160,416,509.69	161,678,470.70
(ग)	लंबी - अवधिपूर्ण और अग्रिम	6	1,783,154.00	3,048,303.00
(घ)	अन्य गैर - मौजूदा संपत्ति	7	387,914.51	387,914.51
2	मौजूदा संपत्ति			
(क)	माल	8	-	47,485.32
(ख)	नगद और नगद समकक्ष	9	17,253,933.59	7,991,131.94
(ग)	लघु - अवधिपूर्ण और अग्रिम	10	-	32,400.00
(घ)	अन्य मौजूदा संपत्ति	11	2,192,208.87	2,121,808.00
	कुल		222,537,429.07	201,993,796.06
	महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	17		
	लेखा पर नोट्स	18	-	
नोट इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न हिस्सा है। आज की तारीख में संलग्न रिपोर्ट के बारे में				
कृते ए. व्ही . एस. एस. और सहयोगियों के लिए चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट एफ. आर. एन. 327456ई				
ए. सी. ए. अभिजीत सिंह भागिदार सदस्य संख्या 306958 स्थान: कोलकाता दिनांक: 01/12/2020		  डॉ. एस. रामकृष्ण महा सचिव (सदस्यता कार्य) शिव सत्य प्रकाश कोषाध्यक्ष		

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

14, डॉ० बरिश गुहा स्ट्रीट, कोलकाता - 700 017

31, मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए योजनागत आय - व्यय लेखा

क्र. सं.	विवरण	नोट	2018-19 रु.	2017-18 रु.
क.	आय			
1	सरकार से अनुदान कम: आशुतोष मुखर्जी निधि में स्थानांतरण कम: योजना निर्माण से भवन निधि में स्थानांतरण कम: गैर - आवर्ती निधि में स्थानांतरण	12	6,39,27,000.00 46,00,000.00 - -	4,48,06,000.00 - - -
2	अन्य कार्यकलापों से आय	13	5,93,27,000.00 43,75,551.26	4,48,06,000.00 50,14,468.34
			6,37,02,551.26	4,98,20,468.34
B.	व्यय			
3	वैज्ञानिक कार्यकलापों एं पुरस्कारों में खर्च	14	1,70,34,693.00	1,67,23,584.00
4	अन्य खर्च	15	1,72,59,983.04	1,94,84,369.24
5	कर्मचारियों के लाभ का खर्च	16	2,59,76,153.63	2,71,45,023.00
6	हास	4	15,42,091.32	16,38,041.31
			6,18,12,920.99	6,49,91,017.55
	आय से अधिक व्यय पर		18,89,630.27	(1,51,70,549.21)
	जो: अधिवेष/ (घाटा) पिछले साल से प्राप्त		(1,07,28,129.50)	44,42,419.71
			(88,38,499.23)	(1,07,28,129.50)
	महत्वपूर्ण लेखा नीति	17		
	लेखा संबंधी टिप्पणियाँ	18		
	हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार			

कृते ए. व्ही . एस. एस. और सहयोगियों के लिए
चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट

एफ. आर. एन. 327456ई

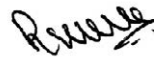


ए. सी. ए. अभिजीत सिंह
भागीदार

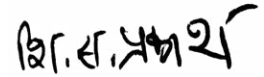
सदस्य संख्या 306958

स्थान: कोलकाता

दिनांक: 01/12/2020



डॉ० एस. रामकृष्ण
महा सचिव (सदस्यता कार्य)



शिव सत्य प्रकाश
कोषाध्यक्ष

वित्तीय व्यय करने के लिए नोट्स
31, मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए
नोट 1
निधि

	वर्ष समाप्त 31.03.2020 राशि	वर्ष समाप्त 31.03.2019 राशि
अन्य निधि		
सामान्य निधि		
उद्घाटन वर्ष	13,14,177.48	13,10,709.84
के दौरान जोड़ राशि	3,694.03	3,467.64
वर्ष के दौरान भुगतान	-	-
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	13,17,871.51	13,14,177.48
आरक्षित निधि		
उद्घाटन राशि	75,42,648.70	69,88,058.69
वर्ष के दौरान जोड़	5,81,281.33	5,54,590.01
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	81,23,930.03	75,42,648.70
सार्वजनिक सूचना अधिकारी निधि		
उद्घाटन राशि	4,100.00	3,940.00
वर्ष के दौरान जोड़	178.60	160.00
वर्ष के दौरान कम भुगतान	1,643.20	-
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	2,635.40	4,100.00
सर आशुतोष मुखर्जी फैलोशिप अवार्ड फंड		
उद्घाटन वर्ष	16,96,043.00	29,68,318.00
के दौरान जोड़ राशि	-	58,232.00
वर्ष के दौरान कम भुगतान	-	27,60,000.00
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	16,96,043.00	2,66,550.00
कुल	1,11,40,479.94	91,27,476.18
संपत्ति कोष		
भवन निधि		
उद्घाटन वर्ष	11,67,641.47	10,79,989.18
के दौरान जोड़ राशि	-	51,488.47
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	11,67,641.47	11,31,477.65
आवास निर्माण अग्रिम निधि		
उद्घाटन वर्ष	11,68,870.78	10,53,697.46
के दौरान जोड़ राशि	-	59,585.10
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	11,68,870.78	11,13,282.56

ISCA विकास निधि

उद्घाटन वर्ष	1,28,97,879.38	1,22,62,832.49
के दौरान जोड़ राशि	6,20,042.79	6,35,046.89
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	1,35,17,922.17	1,28,97,879.38

योजना आवास निधि

उद्घाटन वर्ष	1,75,07,545.32	1,75,07,545.32
के दौरान जोड़ राशि	-	-
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	1,75,07,545.32	1,75,07,545.32
कुल	3,33,61,979.74	3,26,50,184.91

आजीवन सदस्यता शुल्क निधि

उद्घाटन राशि	9,27,88,766.20	8,41,18,655.51
वर्ष के दौरान जोड़	1,00,83,135.15	97,86,128.39
	10,28,71,901.35	9,39,04,783.90
वर्ष के दौरान कम भुगतान	12,31,882.45	11,16,017.70
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	10,16,40,018.90	9,27,88,766.20
कुल	10,16,40,018.90	9,27,88,766.20

आय व्यय खाते में जमा शेष

	Rs	Rs
उद्घाटन राशि	(1,07,28,129.50)	44,42,419.71
वर्ष के दौरान जोड़	18,89,630.27	(1,51,70,549.21)
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	(88,38,499.23)	(1,07,28,129.50)
कुल	13,73,03,979.35	12,38,38,297.79

नोट 1क

गैर आवर्ती निधि अनुदान		
उद्घाटन राशि	2,37,85,407.67	2,37,85,407.67
वर्ष के दौरान कम भुगतान		-
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	2,37,85,407.67	2,37,85,407.67

नोट 1ख

राजधानी अनुदान		
-अन्य	45,53,000.00	11,67,000.00
-आवास 2019-2020	1,50,00,000.00	
	1,95,53,000.00	11,67,000.00

नोट 2**गैर – मौजूदा देनदारियाँ****लंबी अवधि के प्रावधान****प्रेच्युटी फंड**

उद्घाटन राशि	1,77,15,323.11	1,75,17,054.83
वर्ष के दौरान जोड़	8,07,994.31	8,37,033.28
	1,85,23,317.42	1,83,54,088.11
वर्ष के दौरान कम भुगतान	43,68,859.00	6,38,765.00
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	1,41,54,458.42	1,77,15,323.11

पेंशन निधि

उद्धाटन राशि	1,76,17,640.15	1,69,27,099.21
वर्ष के दौरान जोड़ (ब्याज)	8,93,044.19	8,58,324.94
वर्ष के दौरान जोड़ (अन्य स्थानांतरण)	63,87,261.00	46,60,888.00
	2,48,97,945.34	2,24,46,312.15
वर्ष के दौरान कम भुगतान	1,19,84,065.00	48,28,672.00
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	1,29,13,880.34	1,76,17,640.15

छुट्टी नगदीकरण निधि

उद्धाटन राशि	1,31,90,877.09	1,29,19,068.41
वर्ष के दौरान जोड़	6,18,004.60	6,38,936.68
	1,38,08,881.69	1,35,58,005.09
वर्ष के दौरान कम भुगतान	34,01,296.00	3,67,128.00
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	1,04,07,585.69	1,31,90,877.09
कुल	3,74,75,924.45	4,85,23,840.35

नोट 3**मौजूदा देनदारियाँ****बकाया देयताएँ**

गैर योजना	2,13,892.00	42,639.00
योजना	18,24,273.60	22,73,619.25
	20,38,165.60	23,16,258.25

जमा

पिछले खाते के अनुसार	3,38,204.00	4,40,240.00
जोड़: जोड़	-	2,00,790.00
	3,38,204.00	6,41,030.00
कम: भुगतान	32,372.00	3,02,826.00
	3,05,832.00	3,38,204.00

योजना प्रतिधारण धन

प्रारम्भिक	1,07,770.00	3,06,682.00
वर्ष के दौरान जोड़	-	47,556.00
	1,07,770.00	3,54,238.00
वर्ष के दौरान कम भुगतान	-	2,97,501.00
वर्ष के अंत तक निबल शेष	1,07,770.00	56,737.00

अग्रिम

सदस्यता शुल्क	-	701.00
सदस्यता आवेदन पैसे	19,67,350.00	19,67,350.00
	19,67,350.00	19,68,051.00
कुल	44,19,117.60	46,79,250.25

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

नोट-4 2019-2020 के अचल सम्पत्ति अनुसूची

विवरण	दर	मूल लागत 01-04-19 को	वृद्धि समयोजन	विक्री / समयोजन	मूल लागत 31-03-2020 तक	मूल्यहास तक 31- 03-19	मूल्यहास वर्ष से संबन्धित	समायोजन का समयोजन	कुल मूल्यहास 31-03-20को	निवल ब्लॉक 31-03-20 को	निवल ब्लॉक 31-03-19 को	मूल्यहास जिसपर 31-03-10 तक खान नहीं दिया गया
		₹	₹	₹	₹	₹	₹	₹	₹	₹	₹	₹
1) भवन निधि संबंधी												
मुख्य भवन	10	432,682.25	-	-	432,682.25	95,056.02	14,547.34	-	109,603.36	323,078.89	337,626.23	192,152.83
अभवन	10	64,191.61	-	-	64,191.61	12,376.19	421.83	-	12,798.02	51,393.62	51,815.45	47,597.14
कुल		496,873.86	-	-	496,873.86	107,432.21	14,969.17	-	122,401.38	374,472.52	389,441.69	239,749.97
2) कार्यालय की साज - सजा के लिए												
योजनागत अनुदान संबंधी												
i) साज - सजा अतिरिक्त												
भवन निर्माण	10	8,935,512.82	-	-	8,935,512.82	2,013,901.16	579,848.14	-	2,593,749.30	6,341,763.50	6,921,611.64	1,123,130.28
ii) नलकूप	10	467,573.12	-	-	467,573.12	33,568.19	1,144.04	-	34,712.23	432,860.89	434,004.93	422,564.50
iii) व्याख्यान कक्ष का वातावरण	10	3,744,567.74	-	-	3,744,567.74	425,441.51	60,862.97	-	486,304.48	3,258,263.27	3,319,126.24	2,832,222.50
कुल		13,147,653.68	-	-	13,147,653.68	2,472,910.86	641,855.15	-	3,114,766.01	10,032,887.66	10,674,742.81	4,377,917.28
3) गैर योजना अनावली निधि												
अनुदान संबंधी												
i) फ़ैसल मरीन	10	51,979.20	-	-	51,979.20	1,391.73	47.38	-	1,439.11	50,540.09	50,587.46	50,113.08
ii) JEP ABX मरीन	10	172,920.00	-	-	172,920.00	50,557.03	2,862.88	-	53,419.91	119,500.09	122,362.97	93,734.15
कुल		224,899.20	-	-	224,899.20	51,948.76	2,910.26	-	54,859.02	170,040.18	172,950.43	143,847.23
4) गैज भवन निधि												
अनुदान संबंधी												
गैज भवन	10	10,701.95	-	-	10,701.95	2,459.21	83.80	-	2,543.01	8,158.94	8,242.74	7,404.66
कुल		10,701.95	-	-	10,701.95	2,459.21	83.80	-	2,543.01	8,158.94	8,242.74	7,404.66
5) टाइपराइटर समावर्ती निधि												
अनुदान संबंधी												
i) टाइपराइटर	10	9,088.79	-	-	9,088.79	18.16	0.64	-	18.80	9,069.98	9,070.62	9,064.26
कुल		9,088.79	-	-	9,088.79	18.16	0.64	-	18.80	9,069.98	9,070.62	9,064.26

विवरण	दर	मूल लागत 01-04-19 को	वृद्धि समयोजन	बिक्री / समयोजन	मूल लागत 31-03-2020 तक	मूल्यांकन तक 31-03-19	मूल्यांकन वर्ष से संबंधित	समायोजन का समयोजन	कुल मूल्यांकन 31-03-20 को	निवल ब्लॉक 31-03-20 को	निवल ब्लॉक 31-03-19 को	मूल्यांकन विवरण 31-03-10 तक ध्यान नहीं दिया गया
6) योजनागत अनावर्ती निधि												
अमुदान संबंधी												
i) टाइमपाइटर	10	48,417.49	-	-	48,417.49	4,011.22	136.68	-	4,147.90	44,269.59	44,406.26	43,039.44
ii) फर्नीचर												
सामान्य	10	1,145,142.81	-	-	1,145,142.81	429,826.68	33,794.96	-	463,621.64	681,521.17	715,316.13	377,366.51
व्याख्यान कक्ष	10	90,726.00	-	-	90,726.00	52,226.13	2,719.35	-	54,945.48	35,780.52	38,499.87	11,306.40
अतिथि गृह	10	906,584.00	-	-	906,584.00	523,356.17	33,785.90	-	557,142.07	349,441.93	383,227.83	45,368.79
मुख्य भवन वातानुकूलन	10	1,181,906.49	-	-	1,181,906.49	494,970.44	25,337.67	-	520,308.11	661,598.38	686,936.05	433,559.37
iii) उपभवन का वातानुकूलन	10	436,044.00	-	-	436,044.00	113,487.04	25,441.87	-	138,928.91	298,843.09	324,284.96	69,866.25
iv) अनुलिपित्र	10	17,748.90	-	-	17,748.90	954.29	32.50	-	986.79	16,762.11	16,794.61	16,469.58
v) बुनार	10	35,755.75	-	-	35,755.75	2,856.59	97.37	-	2,953.96	32,801.79	32,899.16	31,925.46
vi) एलक्ट्रॉनिक टाइमपाइटर	10	31,642.97	-	-	31,642.97	1,694.91	57.75	-	1,752.66	29,890.31	29,948.04	29,370.49
vii) सिरोक्स मशीन	10	80,529.61	-	-	80,529.61	50,514.93	3,001.47	-	53,516.40	27,013.21	30,014.68	-
viii) कम्प्यूटर	60	998,698.99	11,151.00	-	1,009,849.99	496,412.02	35,886.21	-	532,298.23	477,551.76	502,286.97	442,547.90
ix) प्रोजेक्टर	10	52,600.00	-	-	52,600.00	23,471.00	2,912.90	-	26,383.90	26,216.09	29,128.99	101,335.90
x) चक्रदीवारी का निर्माण	10	101,656.95	-	-	101,656.95	12,053.96	410.84	-	12,464.80	89,192.15	89,602.99	85,494.63
xi) संस्था की पुानी कार्यवाहियों का डिजिटिकरण	60	168,786.10	-	-	168,786.10	60,525.24	0.24	-	60,525.48	108,260.63	108,260.87	108,260.46
xii) संस्था के प्रदर्शनी बोर्ड का आधुनिकीकरण	10	317,425.00	-	-	317,425.00	133,438.17	11,662.30	-	145,100.47	172,324.53	183,986.83	67,363.86
Xiii) जनसंवेदन प्रणाली	10	84,725.00	-	-	84,725.00	34,154.21	1,164.08	-	35,318.29	49,406.71	50,570.79	38,930.03
xiv) ड्रैमल	60	13,500.00	-	-	13,500.00	13,499.00	-	-	13,499.00	1.00	1.00	-
xv) कार्यालय की कार	15	711,986.00	8,700.00	-	720,686.00	180,084.40	40,913.02	-	220,997.42	499,688.57	531,901.59	264,344.30
xvi) वेबसाइट	60	65,900.00	-	-	65,900.00	43,006.30	8.07	-	43,014.37	22,885.63	22,893.70	22,880.26
xvii) लैपटॉप	60	357,860.00	-	-	357,860.00	352,619.12	3,144.53	-	355,763.65	2,096.35	5,240.88	-
xviii) सॉफ्टवेयर	60	598,247.00	-	-	598,247.00	598,246.00	-	-	598,246.00	1.00	1.00	-
कुल		7,445,883.06	19,851.00	-	7,465,734.06	3,621,407.81	220,507.71	-	3,841,915.53	3,625,546.52	3,826,203.22	2,189,429.63
7) राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के अनावर्ती अमुदान सं संबंधी												
प्रिंटर सॉल्ट कम्प्यूटर	60	286,825.00	-	-	286,825.00	13,262.74	0.05	-	13,262.79	273,562.21	273,562.26	273,562.17
टैम की स्थापना	60	50,500.00	-	-	50,500.00	2,356.11	0.01	-	2,356.12	48,143.88	48,143.89	48,143.87
फर्नीचर	10	52,190.00	-	-	52,190.00	20,501.55	698.70	-	21,200.25	30,989.75	31,688.45	24,701.39
कुल		389,515.00	-	-	389,515.00	36,120.41	698.77	-	36,819.16	352,695.84	353,394.59	346,407.43
जल्ल का योजनागत शुल्क	60	4,779,304.46	-	-	4,779,304.46	854,108.62	134.07	-	854,242.69	3,925,061.77	3,925,195.84	3,924,972.39
कुल		4,779,304.46	-	-	4,779,304.46	854,108.62	134.07	-	854,242.69	3,925,061.77	3,925,195.84	3,924,972.39
8) योजनागत तदर्थ निधि अमुदान संबंधी												
मरम्मत एवं नवीनीकरण	100	17,348.60	-	-	17,348.60	17,348.60	-	-	17,348.60	-	-	-
अतिथिगृह का वातानुकूलन	10	52,750.90	-	-	52,750.90	39,342.37	1,340.85	-	40,683.22	12,067.68	13,408.53	-
इलेक्ट्रिकोपियर मशीन	10	22,080.00	-	-	22,080.00	16,467.39	561.26	-	17,028.65	5,051.35	5,612.61	-
कुल		92,179.50	-	-	92,179.50	73,158.36	1,902.11	-	75,060.47	17,119.03	19,021.14	-

विवरण	दर	मूल लागत 01-04-19 को	वृद्धि समयोजन	खिंची/ समयोजन	मूल लागत 31-03-2020 तक	मूल्यह्रास तक 31- 03-19	मूल्यह्रास वर्ष से संबन्धित	समायोजन का समयोजन	कुल मूल्यह्रास 31-03-20 को	निवल हर्जाक 31-03-20 को	निवल हर्जाक 31-03-19 को	मूल्यह्रास विस्तर 31-03-10 तक ख्यान नहीं दिया गया
9) अमोवटिड अचल संपत्ति												
फर्नीचर एवं जु-नार												
सामान्य	10	8,407.84	-	-	8,407.84	533.96	18.18	-	552.14	7,855.70	7,873.88	7,692.11
पुरतकालय	10	8,153.95	-	-	8,153.95	6,081.39	207.26	-	6,288.65	1,865.30	2,072.56	-
व्याख्यान कक्ष	10	41,454.45	-	-	41,454.45	30,917.21	1,053.72	-	31,970.93	9,483.52	10,537.24	-
कार्यालय एवं अपिलेख कक्ष	10	23,228.54	-	-	23,228.54	17,324.06	590.45	-	17,914.51	5,314.03	5,904.48	-
अतिथिगृह	10	7,847.20	-	-	7,847.20	5,852.76	199.44	-	6,052.20	1,794.99	1,994.44	-
उपस्कर	10	650,833.42	-	-	650,833.42	193,507.26	70,397.42	-	263,904.68	386,929.10	457,326.16	-
कुल		739,925.40	-	-	739,925.40	254,216.65	72,466.46	-	326,683.10	413,242.65	485,708.75	7,692.11
10) आशुतोष मुखर्जी की एस्तिमा	10	100,000.00	-	-	100,000.00	60,410.90	2,058.91	-	62,469.81	37,530.18	39,589.09	19,000.00
		100,000.00	-	-	100,000.00	60,410.90	2,058.91	-	62,469.81	37,530.18	39,589.09	19,000.00
11) कार्यालय के संचालन के अनुदान से योजना												
i) प्रिंटर सहित कम्प्यूटर	10	340,162.00	-	-	340,162.00	152,720.15	486.90	-	153,207.05	186,954.95	187,441.85	182,572.80
ii) फर्नीचर	10	37,110.00	-	-	37,110.00	22,948.93	782.16	-	23,731.09	13,378.91	14,161.07	6,339.45
iii) जनरेटर	10	163,844.00	348,940.00	41,875.00	470,909.00	85,267.84	27,570.86	32,601.40	80,237.30	390,671.70	78,576.16	49,515.60
iv) जेनरेक्स मशीन	10	105,000.00	-	-	105,000.00	36,190.54	6,884.10	-	43,074.64	61,928.24	68,812.34	132,829.52
v) फ्रैक्स मशीन	10	16,500.00	-	-	16,500.00	7,845.10	267.39	-	8,112.49	8,387.51	8,654.90	5,981.25
vi) लेख एवं सदस्यता के लिए												
सॉफ्टवेयर फ़ैकेज	60	74,970.00	-	-	74,970.00	74,967.17	-	-	74,967.17	-	-	-
कुल		737,586.00	348,940.00	41,875.00	1,044,651.00	379,939.73	35,991.42	32,601.40	383,329.74	661,321.31	357,646.32	377,238.62
12) निर्माणधीन भवन												
तीसरे फ़र्श का निर्माण	10	7,921,163.13	-	-	7,921,163.13	4,585,243.57	333,591.96	-	4,918,835.53	3,002,327.59	3,335,919.55	-
निर्माण लिफ्ट	10	3,364,311.00	-	-	3,364,311.00	1,147,809.82	123,835.31	-	1,271,645.13	2,092,665.87	2,216,501.18	-
मॉडल प्लॉक का निर्माण	10	10,000.00	-	-	10,000.00	6,090.42	390.96	-	6,481.38	3,518.62	3,909.58	-
अतिथि गृह नवीनीकरण	10	906,946.25	-	-	906,946.25	90,694.63	90,694.63	-	181,389.26	725,557.00	816,251.63	-
कुल		12,202,420.38	-	-	12,202,420.38	5,829,838.43	548,512.85	-	6,378,351.29	5,824,069.08	6,372,581.94	-
कुलयोग		40,376,031.28	368,791.00	41,875.00	40,702,947.28	13,743,970.10	1,542,091.33	32,601.40	15,253,460.01	25,451,215.66	26,633,789.18	11,642,723.58

नोट 5

गैर – चालू निवेश

	वर्ष समाप्त 31.03.2020 राशि	वर्ष समाप्त 31.03.2019 राशि
सामान्य निधि		
अंतरिम जमा	59,438.76	52,277.09
बैंक में		3,467.64
	<u>59,438.76</u>	<u>55,744.73</u>
प्रारक्षित निधि		
अंतरिम जमा	77,16,599.56	71,96,165.23
बैंक में	3,57,330.47	3,46,483.47
	<u>80,73,930.03</u>	<u>75,42,648.70</u>
पेंशन निधि		
अंतरिम जमा	1,02,31,249.34	1,39,70,897.15
बैंक में	24,44,307.00	38,30,180.00
	<u>1,26,75,556.34</u>	<u>1,78,01,077.15</u>
भवन निधि		
अंतरिम जमा	7,98,275.68	7,63,650.86
बैंक में	46,209.93	44,670.93
	<u>8,44,485.61</u>	<u>8,08,321.79</u>
आजीवन सदस्यता निधि		
अंतरिम जमा	8,97,06,164.92	7,46,59,412.77
बैंक में	81,12,053.98	1,56,27,353.43
	<u>9,78,18,218.90</u>	<u>9,02,86,766.20</u>
उपदान निधि		
अंतरिम जमा	1,02,96,657.72	97,17,857.41
बैंक में	38,57,800.70	79,97,465.70
	<u>1,41,54,458.42</u>	<u>1,77,15,323.11</u>
भवन निर्माण ग्रिम निधि		
अंतरिम जमा	8,23,772.69	7,78,964.47
बैंक में	3,45,098.08	3,34,318.08
	<u>11,68,870.77</u>	<u>11,13,282.55</u>
ISCA संस्था विकास निधि		
अंतरिम जमा	91,55,372.31	90,53,170.52
बैंक में	43,62,549.86	38,44,708.86
	<u>1,35,17,922.17</u>	<u>1,28,97,879.38</u>
ISCA छुट्टी तुलना निधि		
अंतरिम जमा	78,25,582.69	73,75,837.09
बैंक में	25,82,003.00	58,15,040.00
	<u>1,04,07,585.69</u>	<u>1,31,90,877.09</u>
ISCA आशुतोष मुखर्जी निधि		
अंतरिम जमा	-	-
बैंक में	16,96,043.00	2,66,550.00
	<u>16,96,043.00</u>	<u>2,66,550.00</u>
कुल	<u>16,04,16,509.69</u>	<u>16,16,78,470.70</u>

	Rs	Rs
नोट 6		
लंबी अवधि ऋण और अग्रिम		
अग्रिम - सामान्य	17,83,154.00	30,48,303.00
	<u>17,83,154.00</u>	<u>30,48,303.00</u>
नोट 7		
अन्य गैर मौजूदा परिसंपत्तियाँ		
हाइटेशन लाइन के लिए सुरक्षा जमा	3,76,914.51	3,76,914.51
सी. ई. एस. सी. लिमिटेड में सुरक्षा जमा	1,000.00	1,000.00
टेलेक्स के लिए सुरक्षा जमा	10,000.00	10,000.00
सदस्यता प्राप्त	-	-
	<u>3,87,914.51</u>	<u>3,87,914.51</u>
नोट 8		
माल		
मुद्रण कागज का पेपर	-	1,17,125.19
कक्ष: क्षतिग्रस्त का प्रावधान	-	(69,639.87)
	-	<u>47,485.32</u>
नोट 9		
नगद और नगद समकक्ष		
- नगद	2,000.00	2,000.00
- चालू खाता		
- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	38,87,744.02	24,29,496.28
- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	1,33,56,049.17	55,24,867.66
- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया खाता कार्यकारी सचिव	-	30,668.00
- चेक शेष	2,635.40	4,100.00
- बचत बैंक	3,005.00	-
- बैंक के साथ सार्वजनिक सूचना अधिकारी	2,500.00	-
	<u>1,72,53,933.59</u>	<u>79,91,131.94</u>
नोट 10		
लघु अवधि ऋण और अग्रिम		
त्योहार अग्रिम	-	32,400.00
	-	<u>32,400.00</u>
नोट 11		
अन्य मौजूदा संपत्ति		
प्रीपेड खर्च	43,952.00	59,998.00
मौजूदा सुविधाओं के सुधार में प्रीपेड उन्नयन	-	-
प्रीपेड बीमा	42,278.00	22,383.00
अग्रिम कर-आयकर अपील	20,36,339.00	20,36,339.00
- सीईएससी लिमिटेड	-	3,088.00
सेवा मुद्रा से प्राप्य	69,639.87	
	<u>21,92,208.87</u>	<u>21,21,808.00</u>

आर

2019-2020

2018-19

	2019-2020		2018-19	
	योजना	रैर योजना	योजना	रैर योजना
सककारी अमुदान	रु	रु	रु	रु
	6,39,27,000.00	-	4,48,06,000.00	-
	6,39,27,000.00	6,39,27,000.00	4,48,06,000.00	4,48,06,000.00

नोट-13

अन्य कार्यक्रमलापों से आय

	2019-2020		2018-2019	
	Plan	Non Plan	Plan	Non Plan
सदस्यता शुल्क प्राप्ति	Rs	Rs	Rs	Rs
घटाएँ: प्रारक्षित निधि में अंतरण				
	27,80,987.00	50,000.00	28,54,361.00	50,000.00
जोड़ें: प्रवेश शुल्क	27,30,987.00	3,10,200.00	28,04,361.00	2,34,200.00
जोड़ें: आजीवन सदस्यता शुल्क से अंतरण	9,55,450.00	58,984.00	9,88,000.00	9,88,000.00
	39,96,637.00	1,00,049.00	40,26,561.00	40,26,561.00
अतिथिगृह आवास प्रभार	-	28,600.00	-	34,100.00
संस्था व्याख्यान कक्ष से संबंधित सेवा हॉल (लेट)	-	71,600.00	-	96,900.00
डाक व्यय	58,984.00	-	50,691.00	-
विविध आय	-	1,00,049.00	-	7,79,466.34
प्रकाशित ग्रंथों की बिक्री	1,200.00	-	-	-
निविदा कागजात की योजना बिक्री	-	-	-	-
जर्नल शुल्क (रैर सदस्य)	26,250.00	-	26,750.00	-
कागज का क्षतिग्रस्त स्टॉक	69,639.87	69,639.87	-	-
फिक्स्ड एसेट्स की बिक्री पर लाभ	-	22,586.39	-	-
बचत बैंक खाते पर ब्याज	-	5.00	-	-
ब्याज आय (प्रोड्यूल)	-	-	-	-
सामान्य निधि	-	3,693.03	-	3,467.64
भवन निधि	-	33,172.97	-	51,488.47
उपदान निधि	-	8,07,994.31	-	8,37,033.28
भवन निर्माण अग्रिम निधि	-	49,340.39	-	59,585.10
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विकास निधि	-	6,20,051.79	-	6,35,046.89
आजीवन सदस्यता शुल्क	-	53,05,885.15	-	48,46,128.39
पेंशन निधि	-	9,51,229.19	-	9,97,520.94
योजना निर्माण निधि	-	5,20,434.33	-	5,04,590.01
जनसूचना अधिकारी निधि	-	168.60	-	160.00
छुट्टी तुलना निधि	-	6,18,004.60	-	6,38,936.68
	1,56,073.87	1,31,29,451.75	77,441.00	1,35,10,984.74
कम : निधि स्थानांतरण (ब्याज उपार्जित लेकिन देय नहीं)	-	89,09,974.36	-	85,73,957.40
	1,56,073.87	42,19,477.39	77,441.00	49,37,027.34
		43,75,551.26		50,14,468.34

व्यय

अनुसूची - 14

वैज्ञानिक कार्यकलापों और पुरस्कार पर खर्च

	2019-2020		2018-19		कुल
	योजना	गैर योजना	योजना	गैर योजना	
	₹	₹	₹	₹	₹
सत्रीय व्यय	3,200.00	-	3,200.00	9,478.00	9,478.00
यात्रा व्यय	42,30,733.00	-	42,30,733.00	55,78,938.00	55,78,938.00
बैठक फीस	11,10,000.00	-	11,10,000.00	11,60,100.00	11,60,100.00
संस्था की शाखाएँ	50,58,030.00	-	50,58,030.00	45,79,607.00	45,79,607.00
संगोष्ठी, परिसंवाद, वाद - विवाद एवं व्याख्यान	56,00,000.00	-	56,00,000.00	39,40,000.00	39,40,000.00
संस्था के प्लेटिनम जयंती व्याख्यान से संबंधित मानदेय	1,30,000.00	-	1,30,000.00	1,20,000.00	1,20,000.00
पंडित जवाहर लाल नेहरू जन्मशतवार्षिकी अवाई	-	-	-	-	-
पंडित जवाहर लाल नेहरू पुरस्कार	-	-	-	-	-
पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार	80,000.00	-	80,000.00	85,000.00	85,000.00
स्वर्ण पदकों एवं बिल्टों की लागत	3,36,000.00	-	3,36,000.00	6,15,700.00	6,15,700.00
सदस्यता शुल्क	-	-	-	-	-
पत्रिकाओं के लिए बिल्टिंग शुल्क	-	-	-	-	-
101 वाँ विज्ञान कांग्रेस	-	-	-	-	-
युवा वैज्ञानिक	-	-	-	-	-
पुरस्कार	1,75,000.00	-	1,75,000.00	3,50,000.00	3,50,000.00
यात्रा व्यय	1,93,330.00	-	1,93,330.00	1,74,261.00	1,74,261.00
प्रकाशन	-	-	-	-	-
लेखन सामग्री	-	-	-	-	-
विज्ञापन	18,900.00	-	18,900.00	15,000.00	15,000.00
आकस्मिक व्यय	14,500.00	-	14,500.00	10,500.00	10,500.00
विदेश में बैठकों में भाग लेने वाले प्रतिनिधि मण्डल से संबंधित व्यय	-	-	-	-	-
कागज की स्क्रीनिंग और मूल्यांकन	85,000.00	-	85,000.00	85,000.00	85,000.00
प्रदर्शनी	-	-	-	-	-
	1,70,34,693.00	-	1,70,34,693.00	1,67,23,584.00	1,67,23,584.00

अनुसूची-15

योजना	2019-2020	2018-19	कुल
₹	₹	₹	₹
अन्य व्यय			
दूरभाष प्रभार	1,02,733.00	-	1,02,733.00
परिवहन प्रभार	43,909.00	-	43,909.00
नगरपालिका कर	889.00	-	889.00
सुरक्षा गार्ड पर व्यय	17,76,133.00	-	17,76,133.00
लेखा परीक्षा शुल्क	29,500.00	-	29,500.00
सफाई एवं भवन अनुसूक्षण	4,77,929.00	-	4,77,929.00
महाप्यक्ष के लिए डाक एवं लेखन - सामग्री पर व्यय	49,000.00	1,58,687.00	2,07,687.00
विज्ञापन	1,04,407.00	1,75,813.00	2,80,220.00
विद्युत शुल्क	5,57,924.00	6,43,599.00	12,01,523.00
विद्यमान सुविधा का उन्नयन एवं असेमें सुधार	4,87,951.00	5,27,237.52	10,15,188.52
साधारण प्रकाशन	18,33,469.00	14,98,336.30	33,31,805.30
अतिथि गृह व्यय	58,086.00	45,840.00	1,03,926.00
बीमा	16,873.00	39,317.00	56,190.00
बैंक प्रभार	3,205.12	18,520.94	21,726.06
ए. सी. संघर्ष का प्रचालन एवं अनुसूक्षण	1,20,360.00	1,20,360.00	2,40,720.00
अचल सम्पत्तियों की बिक्री पर लाभ और हानि	-	-	-
कागज का क्षति ग्रस्त स्टॉक	47,485.32	15,785.58	63,270.90
अन्य संचालन व्यय			
स्टेशनरी का खर्च	1,79,392.00	2,33,131.00	4,12,523.00
डाक व्यय	48,69,942.60	48,25,013.00	96,94,955.60
आकस्मिक व्यय	1,96,426.00	1,99,344.00	3,95,770.00
भवन की मरम्मत और नवीनीकरण	31,700.00	6,13,117.80	6,44,817.80
विधि व्यय	2,94,073.00	1,20,204.00	4,14,277.00
राजभाषा बैठक के लिए आकस्मिक व्यय	27,846.00	53,445.00	81,291.00
प्रकाशन व्यय			
सत्रिय प्रकाशन	15,71,996.00	6,92,537.50	22,64,533.50
कार्यवाही के प्रकाशन	21,840.00	6,92,137.50	7,13,977.50
प्रतिकाओं के प्रकाशन	43,54,266.00	63,37,280.00	1,06,91,546.00
मुद्रण पेपर की कीमत	2,648.00	26,808.00	29,456.00
फोटोकॉपी प्रकाशन	-	-	-
	1,46,30,365.92	26,29,617.12	1,72,59,983.04
		1,67,96,690.62	1,94,84,369.24

	2019-2020		2018-19		कुल
	योगदान	गैर योजना	योगदान	गैर योजना	
	₹	₹	₹	₹	₹
अनुसूची-16					
कर्मचारियों के लाभ व्यय					
स्थापना	6,03,974.00	1,82,99,991.63	1,89,03,965.63	5,29,194.00	2,16,17,436.00
तदर्थ बोनस	-	-	-	-	(5,757.00)
कर्मचारियों को नई पेंशन योजना के लिए योगदान	-	7,67,277.00	7,67,277.00	-	6,54,632.00
कर्मचारियों के लिए प्रेच्युटी कोष में योगदान	-	-	-	-	-
कर्मचारियों के पेंशन कोष में योगदान	-	58,75,033.00	58,75,033.00	-	45,21,692.00
अवकाश नवदीकरण के लिए योगदान	-	-	-	-	-
छुट्टी यात्रा रियायत	-	4,29,878.00	4,29,878.00	-	1,69,167.00
कर्मचारियों की वर्दी	-	-	-	-	-
बच्चों की प्रतिपूर्ति शिक्षा भत्ता	-	-	-	-	1,87,853.00
	6,03,974.00	2,53,72,179.63	2,59,76,153.63	5,29,194.00	2,71,45,023.00

आजीवन सदस्यता निवेश		(रु.)
पिछले खाता के मुताबिक शेष राशि		74,659,412.77
जोड़ें: नया FDN0.	5,000,000.00	
जोड़ें: नया FDN0.	<u>5,000,000.00</u>	<u>10,000,000.00</u>
		84,659,412.77

जोड़: वर्ष के दौरान ब्याज प्रोद्भुत	टीडीआर संख्या	(रु.)	
	32399434877	308,855.24	
	32654087378	107,819.59	
	33171568280	506,575.30	
	33062685839	588,320.75	
	33251159345	465,411.06	
	33529725604	171,183.14	
	30275144311	153,511.07	
	10959318622	476,678.27	
	34169506239	251,787.04	
	10959318633	216,309.35	
	37580408810	824,596.82	
	34803843458	436,033.28	
	38515614449	269,835.62	
	38515614971	269,835.62	5,046,752.15
			(आ) <u>89,706,164.92</u>

भारतीय स्टेट बैंक का आजीवन सदस्यता खाता	(रु.)	(रु.)
		15,627,353.43

01-04-2019 का शेष राशि	
जोड़: वर्ष के दौरान स्थानांतरण	2,502,000.00
(पिछले साल बैलेन्स ट्रान्सफर)	

बचत बैंक ब्याज	259,133.00	
	<u>3/31/2020</u>	<u>2,761,133.00</u>
		18,388,486.43

कम: व्यय किए गए	
चेप्टर के लिए सदस्यता के लिए आयोग	276,432.45
कम: 50 लाख रुपये का फिक्स्ड डिपॉजिट	10,000,000.00
	<u>10,276,432.45</u>

8,112,053.98 (C)		
अ =	आ	क
(रु.)	(रु.)	(रु.)

101,640,018.90 89,706,164.92 8,112,053.98

चालू वर्ष में हस्तांतरित करने के लिए व्यय वर्तमान साल	3,821,800.00
---	--------------

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

नोट 17

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ

1. महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां जमा खाता चिंता की अवधारणा के तहत ऐतिहासिक लागत के आधार पर तैयार किए जाते हैं।
2. सदस्यता से आए सरकारी अनुदान और निवेश पर ब्याज का हिसाब के आधार पर किया जाता है।
3. फरवरी महीने और मार्च महीने के लिए प्राप्त सदस्यता को अगले वर्ष के लिए पूर्व प्राप्त सदस्यता के रूप में लिया जाता है।
4. जीवन सदस्यता का 20 परसेंट ब्याज का अशुद्ध प्राप्ति वर्ष में सुधार के रूप में माना जाता है, और शेष राशि का 80% जीवन सदस्यता निधि खाते में एकल समिति के निर्णय के अनुसार 21-9-2013 को आयोजित बैठक में रखी जाती है दिनांक 4-10-2013 को कार्यकारी समिति की बैठक के अनुमोदन के बाद।
5. ₹50,000 का स्थानांतरण रूपए ₹25000 के बजाय 21-09-2013 को हुई समिति की बैठक के निर्णय के अनुसार सामान्य निधि खाते से आरक्षित निधि खाते में और 4-10-2013 को कार्यकारी समिति की बैठक के अनुमोदन के बाद हुई।
6. बैलेंस शीट के अचल संपत्तियां लागत से कम मूल्यहास पर ली गई है, जो 2006 से 2007 तक प्रदान की गई है, "जर्नल की योजना सदस्यता" को छोड़कर, जो 2010 से प्रभावी के रूप में कम मूल्य हास पर बैलेंस शीट में दिखाया गया है - इस प्रकार अचल संपत्तियों पर मूल्यहास का बकाया ("जर्नल की सदस्यता" के अलावा) 31-3-2006 तक आयकर अधिनियम, 1961 द्वारा निर्धारित दर पर चालू वर्ष के लिए परिसंपत्तियों पर मूल्यहास की गणना के लिए w.d.v. पर पहुंचने के लिए अचल संपत्तियों की लागत से कम किया जाता है। "पत्रिका की योजना सदस्यता" के मामले में मूल्यहास की गणना के लिए w.d.v. पर आने की लागत से 31-3-2010 तक मूल्यहास का बकाया कम हो जाता है।
7. धन योजना और गैर-योजना द्विभाजन के तहत दिया जाता है। योजना व्यय और गैर-योजना व्यय के तहत आगे, खर्चों की पूंजी, सामान्य और वेतन बाय में आवंटित किया जाता है।
8. प्राभूत के अलावा टर्म डिपॉजिट में निवेश लागत पर किया जाता है और टर्म डिपॉजिट पर जमा ब्याज फंड खाते में लिया जाता है। हालांकि, सावधि जमा की परिपक्वता अवधि के दौरान, सामान्य निधि से निवेश किया गया, कुल जमा ब्याज को सामान्य निधि खाते से स्थानांतरित करके आय और व्यय खाते में जमा किया जाता है।
निवेश ज्यादातर 39 महीनों की अवधि के लिए किया जाता है क्योंकि इस अवधि के लिए ब्याज अधिकतम ब्याज दर देता है।
9. बंदोबस्ती निधि में सावधि जमा में निवेश पर ब्याज का भुगतान नगद आधार में किया जाता है।
10. गेस्ट हाउस में ठहरने के शुल्क और सेवा शुल्क के लिए ISCA सभागार में वर्ष के दौरान नगर आधार पर हिसाब लगाया गया है।

नोट- 18

खातों पर नोट

1. प्रबंधन ने वर्ष 2019-20 के लिए पुस्तकालय की पुस्तकों पत्रिकाओं और ISCA की कार्यवाही के मूल्य प्रकाशन की भौतिक सत्यापन रिपोर्ट दी है।
2. जनरल की योजना सदस्यता हालांकि 2008-09 में पूंजीकृत 31-03-2010 तक कोई मूल्यहास नहीं लिया गया है। हालांकि, चालू वर्ष के दौरान ₹134.07 आय और व्यय खाते में मूल्यहास के रूप में चार्ज किया गया है।
3. जैसा कि 1991-92 के बाद से प्रचलित है, ISCA की लेखांकन नीति (पैरा 2,3) के संदर्भ में ₹47,77,250 से बाहर वर्तमान वर्ष के दौरान प्राप्त की गई जीवन सदस्यता का 80% है अर्थात् ₹38,21,800 को आजीवन सदस्यता शुल्क फंड और बैलेंस ₹9,55,450 में ट्रांसफर करना पड़ता है और इसे सदस्यता आय के रूप में माना जाता है। 31-03-2020 तक उप-अनुसूची से IA में दी गई जीवन सदस्यता निधि और उसके निवेश के सामंजस्य का विवरण दिया गया है।
4. धन खाते को अनुदान देने के लिए पूंजीगत परिसंपत्तियों के खाते पर किए गए वास्तविक व्यय के अनुसार हस्तांतरित गैर आवर्ती निधि अनुदान के आवंटन का आधार।
5. योजना और गैर योजना अनुदान DST के तहत i) सामान्य ii) वेतन और iii) पूंजीगत से उप-प्रमुखों को निर्दिष्ट किया किए बिना प्राप्त किया जाता है। हालांकि, तीन प्रमुखों का सामंजस्य ऊपर वर्णित है। संस्था तिमाही आधार पर DST के लिए उपयोग प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत कर आएगा कराता है।
6. बैंक से आवश्यक विवरण उपलब्ध नहीं होने के कारण बैंकों के साथ सावधि जमा कर ब्याज से स्रोत पर घटाए गए आयकर काम का हिसाब नहीं किया गया है। मामले को बैंक के साथ उठाया गया है और उचित दस्तावेजों की उपलब्धता पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।
7. ₹ 32,40,320 कि आयकर मांग के लिए आकस्मिक देवता मूल्यांकन वर्ष 2012 2013 के लिए अपील के अधीन है।
8. ₹ 19,67,350 की सदस्यता आवेदन आवेदन 2017-2018 के दौरान प्राप्त के आर्डर नहीं पाए गए आवेदकों को रिफंड के लिए आधार नंबर और बैंक विवरण प्रस्तुत करने के लिए पत्र दिए गए हैं। ऐसी राशि और शेष राशि पर अदा किए जाने वाले आयकर को 2020-21 की आय के रूप में माना जाना चाहिए।
9. पिछले वर्ष के आखिरी फिर से समूह वितरित किए गए हैं और फिर से व्यवस्थित किए गए हैं जहां उन्हें वर्तमान वर्ष के आंकड़ों के साथ तुलना करने के लिए आवश्यक है।
10. यह अनुशंसा की जाती है कि बैलेंस शीट, रसीद और भुगतान खाता और मानक प्रारूप में चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा हस्ताक्षरित UDIN वाले फंड के उपयोग का प्रमाण पत्र वित्तीय वर्ष के अंत से 31 मई के भीतर सभी शाखाओं से प्राप्त किया जाना चाहिए।
11. 31-03-2009 तक के अग्रिम में ₹ 11,05,315.00 का अग्रिम शामिल है। M/S नाथ को इंफ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया उक्त राशि कार्य क्रम संख्या 3206/523/2017-18 दिनांक 06-02-2018 समय समय पर प्राधिकरण द्वारा निर्दिष्ट कुछ अतिरिक्त संशोधन के अधीन। लेकिन उक्त प्राप्तकर्ता ने अग्रिम प्राप्त कर प्राप्त करने के बाद कम काम बंद कर दिया है जिसके लिए पार्टी के वकील को एक नोटिस दिया गया है।

12. ₹ 49.71 लाख का भुगतान हो गया है और ₹ 27.55 लाख वर्ष के दौरान पेंशन और भविष्य निधि सेवानिवृत्ति लाभ के रूप में पेंशन फ्रंड बैंक खाते से बाहर भुगतान किया जाता है। ₹27.55 लाख, भविष्य निधि बैंक खाता और ₹ 21.62 लाख और वेतन खाता ₹ 28.07 लाख है।

कृते ए. व्ही. एस. एस. और सहयोगियों के लिए
चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट

एफ. आर. एन. 327456ई

ए. सी. ए. आभजांत सिंह
भागीदार
सदस्य संख्या 306958

डॉ. एस. रामकृष्ण
महा सचिव
(सदस्यता कार्य)

डॉ. शिव सत्य प्रकाश
कोषाध्यक्ष

स्थान: कोलकाता

दिनांक: 01.12.2020

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

31 मार्च 2020 तक प्राभूत निधि का तुलना – पत्र

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष (रु.)	पूर्ववर्ती वर्ष (रु.)
देयता			
शेष प्राभूत निधि	19	3,11,94,608.74	2,99,96,931.54
कुल:		3,11,94,608.74	2,99,96,931.54
संपत्ति एवं परिसंपत्ति			
प्राभूत निवेश	20	3,11,94,608.74	2,99,96,931.54
कुल:		3,11,94,608.74	2,99,96,931.54

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते ए. व्ही. एस. एस. और सहयोगियों के लिए
चार्टर्ड अकाउन्टेंट
एफ. आर. एन. 327456ई

ए. सी. ए. अभिजीत सिंह
भागीदार
सदस्य संख्या 306958

डॉ. एस. रामकृष्ण
महासचिव
(सदस्यता कार्य)

डॉ. शिव सत्य प्रकाश
कोषाध्यक्ष

स्थान: कोलकाता
दिनांक: 01.12.2020

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

31 मार्च 2019 तक प्राभूत नधिका आय एवं व्यय लेखा

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष (रु.)	पूर्ववर्ती वर्ष (रु.)
आय	21	14,57,949	15,80,737
		14,57,949	15,80,737
व्यय	21	2,60,272	5,89,754
		2,60,272	5,89,754
व्यय पर अधिक आय		11,97,677	9,90,983
कम : संबंधित नधिसे अंतरण		11,97,677	9,90,983
		-	-

हमारी इसी तारीख की संलग्न रपिर्ट के अनुसार

कृते ए. व्ही. एस. एस. और सहयोगियों के लिए
चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट
एफ. आर. एन. 327456ई

ए. सी. ए. अभिजीत सिंह
भागीदार
सदस्य संख्या 306958

डॉ. एस. रामकृष्ण
महासचिव
(सदस्यता कार्य)

डॉ. शिव सत्य प्रकाश
कोषाध्यक्ष

स्थान: कोलकाता
दिनांक: 01.12.2020

अनुसूची 19
अक्षयनिधि अधिशेष

विवरण	01-04-2019 का अधिशेष (रु.)	संबंधित निधि अंतरित अधिशेष(+) / घाटा(-) (रु.)	दान प्राप्त (रु.)	31.03.2020 का अधिशेष (रु.)
1 बी. सी. गुहा स्मारक निधि	1,99,882.39	3,449.00	-	2,03,331.39
2 जी. पी. चटर्जी एवं श्रीमती सुनील चटर्जी निधि	8,59,173.38	29,344.00	-	8,88,517.38
3 प्रोफेसर हीरालाल चक्रवर्ती एवं श्रीमती तोरु चक्रवर्ती निधि	4,06,488.60	16,648.00	-	4,23,136.60
4 प्रोफेसर के. पी. रोडे : स्मारक व्याख्यान निधि	1,99,403.66	9,844.00	-	2,09,247.66
5 प्राण वोहरा पुरस्कार निधि	7,51,231.13	25,146.00	-	7,76,377.13
6 राज कृष्ण दत्ता स्मारक पुरस्कार निधि	1,83,802.00	(3,620.00)	-	1,80,182.00
7 प्रोफेसर उमाकांत सिन्हा स्मारक पुरस्कार निधि	3,79,623.81	14,215.00	-	3,93,838.81
8 डॉ. बी. सी. देव स्मारक पुरस्कार निधि	7,09,915.39	17,026.64	-	7,26,942.03
9 प्रोफेसर आर. सी. शाह स्मारक पुरस्कार निधि	1,67,039.55	325.64	-	1,67,365.19
10 प्रोफेसर आर. सी. मेहरोत्रा स्मारक पुरस्कार निधि	3,44,639.74	19,403.00	-	3,64,042.74
11 प्रोफेसर एस. के. मुखर्जी स्मारक पुरस्कार निधि	3,18,356.45	9,201.00	-	3,27,557.45
12 प्रोफेसर (श्रीमती) अणिमा सेन स्मारक पुरस्कार निधि	2,23,246.00	10,153.00	-	2,33,399.00
13 प्रोफेसर (श्रीमती) गौरी गांगुली स्मारक पुरस्कार निधि	3,62,195.15	6,994.00	-	3,69,189.15
14 प्रोफेसर एस. एस. कटियार स्मारक व्याख्यान निधि	7,78,215.00	18,604.00	-	7,96,819.00
15 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था पुरस्कार निधि	1,03,18,692.66	4,91,995.00	-	1,08,10,687.66
16 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विक्रम साराभाई स्मारक पुरस्कार निधि	15,81,247.29	79,451.00	-	16,60,698.29
17 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उत्कृष्ट पुरस्कार निधि	35,90,334.00	1,62,218.00	-	37,52,552.00
18 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था रॉयल्टी निधि	7,91,684.50	33,458.00	-	8,25,142.50
19 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था इन्फोसिस फ़ाउंडेशन यात्रा पुरस्कार निधि	7,72,733.84	(31,294.08)	-	7,41,439.76
20 प्रोफेसर आर. सी. मेहरोत्रा स्मारक जीवन काल उपलब्धि पुरस्कार निधि	29,47,587.00	1,29,652.00	-	30,77,239.00
21 प्रोफेसर एम. के. सिंघल स्मारक पुरस्कार निधि	13,88,877.00	73,314.00	-	14,62,191.00
22 प्रोफेसर अर्चना शर्मा स्मारक अवार्ड निधि	6,69,653.00	37,965.00	-	7,07,618.00
23 प्रोफेसर जे. के. मन्ना स्मारक अवार्ड निधि	7,79,576.00	29,737.00	-	8,09,313.00
24 प्रोफेसर व्ही. के. पूरी स्मारक अवार्ड निधि	7,33,115.00	1,430.00	-	7,34,545.00
25 प्रोफेसर डब्ल्यू डी. बेस्ट स्मारक अवार्ड निधि	5,40,219.00	13,018.00	-	5,53,237.00
	2,99,96,931.54	11,97,677.20	-	3,11,94,608.74

Note 20

ENDOWMENT FUND INVESTMENTS

वविरण	मियादी जमा में (रु.)	2018-2019 बैंक में (रु.)	कुल (रु.)	2017-2018 (रु.)
1 बी. सी. गुहा स्मारक निधि	1,25,000.00	78,331.39	2,03,331.39	1,99,882.39
2 जी. पी. चटर्जी एवं श्रीमती सुनील चटर्जी निधि	4,20,000.00	4,68,517.38	8,88,517.38	8,59,173.38
3 प्रोफेसर हीरालाल चक्रवर्ती एवं श्रीमती तोरु चक्रवर्ती निधि	2,25,000.00	1,98,136.60	4,23,136.60	4,06,488.60
4 प्रोफेसर के. पी. रोडे : स्मारक व्याख्यान निधि	95,000.00	1,14,247.66	2,09,247.66	1,99,403.66
5 प्राण वोहरा पुरस्कार निधि	4,25,000.00	3,51,377.13	7,76,377.13	7,51,231.13
6 राज कृष्टों दत्ता स्मारक पुरस्कार निधि	1,00,000.00	80,182.00	1,80,182.00	1,83,802.00
7 प्रोफेसर उमाकांत सिन्हा स्मारक पुरस्कार निधि	1,85,000.00	2,08,838.81	3,93,838.81	3,79,623.81
8 डॉ. बी. सी. देव स्मारक पुरस्कार निधि	3,79,955.00	3,46,987.03	7,26,942.03	7,09,915.39
9 प्रोफेसर आर. सी. शाह स्मारक पुरस्कार निधि	1,20,000.00	47,365.19	1,67,365.19	1,67,039.55
10 प्रोफेसर आर. सी. मेहरोत्रा स्मारक पुरस्कार निधि	2,30,000.00	1,34,042.74	3,64,042.74	3,44,639.74
11 प्रोफेसर एस. के. मुखर्जी स्मारक पुरस्कार निधि	1,50,000.00	1,77,557.45	3,27,557.45	3,18,356.45
12 प्रोफेसर (श्रीमती) अणिमा सेन स्मारक पुरस्कार निधि	1,00,000.00	1,33,399.00	2,33,399.00	2,23,246.00
13 प्रोफेसर (श्रीमती) गौरी गांगुली स्मारक पुरस्कार निधि	2,00,000.00	1,69,189.15	3,69,189.15	3,62,195.15
14 प्रोफेसर एस. एस. कटियार स्मारक व्याख्यान निधि	5,00,000.00	2,96,819.00	7,96,819.00	7,78,215.00
15 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था पुरस्कार निधि	64,00,000.00	44,10,687.66	1,08,10,687.66	1,03,18,692.66
16 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विक्रम साराभाई स्मारक पुरस्कार निधि	8,00,000.00	8,60,698.29	16,60,698.29	15,81,247.29
17 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उत्कृष्ट पुरस्कार निधि	20,00,000.00	17,52,552.00	37,52,552.00	35,90,334.00
18 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था रॉयल्टी निधि	3,00,000.00	5,25,142.50	8,25,142.50	7,91,684.50
19 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था इन्फोसिस फ़ाउंडेशन यात्रा पुरस्कार निधि	5,00,000.00	2,41,439.76	7,41,439.76	7,72,733.84
20 प्रोफेसर आर. सी. मेहरोत्रा स्मारक जीवन काल उपलब्धि पुरस्कार निधि	15,00,000.00	15,77,239.00	30,77,239.00	29,47,587.00
21 प्रोफेसर एम. के. सिंघल स्मारक पुरस्कार निधि	10,00,000.00	4,62,191.00	14,62,191.00	13,88,877.00
22 प्रोफेसर अर्चना शर्मा स्मारक अवार्ड निधि	5,00,000.00	2,07,618.00	7,07,618.00	6,69,653.00
23 प्रोफेसर जे. के. मन्ना स्मारक अवार्ड निधि	5,00,000.00	3,09,313.00	8,09,313.00	7,79,576.00
24 प्रोफेसर व्ही. के. पूरी स्मारक अवार्ड निधि	5,00,000.00	2,34,545.00	7,34,545.00	7,33,115.00
25 प्रोफेसर डब्ल्यू डी. बेस्ट स्मारक अवार्ड निधि	5,00,000.00	53,237.00	5,53,237.00	5,40,219.00
	1,77,54,955.00	1,34,39,653.74	3,11,94,608.74	2,99,96,931.54

अनुसूची 21

	2019-2020		2018-2019			
	आय (₹.)	व्यय (₹.)	संबंधित निधि अंतर्गत अधिशेष(+) घाटा(-) (₹.)	आय (₹.)	व्यय (₹.)	संबंधित निधि अंतर्गत अधिशेष(+) घाटा(-) (₹.)
1	10,209.00	6,760.00	3,449.00	9,953.00	-	9,953.00
2	41,404.00	12,060.00	29,344.00	40,104.00	29,899.00	10,205.00
3	20,648.00	4,000.00	16,648.00	23,241.00	4,000.00	19,241.00
4	9,844.00	-	9,844.00	9,750.00	-	9,750.00
5	35,146.00	10,000.00	25,146.00	35,953.00	11,460.00	24,493.00
6	8,440.00	12,060.00	(3,620.00)	9,930.00	2,060.00	7,870.00
7	18,215.00	4,000.00	14,215.00	17,357.00	7,070.00	10,287.00
8	33,798.00	16,771.36	17,026.64	34,103.00	9,120.00	24,983.00
9	8,858.00	8,532.36	325.64	9,000.00	9,120.00	(120.00)
10	19,403.00	-	19,403.00	17,769.00	10,000.00	7,769.00
11	14,201.00	5,000.00	9,201.00	15,976.00	5,000.00	10,976.00
12	10,153.00	-	10,153.00	11,086.00	-	11,086.00
13	18,914.00	11,920.00	6,994.00	18,395.00	13,085.00	5,310.00
14	40,664.00	22,060.00	18,604.00	67,594.00	49,394.00	18,200.00
15	5,05,638.00	13,643.00	4,91,995.00	5,55,996.00	72,757.00	4,83,239.00
16	79,451.00	-	79,451.00	69,236.00	-	69,236.00
17	1,62,218.00	-	1,62,218.00	1,79,589.00	1,18,063.00	61,526.00
18	33,458.00	-	33,458.00	35,273.00	-	35,273.00
19	38,718.00	70,012.08	(31,294.08)	37,737.00	83,696.75	(45,959.75)
20	1,31,712.00	2,060.00	1,29,652.00	1,57,042.00	52,060.00	1,04,982.00

	2019-2020		2018-2019			
	आय (₹.)	व्यय (₹.)	संबंधित निधि अंतरित अधिशेष(+) घाटा(-) (₹.)	आय (₹.)	व्यय (₹.)	संबंधित निधि अंतरित अधिशेष(+) घाटा(-) (₹.)
21 प्रोफेसर एम. के. सिंघल स्मारक पुरस्कार निधि	73,314.00	-	73,314.00	76,104.00	-	76,104.00
22 प्रोफेसर अर्चना शर्मा स्मारक अवार्ड निधि	37,965.00		37,965.00	35,342.00	20,253.00	15,089.00
23 प्रोफेसर जे. के. मन्ना स्मारक अवार्ड निधि	41,797.00	12,060.00	29,737.00	38,662.00	16,310.00	22,352.00
24 प्रोफेसर व्ही. के. पूरी स्मारक अवार्ड निधि	35,020.00	33,590.00	1,430.00	39,841.00	39,956.00	(115.00)
25 प्रोफेसर डब्ल्यू.डी. बेस्ट स्मारक अवार्ड निधि	28,761.00	15,743.00	13,018.00	35,704.00	36,450.00	(746.00)
	14,57,949.00	2,60,271.80	11,97,677.20	15,80,737.00	5,89,753.75	9,90,983.25







भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

(विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एक व्यावसायिक संस्था)

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार)

14 डॉ. बि. रेश गुहा स्ट्रीट, कोलकाता – 700 017, भारत